हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

शुक्ल पक्ष, तैतिल, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • रविवार • 05 अक्टूबर 2025 • वर्ष 27 • अंक 295 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

महात्मा गांधी

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर

बेगम ऐजाज रसूल

बलवंत राय मेहता

अशोक मेहता

जी0वी0के0 राव

डॉ0 एल0एम0 सिंघवी

ग्राम पंचायत विकास पार्टी

बुनियादी सोंच–युवा उत्साह के साथ

विजन ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज

मिशन सत्ता का लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण (Democratic Decentralization of Power)

संरक्षक मो. इजहार आलम, वरीय अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली, सन् 2025 में भारत के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

ग्राम स्वराज : **महात्मा गांधी का सपना** ग्राम स्वराज का था, **जिसका अर्थ है गांव में आत्मनिर्भरता और स्वशासन**। उन्होंने विश्वास किया कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है, और सच्चे स्वराज की प्राप्ति तभी संभव है जब गांव आत्मनिर्भर और सशक्त हों। गांधीजी का ग्राम स्वराज, जिसे वे भारत की स्वतंत्रता का मूल स्वरूप मानते थे, का अर्थ है **स्व–शासित, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण गांव।** यह एक ऐसा समाज है जहां हर गांव एक स्वतंत्र इकाई के रूप में विकसित होता है, अपनी जरूरतों को खुद पूरा करता है और सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त होता है। **ग्राम स्वराज का उद्देश्य :** ग्राम स्वराज का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है जो आत्मनिर्भर, लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण हो। **ग्राम स्वराज का महत्व :** गांधीजी का मानना था कि ग्राम स्वराज के माध्यम से ही भारत एक मजबूत और खुशहाल देश बन सकता है। उनका यह भी मानना था कि ग्राम स्वराज से लोगों में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ेगा और वे अपने जीवन को बेहतर बनाने को प्रेरित होंगे। **ग्राम स्वराज का लक्ष्य :** गांधीजी चाहते थे कि प्रत्येक गांव में ऐसा गणराज्य हो जो अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न हो। उनका मानना था कि ग्राम स्वराज से ही भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय स्थापित किया जा सकता है।

लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण : लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का मतलब **सत्ता** एवं जिम्मेदारी का वितरण और निर्णय लेने का अधिकार शासन के निचले स्तर तक पहुंचाना है। अर्थात् निर्णय लेने की प्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके और स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान स्थानीय सरकारों द्वारा किया जा सके। **सत्ता का विभाजन :** लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का मुख्य उद्देश्य **सत्ता** को एक स्थान पर **केन्द्रित** न करके विभिन्न स्तरों पर बांटना है। इससे स्थानीय सरकारों को अपनी–अपनी क्षेत्रों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने का अधिकार मिलता है। **स्थानीय स्वायत्तता :** स्थानीय स्तर पर निर्वाचित सरकारें अपने क्षेत्र के विकास के लिए योजनाएं बना सकती हैं और उन्हें लागू कर सकती हैं। इससे स्थानीय लोगों को अपनी जरूरतों के अनुसार **विकास की प्रक्रिया** को आकार देने का मौका मिलता है। **प्रशासन में सुधार :** विकेन्द्रीकरण से शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है क्योंकि स्थानीय सरकारें सीधे लोगों के प्रति जवाबदेह होती हैं। संक्षेप में, लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का उद्देश्य शासन को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाना है। **लोकतंत्र की मजबूती :** लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण, लोकतंत्र को मजबूत करता है क्योंकि यह लोगों को **सत्ता में सीधे भागीदारी** का अवसर देता है और उन्हें स्थानीय मामलों में निर्णय लेने का अधिकार देता है।

ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज क्यों?

ग्राम कचहरी/न्याय पंचायतों को और अधिक शक्तियाँ क्यों?

पार्टी द्वारा प्राथमिकता के आधार पर किये जानेवाले कार्य :–

1•बिहार/देश में बुजुर्ग माता–पिता की देख–भाल तथा उनकी जरूरतों को उनके बच्चों से पूरा करवाने के लिए मौजूदा कानूनों को ज्यादा से ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए विधि सम्मत प्रयास करेगी तथा सास–ससुर की सेवा करनेवाली बहुओं को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि दिलाने के लिए प्रयास करेगी जिससे कि बुजुर्ग माता–पिता अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में अधिक से अधिक सुखमय जीवन व्यतीत कर सकें। 2• देश की सीमाओं पर शहीद होनेवाले हमारे वीर भाई/बहनों, देश के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों तथा देश की आजादी के वीरों/वीरांगनाओं तथा समाज सुधार के लिए पूर्ण रूप से समर्पित अभूतपूर्व व्यक्तित्वों इत्यादि को सच्ची श्रद्धांजली देने के लिए उनके ग्राम, थाना, प्रखण्ड, शहर, जिला, सड़क, पार्क, स्कूल/कॉलेज, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट इत्यादि का नामकरण कराने का प्रयास करेगी जिससे की भावी पीढ़ियां भी उन्हें याद रख सकें। 3•70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी महिलाओं/पुरूषों को राज्य सरकार द्वारा संचालित परिवहनों में राज्य के अन्दर निःशुल्क यात्रा सुविधा दिलाने के लिए प्रयास करेगी। 4•70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी महिलाओं/पुरूषों को राज्य के अन्दर निःशुल्क पर्यटन/धार्मिक स्थलों की यात्रा सुविधा दिलाने के लिए प्रयास करेगी। 5•सभी उम्र की छात्राओं को राज्य सरकार द्वारा संचालित ट्रांसपोर्ट में राज्य के अन्दर निःशुल्क यात्रा सुविधा दिलाने के लिए प्रयास करेगी। 6•प्राईवेट अस्पतालों में भी महिलाओं की नॉर्मल डिलीवरी कराने पर प्राईवेट अस्पतालों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन दिलाने का प्रयास करेगी। 7•प्राईवेट अस्पताल में भी इलाज के दौरान मरीज के नहीं बचने की स्थिति में मरीज का शेष बिल माफ करवाने का प्रयास करेगी। इससे दो फायदे होंगे कि डॉक्टर/अस्पताल मरीज को जिंदा रखने की भरपूर कोशिश करेंगे तथा दूसरा डॉक्टर/अस्पताल की पूरी कोशिश के बाद भी यदि मरीज नहीं बच पाता है तो अनावश्यक रूप से किसी भी तरीके से पैसा वसूलने की कोशिश नहीं करेंगे। 8• बिहार/देश के जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों को भी अपने मत के प्रयोग का अधिकार दिलाने का प्रयास करेगी।

अध्यक्षीय संदेश–भारत के आजाद होने के पहले और आज आजादी के लगभग 79 वर्षों बाद भी अगर एक नारा सामयिक है तो वह है –''**भारत की आत्मा गाँवों में बसती है**'' बिना गांव की उन्नति के भारत की उन्नति हर वक्त अधूरी और एकांकी रहेगी और आजादी के इन 79 वर्षों के बाद भी हमलोग खासकर ग्रामीण समाज के लोगों और पिछड़े लोगों की दशा आज भी लगभग पूर्ववत् ही है। अशिक्षा, गरीबी और जागरूकता की कमी के कारण आज भी हमलोगों जैसे लाखों परिवारों को बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसके फलस्वरूप हमलोगों के परिवार के लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, नैसर्गिक न्याय जैसे बुनियादी जरूरतों के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं। सत्य, सादगी एवं प्रेम के प्रतीक महात्मा गांधी के विचारों को लोगों तक पहुंचाने की बात हो या फिर पंचायती राज व्यवस्था के अग्रदूत गांधी के भारत में **महात्मा गांधी के एक अधूरे सपने (देश के सभी ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज)** को पूरा करने की बात हो, के लिए पार्टी द्वारा बुनियादी परम्परा की शुरूआत कर **देश के लगभग 8 लाख ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज दिलाने** और **सभी ग्राम कचहरी/न्याय पंचायतों को और अधिक शक्तियाँ दिलाने** के लिए सरकारों से अनुरोध करने तथा मांगें पूरी नहीं होने पर जनसमर्थन/जनसहयोग से **राज्य/राष्ट्र** स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर तथा सरकारों का ध्यान आकृष्ट कराकर इस लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करना है।

ग्राम पंचायत विकास पार्टी (GPVP) देश के त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को उनके अधिकारों **(ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज दिलाने)** के लिए समर्पित एवं संकल्पित अपनी तरह की एक ऐसी पार्टी है जो जागरूकता की कमी के कारण अधिकारों से वंचितों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक कर उन्हें **भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों** को दिलाने के लिए प्रयासरत है।

ग्राम पंचायत विकास पार्टी (GPVP) एक विकासात्मक सोंच और पवित्र प्रयास की परिकल्पना है। अगर इस प्रयास में जुड़े कार्यकर्त्ता पूरी तन्मयता, एकाग्रता और ईमानदारी के साथ अपनी **सोंच** और **सेवा** दे पाये तो वह दिन दूर नहीं जब हमारे समाज की आखिरी कतार में बैठे हुए वे लोग जो सदियों से अधिकारों से वंचित किये जाते रहे हैं, वे भी गर्व के साथ यह कह सकेंगे कि **हम भी अपने कर्त्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक हैं।** इस पार्टी की परिकल्पना एवं प्रारंभ काफी चिंतन, मनन और मंथन के उपरांत किया गया है, जिसकी कामयाबी का सारा दारोमदार हमारे उन उर्जावान एवं कर्मठ साथियों पर होगी जिनके सकारात्मक सोंच और रचनात्मक कार्य की हम अपेक्षा करते हैं।

इस पावन उद्देश्य की पूर्ति हेतु पार्टी के माध्यम से देश के बुनियादी बातों को आपके सामने इस उम्मीद के साथ प्रस्तुत कर रहा **हूँ** कि इस पवित्र प्रयास में आपका समुचित सहयोग, आशीर्वाद और दिशा–निर्देश मिलता रहेगा जिससे यह प्रयास **उत्तरोत्तर** सफलता के नये सोपान चढ़ता जाये।

अनुरोध–पार्टी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत को विकसित करने हेतु ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज दिलाने के लिए प्रयासरत होकर त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों (•जिला परिषद् अध्यक्ष/उपाध्यक्ष •पंचायत समिति प्रमुख/उप प्रमुख •मुखिया/उप मुखिया •ग्राम कचहरी सरपंच/उप सरपंच •जिला परिषद् सदस्य •पंचायत समिति सदस्य •ग्राम पंचायत सदस्य •ग्राम कचहरी के पंच) को भारतीय संविधान द्वारा **प्रदत्त अधिकार** दिलाने का प्रयास करना है।
अतः आप सभी **स्वयं के लिए संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों** को हासिल कर ग्रामीण भारत को विकसित करने के लिए ग्राम पंचायतों को समृद्ध एवं सशक्त बनाने हेतु पूर्ण इच्छाशक्ति के साथ पार्टी को सहयोग करने की कृपा करें।

आपका
उदय कुमार सिंह, अधिवक्ता
अध्यक्ष
ग्राम पंचायत विकास पार्टी

सलाह – परिवर्त्तन को अवसर के रूप में देखने के लिए बदलाव की चाहत के साथ युवा शक्ति को आगे आना चाहिए।

आह्वान–**ग्राम पंचायत विकास पार्टी (GPVP)** बिहार/देश के सभी •सामाजिक कार्यकर्त्ताओं/स्वयंसेवी संगठनों •पत्रकारों/पत्रकारिता से जुड़े लोगों •लेखकों/शिक्षा प्रणाली से जुड़े लोगों, •राजनीतिक दलों/पदाधिकारियों/कार्यकर्त्ताओं/जनप्रतिनिधियों •विद्वान अधिवक्ताओं •चिकित्सा प्रणाली से जुड़े लोगों •विभिन्न व्यवसाय से जुड़े लोगों •छात्र/छात्राओं तथा विशेष रूप से आमजनों का स्वागत करेगी, **बशर्ते** आप भी कम से कम एक बार **दलगत राजनीति से उपर उठकर** बिहार/देश के ग्राम पंचायतों को पूर्ण स्वराज दिलाने हेतु किये जा रहे प्रयास में कदम से कदम मिलाकर चलने एवं ग्राम पंचायतों को समृद्ध तथा सशक्त बनाने की भावना रखते हों।

सोंचें, समझें तथा सहयोग करने की कृपा करें।

ग्राम पंचायत विकास पार्टी (GPVP) को बिहार/देश भर में पंचायत, प्रखण्ड/ब्लॉक, जिला/जनपद, प्रमण्डल तथा प्रदेश/राज्य स्तर पर शाखा खोलना है। शाखा खोलकर पार्टी का सदस्यता अभियान चलाने तथा सभी स्तर पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव तथा कोषाध्यक्ष बनने के इच्छुक महिला/पुरूष सम्पर्क करें।

बिहार विधान सभा चुनाव, 2025
में चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें।

बिहार प्रदेश कार्यालय
0612-2583090
9431003090

मुख्यालय
9415396359
9810563090

FUNCTIONAL OFFICE : Nalanda Colony, Near Ashokpuri Chowraha, Opp. Khajpura Shiv Mandir, Piller No. 25, Bailey Road, Patna - 14

विसर्जन के दौरान डूबकर दो बच्चों की मौत एक की तलाश जारी, परिजनों ने की आगजनी

आक्रोशित परिजन ने बिहारशरीफ-राजगीर फोरलेन पर की आगजनी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में मूर्ति विसर्जन के दौरान तीन किशोर नदी में डूब कर लापता हो गए थे, जिनमें से दो बच्चों की लाश बरामद कर ली गई है, जबकि तीसरे की तलाश में एसडीआरएफ की टीम जुटी हुई है। देर शाम तक चली रेस्क्यू में एसडीआरएफ को कोई सफलता नहीं मिली थी। शनिवार सुबह फिर से एसडीआरएफ की दो टीमों की ओर से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। करीब दोपहर 2 बजे के बाद दो बच्चों की लाश बरामद कर ली गई। जिन बच्चों की लाश बरामद की गई है, उनकी पहचान मंदीप और मोहित के रूप में की गई है, जबकि सागर की तलाश जारी है। फिलहाल, एसडीआरएफ की टीम के साथ-साथ स्थानीय गोताखोरों की टीम भी सागर की तलाश कर रही है।

रेस्क्यू में देरी के बाद आक्रोशित परिजन ने सड़क जाम कर आगजनी की: तीन नाबालिगों के डूबने के बाद शनिवार दोपहर तक जब कोई सफलता नहीं मिली, तो डूबे बच्चों के परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। इसके बाद दो और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। फिलहाल, सागर की तलाश में तीन एसडीआरएफ की और स्थानीय गोताखोर जुटे हैं। उधर, परिजन सड़क पर उतर आए और बिहार शरीफ राजगीर फोरलेन पर आगजनी कर जाम कर दिया। शुक्रवार की रात भी परिजनों के द्वारा सड़क जाम कर दिया गया था। जब प्रशासन ने रात होने की वजह से रेस्क्यू रोक दिया गया था।

फिलहाल मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और बच्चों के परिजन मौजूद हैं। वहीं किसी भी प्रकार की अनहोनी से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को भी मौके पर बुलाया गया है।

तीनों बच्चे झींगनगर मोहल्ला के रहने वाले थे: नदी में डूबे तीनों नाबालिग बिहार थाना क्षेत्र के झींगनगर मोहल्ला के रहने वाले थे। मृतकों में शामिल 17 साल का मोहित, मनोज कुमार का जबकि 16 साल का मोहित प्रमोद लाल का बेटा था। वहीं, चांदो महतो के बेटे 16 साल के सागर की तलाश जारी है। मंदीप के पिता कबाड़ी की दुकान चलाते हैं। जबकि सागर के पिता गुपचुप का ठेला लगाते हैं एवं मोहित के पिता इलेक्ट्रिक का काम करते हैं। सागर और मोहित इंटरमीडिएट का छात्र था जबकि मंदीप दसवीं में पढ़ाई कर रहा था। दरअसल झींगनगर काली पूजा समिति के द्वारा बिना अनुमति के ही हथियाखाड़ के पास प्रतिमा विसर्जन किया जा रहा था। जहां पूजा समिति के कुछ लोग मां काली की आरती में लीन थे। तो वहीं कुछ बच्चे नदी में उतरकर नहाने चले गए। तभी चार बच्चे अचानक नदी की तेज धार में बहने लगे। जिनमें एक बच्चा सकुशल बाहर निकल गया। जबकि तीन बच्चे नदी की तेज धार में बहकर लापता हो गए।

संक्षिप्त समाचार

फल्गु नदी में डूबी किशोरी का शव बरामद

बेलागंज। गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह फल्गु नदी से एक किशोरी का शव बरामद हुआ। मृतका की पहचान श्रीपुर गांव निवासी सीता कुमारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि सीता शुक्रवार को मवेशी चराने के दौरान नदी की तेज धार में बह गई थी। शनिवार सुबह करीब आठ बजे ग्रामीणों ने शव को नदी में तैरता देखा। शव श्रीपुर गांव के पुल से लगभग एक किलोमीटर उत्तर, विलास यादव मुखिया के चिमनी भट्ठे के सामने नदी के पूर्वी किनारे पर मिला। ग्रामीणों ने तत्काल नदी में उतरकर शव को बाहर निकाला और सूखे स्थान पर रखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेलागंज थाना प्रभारी धनंजय कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एएसआई रंजन कुमार और अशोक कुमार के नेतृत्व में पुलिस दल ने मौके की जांच की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज, गया भेज दिया। थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज नालंदा आएंगे सीएम नीतीश

बिहारशरीफ। रविवार को कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सीएम नीतीश कुमार नालंदा आएंगे। सीएम के संभावित कार्यक्रमों की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा पूरी कर ली गयी है। सीएम सबसे पहले हिलसा पहुंचेंगे। हिलसा में रामबाबू हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद एकंगरसराय में रोड शो में भाग लेंगे। इसके बाद इस्लामपुर पशु हाट मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। वहां से सिलाव के नीरपुर में आयोजित समारोह में भाग लेंगे। कार्यक्रम के बाद वहां राजगीर सर्किट पहुंचेंगे। वहां लाभुक संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। फिर खेल अकादमी में आयोजित समारोह में भाग लेंगे। सीएम के कार्यक्रम को जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त आदेश जारी की गयी है। विधि-व्यवस्था को लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती चप्पे-चप्पे पर की गयी है।

नगरनौसा में एक ही रात दो घरों में चोरी

नगरनौसा। थाना क्षेत्र के प्रेमनगर गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। दोनों घरों को मिलाकर चोरों ने दो लाख रुपये से अधिक की संपत्ति चुरा ली। पुलिस को घटना की सूचना दी गयी है। पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन भी की है। पहली घटना मनु प्रसाद के घर हुई। उनके घर में कोई नहीं था। घर में ताला लगाकर परिवार के लोग रांची गये हुए थे। दूसरी घटना अरविंद प्रसाद के घर में हुई। घर के एक कमरे में परिवार के लोग सोये हुए थे। चोरों ने उस कमरे की कुंडी बाहर से लगाकर चोरी की। दोनों घरों से महंगे कपड़े, जेवर आदि सामान चोरी हुए हैं। थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

मानपुर में ठनका से किशोर की गयी जान

बिहारशरीफ। मानपुर थाना क्षेत्र के बेलछी शरीफ गांव में शनिवार को ठनका से किशोर की जान चली गयी। मृतक बुंदेल जमादार का 13 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार है। परिवार के लोगों ने बताया कि दोपहर में वह खंधा के पास भैंस चराने गया था। इसी दौरान वज्रपात हुआ। उसकी चपेट में आकर वह जमीन पर गिर गया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सक ने मौत की पुष्टि कर दी। थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे युवक को मारी गोली

हिलसा। स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास खोरमपुर गांव जाने वाले मार्ग में शुक्रवार की देर शाम प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे युवक को बदमाशों ने गोली मार दी। गंभीर रूप से जख्मी राममूर्ति नगर मोहल्ला निवासी स्व. अनिल कुमार के 18 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घटना का कारण अभी सामने नहीं आया है। परिजनों ने बताया कि देर शाम में विजर्सन जुलूस से वह अपने घर लौट रहा था। तभी रेलवे स्टेशन के पास घात लगाये बदमाशों ने उसे गोली मार दी। गोली उसकी कमर के नीचे लगी है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों को कहना है कि रेलवे स्टेशन के पास मोबाइल चोरों व लफंगों के बीच अक्सर मारपीट की घटना होती है। थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। जांच चल रही है। लिखित आवेदन मिलने पर एफआईआर की जाएगी।

अगले साल जल्दी आना मां के निमंत्रण के साथ दी गयी विदाई

चेवाड़ा। नम आँखों से अगले साल फिर आना मां के निमंत्रण के साथ शुक्रवार की देर शाम में चेवाड़ा नगर पंचायत क्षेत्र में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। पूजा समितियों द्वारा निकाले गये विसर्जन जुलूस में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। महिलाओं की भागीदारी भी अच्छी रही। भक्ति गीतों पर जुलूस में शामिल युवाओं की टोलियां खूब थिरकीं। जय माता दी के घोष से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। लोगों ने लाठी के करतब भी दिखाये। माता की विदाई से पहले परम्परा अनुसार महिलाओं ने मां की गोद भराई की रस्म पूरी की। विसर्जन के पहले पहले छोटी दुर्गा और बड़ी दुर्गा का मिलन भी कराया गया। विजर्सन के दौरान बीडीओ विपिन कुमार,नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अमित ठाकुर, चेयरमैन लट्टु यादव, थानाध्यक्ष देव कुमार काफी अलर्ट दिखे। जगह-जगह पुलिस बल तैनात किये गये थे।

विसर्जन जुलूस में दो गुटों में मारपीट: प्रतिमा विसर्जन के दौरान नगर पंचायत के लक्ष्मी चौक पर नाचने-गाने के विवाद में दो गुटों में मारपीट हो गयी। बेलदरिया टोले निवासी विनोद साव का 12 वर्षीय पुत्र जख्मी हो गया। बाद में स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से मामला को शांत कराया गया।

भक्ति गीत बजाने पर रोक लगाने पर भड़के लोग: विसर्जन जुलूस के दौरान भक्ति गीत बजाने पर रोक लगाने से पूजा समिति के लोग भड़क गये। इस दौरान स्थानीय प्रशासन और पूजा समिति के लोगों के बीच कहासुनी हुई। भारत माता पूजा समिति के सदस्य जानकी चौरसिया ने प्रशासन पर भेदभाव और मनमानी करने का आरोप लगाया। सीओ राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भक्ति गीत नहीं, भोजपुरी गीत बजाने से मना किया गया था।

महिला के खाते में दस करोड़ आने की चर्चा

वजीरगंज। वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गेरैया गांव में शनिवार को अचानक एक खबर फैलने लगी कि गांव की महिला राजमंती देवी के खाते में 10 करोड़ रूपये आये हैं, जिसके बाद से कई ग्रामीण उनके घर पर जाकर जानकारी लेते रहे। गेरैया निवासी अखिलेश मांझी की पत्नी राजमंती देवी से जब मामले की जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि सुबह पैसा निकालने गये थे, जहां खाता का बैलेंस चेक करने पर संचालक ने बताया कि आपके खाते में 10 करोड़ बैलेंस बता रहा है। संचालक ने बताया कि मैंने दो से तीन बार महिला का खाता चेक किया, हर बार उतना हीं बैलेंस दिखा रहा था, जिसके बाद उसे बैंक जाकर पता करने को कहा। वहीं ग्रामीण सह पूर्व मुखिया पप्पु शर्मा ने बताया कि जब मैं उधर से गुजर रहा था तो संचालक ने मुझे भी बुलाकर उसका बैलेंस दिखाया था और वह दस करोड़ से अधिक था, वास्तविकता क्या है यह जांच का विषय है।

बरेव गांव में भगवान बुद्ध की नई प्रतिमा का अनावरण

निज संवाददाता। मानपुर

मानपुर प्रखंड स्थित संनौत पंचायत के बरेव गाँव में भगवान बुद्ध की चार फीट ऊँची ध्यान मुद्रा की मूर्ति का अनावरण किया गया। इस अवसर पर बुद्ध के अनुयायी, भिक्षु और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अनावरण समारोह में महंत भंते ज्ञान रतन उर्फ उदय, भंते शिलवंश और भंते जयंतबोधि महायान परंपरा के संघ के सदस्य शामिल हुए। महंत भंते रतन ने बताया कि भगवान बुद्ध की यह नई प्रतिमा श्रद्धालुओं के दर्शन और आध्यात्मिक लाभ के लिए स्थापित की गई है। मौके पर उपस्थित पूर्व मुखिया अजय कुमार मेहता ने कहा कि जो देश भगवान बुद्ध के मार्ग को मानता है वह विकास और प्रगति की दिशा में अग्रसर रहता है। उन्होंने कहा कि बुद्ध के आदर्शों पर चलने वाले समाज और देश तरक्की की ओर अग्रसर होते हैं। मूर्ति के अनावरण समारोह में सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे और उन्होंने श्रद्धा भाव के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया।

मानपुर को जाम से मिलेगी राहत, 349 करोड़ की लागत से फ्लाईओवर निर्माण का शिलान्यास

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के मानपुर में लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से जल्द ही लोगों को राहत मिलने वाली है। वजीरगंज विधायक वीरेंद्र सिंह ने शनिवार को मुफस्सिल बस स्टैंड के पास 349 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले बहुप्रतीक्षित फ्लाईओवर परियोजना का शिलान्यास किया। इस योजना को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान मंजूरी दी थी। फ्लाईओवर का निर्माण अबगिला से शुरू होकर सिक्स लेन पुल तक होगा। यह मुफस्सिल मोड़ से नोरंगा मोड़ तक की दूरी को जोड़ते हुए ट्रैफिक के दबाव को कम करेगा। परियोजना का कार्य अगले दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल मानपुर में सुबह से शाम तक लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। कई बार तो स्थिति ऐसी होती है कि ट्रैफिक पुलिस को भी जाम खुलवाने में कठिनाई होती है।

विधायक वीरेंद्र सिंह ने शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास के कार्यों को तेजी से धरातल पर उतार रही है। मानपुर फ्लाईओवर इसका बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वजीरगंज विधानसभा में जर्जर सड़कों का नवीनीकरण जारी है और आने वाले समय में इसका लाभ जनता को सीधे मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश में एक बार फिर एनडीए की सरकार भारी बहुमत से बनेगी।

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता अजीत शर्मा और बाला सिंह ने कहा कि फ्लाईओवर बनने से मानपुर ही नहीं, बल्कि पूरे गया शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूल और लोगों को दफ्तर पहुंचने में अब विलंब नहीं होगा। विकास की यह गति बताती है कि जनता एनडीए पर भरोसा बनाए हुए है और आगामी चुनाव में इसका फायदा निश्चित रूप से दिखेगा। स्थानीय लोगों में भी इस फ्लाईओवर को लेकर खुशी का माहौल है। उनका कहना है कि यह परियोजना मानपुर की दशकों पुरानी जाम की समस्या का स्थायी समाधान होगी।

फतेहपुर में सेक्टर पदाधिकारियों को बूथ चिन्हित करने का निर्देश

निज संवाददाता। फतेहपुर (गयाजी)

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बीडीओ शशि भूषण साहू की अध्यक्षता में शनिवार को प्रखंड मुख्यालय में सेक्टर पदाधिकारियों की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ सह प्रखंड निर्वाची अधिकारी ने सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें और उन्हें संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों के रूप में चिन्हित कर रिपोर्ट तैयार करके कार्यालय को सौंपें। बूथ सत्यापन के दौरान पदाधिकारी मतदान केंद्रों की मूलभूत सुविधाओं जैसे भवन की स्थिति, आवागमन के साधन, शौचालय, पेयजल और चारदीवारी की जानकारी भी रिपोर्ट में दर्ज करेंगे। साथ ही, यदि किसी बूथ में कोई समस्या हो तो इसकी तुरंत सूचना प्रखंड निर्वाची अधिकारी को दी जानी चाहिए।

बीडीओ शशि भूषण साहू ने बताया कि बोधगया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर प्रखंड में शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 18 पंचायत और एक नगर पंचायत के लिए कुल 21 सेक्टर पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। प्रखंड में कुल 200 मतदान केंद्र तैयार किए गए हैं, जिनकी समय से और व्यवस्थित तैयारी चुनाव की सफलता के लिए जरूरी है।

वजीरगंज में 27 करोड़ की लागत से 11 सड़कों का जीर्णोद्धार, विधायक ने किया शिलान्यास

निज संवाददाता। वजीरगंज

शनिवार को वजीरगंज के विभिन्न क्षेत्रों में विधायक वीरेन्द्र सिंह ने 11 सड़कों का शिलान्यास किया। इन सड़कों में कुर्किहार से अमैठी, नौडिहा खुर्द, भंगोसा पथ, डुमरावां रोड से गरवा, असनौली, अमझर, एरू, एरू से कसियाडीह, मंगरावां रोड से बसुआ, शंकर बिगहा पथ, खिरियांवा रोड, वजीरगंज रोड से बोधचक, कनौदी से लोढ़ीया, सुढ़नी से बसुआ, मंगरावां रोड से कधरिया, एनएच से मंगरावां और वजीरगंज स्टेशन से घुरियावां-भाया कोल्हना पथ शामिल हैं। कुर्किहार मोड़ पर शिलान्यास के दौरान विधायक वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र में लगभग 27 करोड़ रुपये की लागत से इन सड़कों का जीर्णोद्धार और मरम्मत का कार्य किया जाएगा, जो जल्द ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रवासियों की आवाजाही को आसान बनाने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद करेगी। मौके पर अमैठी मुखिया अशोकर पासवान, भाजपा नेता विनय सिंह, जिला पार्षद नागमणी कुमार सहित दर्जनों भाजपा समर्थक और ग्रामीण उपस्थित रहे। शिलान्यास कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने विधायक को धन्यवाद देते हुए इस पहल का स्वागत किया।

पत्रकार की मां के निधन के बाद परिजनों से मिले विधायक

निज संवाददाता। गुरुआ

गुरुआ प्रखंड के हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार अमित कुमार की माता सुगिया देवी की आकस्मिक निधन होने की सूचना पाकर राजद विधायक विनय कुमार यादव ने उनके पैतृक गांव गेंद बिगहा में पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिलकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर उपस्थित राजद विधायक श्री यादव ने बताया समाजसेवी महिला सुगिया देवी खेती को माध्यम बनाकर अपनी जिंदगी में बेहद संघर्ष कर परिवार को आगे का काम किए थे लेकिन नियति को शायद यही मंजूर था कि अचानक उनकी मौत हो गई।

इस मौके पर गुरारु के विधायक प्रतिनिधि दीपू यादव, बिजली विभाग के कर्मी रितेश कुमार यादव, लालू कुमार यादव, किशोर कुमार, दिनेश यादव, अनिल कुमार यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की ऋण राशि ब्याज मुक्त 2 लाख से अधिक का लोन 10 साल में कर सकेंगे वापस

नालंदा । चुनावी समीकरणों के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवाओं को लुभाने के लिए एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। दीपावली से ठीक पहले युवा वर्ग के लिए घोषित की गई इस योजना को राजनीतिक विश्लेषक 'मास्टर स्ट्रोक' करार दे रहे हैं। डीआरसीसी द्वारा संचालित योजनाओं में व्यापक विस्तार करते हुए सरकार ने उच्च शिक्षा को अब पूरी तरह सुलभ बनाने का दावा किया है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत मिलने वाले शिक्षा ऋण को अब पूरी तरह ब्याज रहित कर दिया गया है। पहले की व्यवस्था में पुरुष आवेदकों को 4 प्रतिशत की दर से जहां ब्याज देना पड़ता था, वहीं महिलाओं, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडर आवेदकों के लिए यह दर 1 प्रतिशत थी। अब सभी वर्गों के लिए यह ऋण पूर्णतः ब्याज मुक्त होगा। इतना ही नहीं, ऋण वापसी की अवधि में भी उल्लेखनीय राहत दी गई है। दो लाख रुपए तक के शिक्षा ऋण की वापसी अवधि को पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया गया है। वहीं, दो लाख से अधिक के ऋण के लिए यह अवधि सात वर्ष से बढ़कर दस वर्ष हो गई है। यह कदम उन युवाओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा जो शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश में संघर्षरत रहते हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा नोटिस सं0– 34 ऑफ 2025–26/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/ डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है। **(i) कार्य का नाम एवं लोकेशन:** निविदा सं0–13–डीडीयू–व0 मं०इंजी०– III–25–26 वरीय मंडल इंजीनियर/III/डी०डी०यू०के अधिकार क्षेत्र के तहत सीटीआर (एस/पी)–3.482 ट्रैककि०मी०, टीआरआर (पी)–4.199 ट्रैककि०मी०, टीआरआर (एस) –17.053 ट्रैककि०मी० और टीएसआर (पी)–3.352 ट्रैककि०मी० और रेल का आकस्मिक नवीनीकरण (प्राथमिक)–1.3 ट्रैककि०मी० **(ii) कार्य का अनुमानित लागत:** रू० 35591750.67 **(iii) धरोहर राशि:** रू० 328000.00 **(iv) ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 31.10.2025 को 12:00 बजे तक **(v) बेवसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी: www.ireps.gov.in नोट:–** विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक
पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/1081/डीडीयू/टी/25–26/32

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना सं. : एचडब्ल्यूएच-IV-02-25-26 (खुली), दिनांक: 03.10.2025. उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-IV, पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकलघाट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई/निविदा हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे में नई लाइन, बाईपास लाइन, मल्टी ट्रैकिंग, फ्लाईओवर इत्यादि के अपेक्षित सर्वेक्षण कार्य के संबंध में सभी परियोजनाओं के लिए अंतिम स्थल के सर्वेक्षण के संचालन के लिए दर अनुबंध जिसमें रेलवे की लाइनियर परियोजनाओं के लिए आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक यानी एयरबोर्न अथवा टेरेस्ट्रियल एलआईडीएआर तथा ड्रोन फोटोग्रामेट्री इत्यादि शामिल है। जियोटेकनिकल निरीक्षण इत्यादि का संचालन। रेलवे बोर्ड की नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार डीपीआर, ईपीसी निविदा दस्तावेज तैयार करना। **निविदा मूल्य:** रु. 6,28,89,500.84; **बयाना राशि:** रु. 4,64,500। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** एनए। **समापन अवधि:** 24 (चौबीस) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख:** 27.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा कोई भी मैनुअल प्रस्ताव अगर प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा। (CON-43/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in /www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

Page 11

खेल

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, तैतिल, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • रविवार • 05 अक्टूबर 2025 • वर्ष 27 • अंक 295 • पृष्ठ 12

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट : टीम इंडिया की अहमदाबाद टेस्ट में बड़ी जीत

जुबिन गर्ग मौत मामले में नया मोड़, साजिस और जहर देने का दावा, सिंगापुर गए साथी की...

बिहार के समग्र विकास के लिए समर्पित भारतीय रेल की त्रिवेणी सेवा

वंदे भारत एक्सप्रेस

1 पटना - राँची 2 पटना - हावड़ा 3 पटना - न्यू जलपाईगुड़ी 4 पटना - गोमती नगर 5 रांची - वाराणसी 6 देवघर - वाराणसी 7 हावड़ा - न्यू जलपाईगुड़ी 8 गया - हावड़ा 9 भागलपुर - हावड़ा 10 गोरखपुर - पाटलिपुत्र 11 दानापुर - जोगबनी 12 पटना - टाटानगर (3 रेलगाड़ियाँ)

अमृत भारत एक्सप्रेस

1 दरभंगा - आनन्द विहार टर्मिनल 2 बापूधाम मोतिहारी - आनन्द विहार टर्मिनल 3 सीतामढ़ी - दिल्ली जं. 4 गया - दिल्ली जं. 5 राजेन्द्रनगर टर्मिनल - नई दिल्ली 6 छपरा - दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनल) 7 सहरसा - लोकमान्य तिलक टर्मिनस 8 सहरसा - छेहरटा (अमृतसर) 9 जोगबनी - ईरोड 10 दरभंगा - मदार (अजमेर) 11 दरभंगा - गोमती नगर 12 मुज़फ़्फ़रपुर - चर्लपल्ली 13 मालदा टाउन - गोमती नगर

बिहार की पहली नमो भारत रैपिड रेल जयनगर से पटना तक

"बिहार में रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।"

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,09,450	₹ 1,55,000

आज का इतिहास

1805 : भारत में ब्रिटिश राज के दूसरे गवर्नर जनरल व कमांडर इन चीफ लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन हुआ।

1864 : भारत के कलकत्ता में एक चक्रवात ने 70,000 लोगों को मार डाला।

न्यूज बाइट्स

वैष्णो देवी यात्रा पर खराब मौसम का साया, 5 से 7 अक्टूबर तक रद्द रहेगी तीर्थयात्रा

जम्मू-कश्मीर (ए.) । जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा एक बार फिर से स्थगित कर दी गई है। खराब मौसम को देखते हुए यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक स्थगित रहेगी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने मौसम खराब रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए यह ऐलान किया है।

घड़ियाल संरक्षण पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पटना (नि.सं.) । वन्यप्राणी सप्ताह 2025 के तीसरे दिन शनिवार को संजय गांधी जैविक उद्यान, पटना में घड़ियाल संरक्षण और संवर्धन को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिहार वन विभाग और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई) के बीच घड़ियाल संरक्षण हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। कार्यक्रम जैविक उद्यान के श्री डी थिएटर हॉल में संपन्न हुआ और इसकी शुरुआत अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक अभय कुमार के स्वागत संबोधन से हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कौशल दीक्षांत समारोह में 62 हजार करोड़ की योजनाओं का किया शुभारंभ

आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ हैं युवा, भारत ज्ञान और कौशल की भूमि : प्रधानमंत्री

निज संवाददाता | पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विज्ञान भवन में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में युवाओं के लिए 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने देशभर के आईटीआई विद्यार्थियों और बिहार के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ज्ञान और कौशल की भूमि है, और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने पीएम-एसईटीयू योजना की घोषणा की। योजना के तहत 1,000 सरकारी आईटीआई को उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक ट्रेड्स, डिजिटल लर्निंग और इन्क्यूबेशन सुविधाओं से लैस किया जाएगा। प्रत्येक हब आईटीआई चार स्पोक आईटीआई से जुड़ा होगा, जिससे उद्योगों के अनुसार प्रशिक्षण सुनिश्चित होगा। योजना में विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक का वैश्विक सहयोग शामिल है।

पीएम ने कहा कि राजद के शासनकाल की तुलना में यहां का शिक्षा बजट कई गुना बढ़ा दिया गया। आज बिहार में करीब करीब हर गांव में एक स्कूल बन चुका है। इंजीनियरिंग कॉलेज मेडिकल कॉलेजों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। हाल में ही केंद्र सरकार ने बिहार के छोटे जिलों के लिए 19 केंद्रीय विद्यालय की की स्वीकृति दी है। एक समय था जब बिहार में स्पोर्ट्स से जुड़ा एक भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय संस्थान नहीं था। आज बिहार में भारत के नेशनल, इंटरनेशनल इवेंट हो रहे हैं।

1200 वोकेशनल स्किल लैब्स का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने 1,200 वोकेशनल स्किल लैब्स का उद्घाटन किया, जो 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य मॉडल स्कूलों में स्थापित की गई हैं। ये लैब्स आईटी, ऑटोमोबाइल, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देंगी।

बिहार में विशेष पहल : पीएम ने की कई योजनाओं की शुरुआत

1. जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन।
2. छात्रवृत्ति राशि को 3,600 तक बढ़ाया गया।
3. स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत शिक्षा ऋण को ब्याजमुक्त किया गया।
4. बिहार युवा आयोग की स्थापना, जो 18 से 45 वर्ष के युवाओं की प्रतिभा विकसित करेगा।
5. विश्वविद्यालय और अकादमिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और अकादमिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

स्किल बढ़ने से देश आत्मनिर्भर होता है

पीएम ने कहा कि स्किल बढ़ने से देश आत्मनिर्भर होता है लोग आत्मनिर्भर होते हैं। 2014 से पहले भारत को फ्रेजाइल फाइव इकोनॉमी कहा जाता था। आज भारत विश्व की टॉप थर्ड इकोनामी बनने की तरफ बढ़ गया है। मैन्युफैक्चरिंग बढ़ रही है, रोजगार बढ़ रहे हैं, मोबाइल फोन इलेक्ट्रॉनिक गुड्स और डिफेंस सेक्टर में भी मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट बढ़े हैं। एमएसएमी सेक्टर भी आगे बढ़ा है। इन सब का बड़ा लाभ हमारे युवाओं को खासकर आईटीआई की स्किल वाले युवाओं को होने वाला है।

आजकल लोग जननायक शब्द की भी चोरी कर रहे हैं

पीएम मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है। यह विवि बिहार के युवाओं के भविष्य के मील का पत्थर साबित होगा। वहीं पिछले कुछ दिनों में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को जननायक कहने पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों को मैं कहन चाहता हूं कि आप चौकन्ने रहिए आजकल लोग जननायक शब्द की भी चोरी कर रहे हैं। मैं बिहार के लोगों से कहूंगा कि हमारे कर्पूरी ठाकुर जी के लिए जिस जननायक शब्द का उपयोग किया गया उसकी चोरी न हो।

बिहार के नौजवानों की पढ़ाई का खर्च भी कम

पीएम ने कहा अच्छे संस्थानों के साथ-साथ नीतीश जी की सरकार बिहार की नौजवानों की पढ़ाई का खर्च भी काम कर रहे हैं। बिहार सरकार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए मदद कर रही है। एक और निर्णय लिया गया है क्रेडिट कार्ड से मिलने वाले एजुकेशन लोन को ब्याज समाप्त कर दिया गया है। विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप भी डबल कर दिया गया है। भारत दुनिया के युवा देशों में से एक है और बिहार उन राज्यों में शामिल है जहां आबादी के अनुपात में सबसे अधिक युवा हैं।

रोहतक में खादी कारीगर महोत्सव का भव्य आयोजन

खादी के प्रचार से आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई गति : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वितरित किए 2298 मशीन और टूलकिट

- 33.66 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास।
- 301 करोड़ की मार्जिन मनी सब्सिडी तथा 741.16 करोड़ की पीएमईजीपी इकाइयों की शुरुआत।
- हर परिवार से सालाना 5000 रुपये की खादी खरीदने की अपील।

एजेंसी | रोहतक (हरियाणा)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित खादी कारीगर महोत्सव में खादी कारीगरों को 2298 मशीन और टूलकिट वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के लाभार्थियों को 301 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी दी तथा 741.16 करोड़ की लागत से शुरू 8310 नई इकाइयों का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कृष्ण पाल गुर्जर और खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और "खादी पगड़ी" के लोकार्पण से हुई। अमित शाह ने कहा कि महात्मा गांधी ने खादी को स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक और आत्मनिर्भर भारत का माध्यम बनाया था, लेकिन लंबे समय तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खादी को फिर से जन-आंदोलन का रूप दिया है। शाह ने बताया कि खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री अब 33,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,70,000 करोड़ रुपये हो चुकी है, जिससे लाखों कारीगरों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा, "जब हम खादी पहनते हैं तो यह सिर्फ वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की भावना होती है। हर परिवार सालाना 5000 रुपये की खादी अवश्य खरीदे, ताकि कारीगरों का जीवन स्तर सुधरे।" अमित शाह ने वर्चुअल माध्यम से कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें नई दिल्ली स्थित खादी मॉल, गोरखपुर के केवीआईसी भवन, 762 वर्कशेड और 35 सेल्स आउटलेट शामिल हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र के वर्धा में ऑर्गेनिक कॉटन सेंट्रल पूनी प्लांट का उद्घाटन किया गया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि यह आयोजन स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के उत्सव जैसा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खादी अब "लोकल टू ग्लोबल" की दिशा में आगे बढ़ रही है। केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि अमित शाह के प्रयासों से प्रधानमंत्री के "हर घर स्वदेशी" अभियान को नई ऊर्जा मिल रही है। शाह स्वयं खादी पहनते हैं और इसके प्रचार में सदैव अग्रणी रहते हैं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिन्ह के रूप में चरखा मेमेंटो भेंट किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन केवीआईसी की सीईओ रूप राशि ने किया। बड़ी संख्या में सांसद, अधिकारी, कारीगर और लाभार्थी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

छह जिलों में बिजली गिरने से नौ की मौत

निज संवाददाता | पटना

बिहार में पिछले दो दिन से हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित है। पटना, बेतिया, गोपालगंज और मधेपुरा समेत कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। वहीं, आकाशीय बिजली से प्रदेश में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें जहानाबाद में 3, बेतिया में 2, जबकि नालंदा, खगड़िया, किशनगंज और गोपालगंज में एक 1-1 की मौत हो गई। बारिश से सबसे बुरा हाल बेतिया का है, जहां बारिश के बाद पूरा शहर पानी में डूबा है। यहां कि सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। गली-मोहल्ले में 2 से 3 फीट तक पानी भरा है। यहां आकाशीय बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। वहीं, गोपालगंज में बारिश के कारण मकसूदपुर गांव के पास नहर का बांध टूटने से खेतों में पानी भर गया है। यहां भी कई इलाके पानी में डूबे हैं। रोहतास में बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। छपरा में भी 8 घंटे की बारिश के बाद स्थिति खराब हो गई है। इधर, पटना में सुबह से बादल छाए रहें। यहां बारिश के बाद मीठापुर सब्जी मंडी के पास में 10 फीट सड़क धंस गई। अचानक सड़क धंसने से दो गाड़ियां फंस गई हैं। जिसके बाद यातायात को रोक दिया गया। राजधानी के कई इलाकों में 3 फीट तक पानी भरा है। मौसम विभाग ने आज पूरे बिहार में हेवी रेन का अलर्ट जारी किया है। 35 जिलों में यलो, जबकि 3 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। विभाग ने अनुसार, अगले कुछ दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। यह स्थिति 7 अक्टूबर तक बनी रहेगी।

इधर, छपरा–सीवान रेलखंड के एकमा स्टेशन पर मेन लाइन पर पेड़ गिरने से ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ा है। ओवरहेड वायर टूट जाने से लगभग 6 घंटे से अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन बाधित है। पेड़ को हटाया जा रहा है। बारिश के कारण तार को दुरुस्त करने में समय लग रहा है। वही रोहतास के तिलौथ में कई इलाकों में पानी भरा है। बाढ़ जैसे हालात हैं।

राजनीतिक दलों के साथ चुनाव आयोग की बैठक, भाजपा ने दिए पारदर्शी चुनाव के सुझाव

एक-दो चरणों में मतदान कराने और केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग

- बुर्का पहने मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने की बात कही गई।
- मतदान से 24 घंटे पहले मतदाताओं को एसएमएस द्वारा जानकारी देने का प्रस्ताव।

निज संवाददाता | पटना

पटना में शनिवार को चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच हुई अहम बैठक संपन्न हो गई। इस बैठक में सभी प्रमुख दलों ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपने-अपने सुझाव आयोग के समक्ष रखे। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए कई अहम बिंदुओं पर अपनी बात रखी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी ने आयोग से अनुरोध किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव एक या दो चरणों में कराए जाएं, ताकि प्रशासनिक प्रबंधन सुचारू रूप से किया जा सके। उन्होंने पूरे बिहार में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की व्यापक तैनाती की भी मांग की। जायसवाल ने कहा कि विशेष रूप से दियारा जैसे संवेदनशील इलाकों में, जहां पहले बूथ लूट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, वहां हर हाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान केंद्रों पर बुर्का पहने महिलाओं की पहचान की प्रक्रिया को भी मजबूत किया जाए, ताकि चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

भाजपा ने यह भी प्रस्ताव दिया कि मतदान से 24 घंटे पहले सभी मतदाताओं को SMS के माध्यम से मतदान की तिथि, समय और केंद्र की जानकारी दी जाए। इससे मतदाताओं की भागीदारी बढ़ेगी और मतदान प्रतिशत में सुधार होगा। साथ ही, भाजपा ने राज्य में जल्द से जल्द चुनाव कराए जाने की भी मांग रखी। बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त ने भी चुनावी तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आयोग पारदर्शी और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा।

इस बीच, राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा – "मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी, बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल तथा आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में राज्य के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ चर्चा जारी है।"

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मखाना महोत्सव में लिया भाग, कहा

दुनिया में मखाना उत्पादन का केंद्र बन चूका है बिहार

- श्री चौहान ने मखाने को गरीबों के लिए "अद्भुत वरदान" बताया

निज सांवददाता | पटना

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को अपने एक दिवसीय बिहार प्रवास के दौरान पटना पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने पटना के गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में आयोजित मखाना महोत्सव 2025 में भाग लिया तथा "मखाना संस्कृति से समृद्धि" रिपोर्ट का विमोचन किया। अपने संबोधन में श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में युवाओं को, विशेषकर बिहार के युवाओं को, 64,000 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक सौगात प्रदान की गई है। मंत्री ने कहा, "बिहार में बदरा बरस रहा है और विकास की बरसात हो रही है, आज विकसित भारत का सूरज बिहार के भाग्य पर चमक रहा है।" केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने किसानों के लिए केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ोतरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मसूर, उड़द और अरहर सहित बिहार के किसान जितना उत्पादन करेंगे, केंद्र सरकार उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। श्री चौहान ने मखाने को गरीबों के लिए "अद्भुत वरदान" बताते हुए कहा कि बिहार आज देश ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए भी मखाना उत्पादन का केंद्र बन चुका है।

उन्होंने जानकारी दी कि पहले जहाँ मखाना केवल 3,000 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता था, वहीं अब यह बढ़कर 35,000 से 40,000 हेक्टेयर तक पहुँच चुका है। श्री शिवराज सिंह ने बताया कि मखाना उत्पादन और विपणन को प्रोत्साहन देने हेतु केंद्र सरकार ने मखाना बोर्ड गठित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। यह बोर्ड मखाने पर अनुसंधान, विकास, मार्केटिंग, ब्रांडिंग और प्रोमोशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, मखाना प्रसंस्करण और उत्पादन के लिए आधुनिक मशीनों एवं नई किस्मों के विकास हेतु लगभग 475 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। श्री चौहान ने बिहार के युवाओं से मखाना क्षेत्र में स्टार्टअप्स स्थापित करने की अपील की और आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि "हमारा लक्ष्य है कि मखाना भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की डाइनिंग टेबल तक पहुँचे और किसानों की

टोल प्लाजा पर नगद भुगतान में दोगुना शुल्क, यूपीआई से सवा गुना

एजेंसी | नयी दिल्ली

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर टोल टैक्स भुगतान के नियमों में बदलाव करते हुए बगैर फास्टैग वाले वाहनों के लिए नकद भुगतान शुल्क दोगुना कर दिया है। वहीं, यदि वाहन चालक एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) के माध्यम से भुगतान करता है, तो उसे सिर्फ सवा गुना शुल्क का भुगतान करना होगा। यह निर्णय डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और टोल संग्रह प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। मंत्रालय ने शनिवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की और बताया कि नए नियम 15 नवंबर, 2025 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने और नकद लेन-देन को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 में संशोधन किया गया है।

नए नियम के अनुसार, अगर किसी वाहन को वैध फास्टैग के माध्यम से 100 रुपये टोल देना होता है, तो बिना फास्टैग के वह वाहन चालक नकद भुगतान के लिए 200 रुपये का भुगतान करेगा। वहीं, यदि वह यूपीआई के माध्यम से भुगतान करता है, तो उसे 125 रुपये ही देने होंगे। मंत्रालय का उद्देश्य है कि टोल संग्रह में पारदर्शिता बढ़े, शुल्क भुगतान प्रक्रिया आसान हो और राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को सुविधा मिले।

बिहार में सड़क विकास को मिली नई रफ्तार

अरवल और दाउदनगर बाईपास को मिली मंजूरी, 953.78 करोड़ रुपए होंगे खर्च

निज संवाददाता | नई दिल्ली/पटना

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी है कि बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर दो महत्वपूर्ण बाईपास परियोजनाओं अरवल बाईपास और दाउदनगर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है। इन दोनों परियोजनाओं पर कुल 953.78 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इनमें अरवल बाईपास के लिए 665.50 करोड़ रुपए और दाउदनगर बाईपास के लिए 288.28 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-139 बिहार की जीवनरेखा माने जाने वाले उन प्रमुख मार्गों में से एक है जो पटना को औरंगाबाद होते हुए झारखंड से जोड़ता है। यह सड़क न केवल बिहार के आंतरिक संपर्क का अहम हिस्सा है, बल्कि व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करती है। अरवल और दाउदनगर में बाईपास बनने से पटना, अरवल, दाउदनगर, औरंगाबाद एवं झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क और अधिक तेज, सुरक्षित और व्यवस्थित हो जाएगा। दोनों बाईपास परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद शहरों के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों का यातायात बाहर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे शहरी जाम, शोर और प्रदूषण में भारी कमी आएगी। यह बाईपास स्थानीय निवासियों के लिए राहत लेकर आएंगे और सड़क पर चलना अधिक सुरक्षित बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार,भेजा जेल

दावथ / रोहतास। सूर्यपुरा पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना में दर्ज कांड संख्या 145/25 के आलोक में विभिन्न धाराओं के अभियुक्त थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढनडीह निवासी टेंगु चंद्रवंशी के पुत्र पंकज कुमार उर्फ बालेश्वर को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

गोलीकांड मामले में पुलिस ने किया प्राथमिकी दर्ज

डेहरी ऑन सोन (रोहतास)। रोहतास पुलिस कप्तान रौशन कुमार ने प्रेस-विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 03 अक्टूबर दिन शुक्रवार को शाम करीब 07 बजे के आस-पास बिक्रमगंज थाना को सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के ग्राम अमई डिहरा में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है । एसपी ने कहा कि प्राप्त सूचना के आलोक में बिक्रमगंज सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार,थानाध्यक्ष ललन कुमार अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं घटना की जांच में जुट गए । घटना के सत्यापन के क्रम में पाया गया कि ग्राम अमई डिहरा के रहने वाले कुश कुमार उम्र 21 वर्ष पिता महेश सिंह एवं उनके परिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा ग्राम अमई डिहरा के ही रहने वाले रमेश कुमार एवं कमलेश कुमार के साथ मारपीट की घटना कारित करते हुए कमलेश कुमार के ऊपर देशी कट्टा से फायर किया गया है,जो गंभीर रूप से जख्मी हैं । जख्मी कमलेश कुमार को ग्रामीणों द्वारा शहर के एक निजी अस्पताल में प्राथमिक ईलाज के लिए भर्ती कराया गया है,जो ईलाजरत है ।घटना का कारण ग्रामीणों द्वारा आपसी रंजीश में होना बताया गया है । घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है । जिस मामले में सभी अभियुक्त अपने-अपने घर से फरार पाए गए हैं । कहा कि आवेदक रमेश कुमार के द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 687/25 दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी गई है ।

बिक्रमगंज में मनाई गई आईटीबीपी शहीद मुन्ना कुमार की छठवीं पुण्यतिथि, गांव में बनेगी प्रतिमा

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज प्रखंड के रामाश्रय उच्च विद्यालय, बड़कागांव रकसियां में शनिवार को आईटीबीपी के वीर जवान मुन्ना कुमार की छठवीं शहादत दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। इस अवसर पर आईटीबीपी के जवानों, शिक्षकों और ग्रामीणों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामनरेश पांडेय ने की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि मुन्ना कुमार ने देश की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और अपने गांव मिल्की के साथ-साथ पूरे प्रखंड और जिले का नाम गर्व से ऊंचा किया। बीडीसी राकेश कुमार उर्फ छठू यादव ने शहीद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी वीरता और समर्पण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सुझाव दिया कि गांव में शहीद मुन्ना कुमार की प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके साहस को याद रख सकें। इस प्रस्ताव पर उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में सहमति जताई और प्रतिमा स्थापना के लिए जमीन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि मुन्ना कुमार अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी में जवान के रूप में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में वे पहाड़ से खाई में गिर गए, जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी। इस मौके पर शहीद के पिता कालेन्द्र सिंह, माता सोनपति देवी, पत्नी रिंकू देवी, शिक्षक अरुण यादव, नंदकिशोर शर्मा, अवधबिहारी राम सहित विद्यालय के कई शिक्षक, छात्र और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे वातावरण में शहीद के प्रति सम्मान और गर्व का भाव झलक रहा था। श्रद्धांजलि सभा में शामिल ITBP के जवान और स्थानीय लोग।

सासाराम में आंधी-बारिश में 15 दलित परिवार के घर ढहे, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात

सासाराम। सासाराम जिले में तेज आंधी और मूसलधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। जिले के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने, जिससे हजारों घर प्रभावित हुए हैं। सासाराम नगर निगम क्षेत्र के बैंक कॉलोनी मोड़ स्थित महाराज दलित बस्ती में 15 मिट्टी के मकान गिर गए। इन मकानों में रहने वाले सभी परिवारों ने पूरी रात घरों के बाहर बिताई। कुंती देवी, जो इन प्रभावित परिवारों में शामिल हैं, ने बताया कि रात में सोते समय अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। मकानों में पानी भरने लगा और सभी परिवार तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही देर में उनके मकान भरभराकर गिर गए। कुंती देवी ने कहा, "यदि हम समय पर बाहर नहीं निकलते तो मकानों के मलबे में दबकर हमारी जान चली जाती।" इस बस्ती के सभी परिवार गरीब हैं और मुख्य रूप से सब्जी बेचने या छोटी दुकानों पर मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं। नगर निगम की मदद नहीं पहुंची सासाराम के अन्य हिस्सों में भी तेज बारिश और आंधी के कारण पेड़ और बिजली के खंभे टूट गए। इससे बिजली और पेयजल की आपूर्ति बाधित हो गई, और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रभावित परिवारों ने बताया कि नगर निगम की ओर से अभी तक कोई राहत या मदद नहीं मिली है। हालांकि, मौके पर पहुंचे वार्ड पार्षद फूलन पांडे ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। आर्थिक और सामाजिक संकट बढ़ा मौसम की इस तबाही से इलाके में आर्थिक और सामाजिक संकट गहरा गया है। गिर चुके मकानों के कारण परिवारों को ठहरने और खाने-पीने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर राहत कार्यों की योजना बनाना शुरू किया है, लेकिन मलबा हटाने और सुरक्षित आवास प्रदान करने के लिए व्यापक व्यवस्था की आवश्यकता है। इस बारिश और तूफान की वजह से न केवल घरों को नुकसान हुआ है, बल्कि इलाके के स्कूल, सड़कें और नालियां भी प्रभावित हुई हैं। ग्रामीण और नगरवासी अब प्रशासन से तत्काल मदद की उम्मीद कर रहे हैं ताकि वे सुरक्षित और सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। सुरक्षा और बचाव कार्य जारी स्थानीय प्रशासन और राहत दल प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य में जुट गए हैं। मलबा हटाने, पीने के पानी की व्यवस्था और अस्थायी आश्रय प्रदान करने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी किनारे या जलभराव वाले क्षेत्रों में न जाएं और अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। सासाराम में मूसलधार बारिश और आंधी की यह घटना लोगों के लिए चेतावनी का सबब भी है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए तैयार रहें। प्रभावित परिवारों की मदद और जल निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए प्रशासन ने त्वरित कदम उठाने का वादा किया है।

हुसेनाबाद खेल मैदान पर 35 वां महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आगाज

निज संवाददाता

राजपुर। गांधी जयंती के अवसर पर गुरूवार को प्रखंड के हुसैनाबाद गांव स्थित खेल मैदान पर अकेला बजरंग क्लब के तत्वावधान में 35 वॉ महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज हुआ.जिसका उद्घाटन क्षेत्र के समाजसेवी अशोक सिंह व जन सुराज के क्षेत्रीय प्रतिनिधि अजीत कुमार ने संयुक्त रूप से बॉल को किक मार कर किया.उद्घाटन मैच कैप्टन सोनू कुमार दरिहट टीम बनाम कैप्टन नन्दजी मास्टर नोखा टीम के बीच खेला गया. मैच के प्रथम हाफ में हीं नोखा की टीम ने दरिहट के विरूद्ध एक गोल दाग अपने टीम को बढ़त दिला दिया. जिसका बराबरी मध्यांतर के बाद भी दरिहट की टीम नहीं कर पाई. दरिहट की टीम तीन गोल से हार गई,लेकिन खेल के अंत तक दोनों टीम एक दुसरे पर हमलावर बने रहे,जिससे दर्शको में खेल का भरपुर रोमांच बना रहा.मैन ऑफ द मैच नोखा टीम के रवि कुमार बने. क्लब के अध्यक्ष भाई जयराम सिंह अकेला ने बताया कि उक्त मैदान पर विगत 35 साल से गांधी जी के जयन्ती पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन अनवरत जारी है.जो गृह जिला समेत अन्य कई जिलों के लिये उच्चतम रिकाड़ है.सरकार ने गांव के इस खेल मैदान को स्टेडियम में तब्दील करने के लिए योजना स्वीकृत कर लिया है.गांवों में अभी भी खेल की स्थिति को सुदृढ नहीं है.बहुत सारे प्रतिभाओं को उचित अवसर नहीं मिल रहा है.बहुत खेल मैदान अभी भी बदहाली का दंश झेल रहे हैं.क्रिकेट को अधिक पोषण देने की सरकारी नीति से गांव में फुटबॉल का खेल दम तोड़ती नजर आ रही है. मौके पर टुरनामेंट संचालन में सहयोगी भगवान जगन्नाथ जी मठ के महंत सुदर्शनाचार्य,कृष्णा यादव,रमुन पासवान,सतरतन पासवान,अरविंद कुमार राय व अन्य प्रतिनिधि समेत सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे.

काराकाट बीडीओ समेत दो अन्य को मिला प्रशस्ति पत्र

निज संवाददाता

सासाराम / रोहतास। शनिवार को रोहतास जिला अंतर्गत जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सासाराम के सभा कक्ष में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान द्वारा "स्वच्छता ही सेवा "पखवाड़े का आयोजन 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक किया गया था । इस कार्यक्रम में रोहतास जिले के सभी प्रखंडों में "स्वच्छता ही सेवा " अंतर्गत "स्वच्छोत्सव" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । जिसमें रोहतास जिला के सभी प्रखंडों में अत्यंत ही सराहनीय कार्य करने वाले को पुरस्कृत किया गया । उसी के आलोक में काराकाट प्रखंड के बीडीओ सह स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह को बेहतर कार्य हेतु रोहतास उप विकास आयुक्त (डीडीसी) विजय कुमार पांडेय के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया । वहीं दूसरी ओर उक्त प्रखंड क्षेत्र के धनहरा ग्राम पंचायत की महिला स्वच्छता पर्यवेक्षिका पम्मी सिंह एवं किरही ग्राम पंचायत के स्वच्छताकर्मी सीमा देवी को भी अच्छे कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र दिया गया । जिसको लेकर प्रखंड में खुशी की लहर देखी जा रही है ।

डेहरी में स्नेहा डिजिटल लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन

निज संवाददाता

डेहरी (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र के बेरकप पंचायत अंतर्गत मां सरस्वती मार्केट, भरकुड़िया में विजयादशमी और गांधी जयंती के अवसर पर स्नेहा डिजिटल लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन किया गया। समारोह का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। फीता काटकर उद्घाटन दरिहट थानाध्यक्ष रविरंजन प्रियदर्शी, डेहरी प्रखंड प्रमुख मनीष कुमार, उपप्रमुख प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष नंदू यादव और उप मुखिया गुप्तेश्वर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि रविरंजन प्रियदर्शी का स्वागत संचालक सनोज कुमार सिंह ने अंगवस्त्र और बुके देकर किया। गुप्तेश्वर सिंह ने भी आगंतुकों को अंगवस्त्र भेंट किया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख मनीष कुमार ने लाइब्रेरी संचालक को इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद दिया और इसे भविष्य में और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। पैक्स अध्यक्ष नंदू यादव ने कहा कि पहले पंचायत के बच्चों को पढ़ाई के लिए अन्य गांव जाना पड़ता था, लेकिन लाइब्रेरी खुलने से बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी। संचालक गुप्तेश्वर सिंह और सनोज कुमार सिंह ने बताया कि लाइब्रेरी का मुख्य उद्देश्य बच्चों के उज्जवल भविष्य का ध्यान रखते हुए उन्हें एक साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान करना है। इसमें लगभग 50 बच्चे एक साथ एक छत के नीचे अध्ययन कर सकेंगे और पंचायत, प्रखंड व जिले का नाम रौशन करेंगे। इस अवसर पर मनोज सिंह, संजीत कुमार, बृज किशोर सिंह, ज्योति शंकर, मनीष सिंह, हरिशंकर प्रसाद सिंह, टप्पू सिंह, अरुण कुमार, धनोज कुमार सिंह, अनिल सिंह, सौरभ सिकरीवाल, परमेंद्र कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यपालक सहायक व आईटी सहायकों के सामूहिक अवकाश पर जाने से सभी विभागों का कार्य प्रभावित

निज संवाददाता

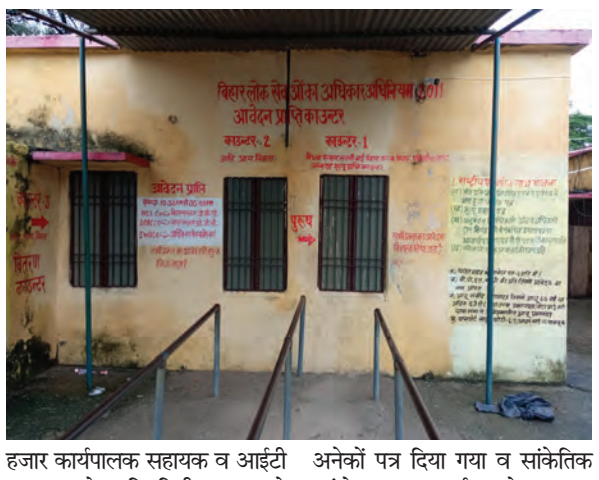

बिक्रमगंज/रोहतास । बिहार क्रे हजारों कार्यपालक सहायक व आईटी सहायकों ने सेवा स्थायीकरण एवं वेतनमान का लाभ व तत्काल सातवें वेतन आयोग की अनुशंसा के आलोक में पद सोपान के अनुरूप सेवाकाल की गणना करते हुए मानदेय में वृद्धि सहित अन्य मांगो को लेकर गर्दनिबाग धरनास्थल पर दो दिन से जमे हुए हैं। कार्यपालक सहायक संघ रोहतास के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया जी कार्यपालक व आईटी सहायकों की अन्य मांगो में नियोजन तिथि से ईपीएफ लाभ, कार्य से बाहर हुए कर्मियों का पुनर्नियोजन, सेवाकाल में मृत्यु उपादान न्यूनतम 40 लाख और स्थायी अपंगता की स्थिति में न्यूनतम 25 लाख अनुदान राशि, आश्रित को अनुकंपा के आधार पर नियोजन की मांग शामिल है। आगे बताया गया की सचिवालय से लेकर अंचल, अनुमंडलों व सरकार के सभी विभागों में बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी (बीपीएसएम) के तहत कार्यरत बिहार के लगभग 25 हजार कार्यपालक सहायक व आईटी सहायक सेवा नियमितीकरण करने तथा इसके पूर्व मानदेय वृद्धि की प्रमुख मांग को लेकर दिनांक-3 व 4 अक्टूबर को दो दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहते हुए पटना में दो दिवसीय महाधरना की शुरुआत किया। कार्यपालक सहायक सेवा संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मो. आदिल खान ने कहा कि सरकार और बी॰पी॰एस॰एम॰ की हठधर्मिता के कारण आंदोलन की शुरुआत किया गया है, सामूहिक अवकाश के पहले अनेकों पत्र दिया गया व सांकेतिक आंदोलनात्मक कार्यक्रम के वाबजूद मानदेय राशि में वृद्धि नहीं किया गया, बीपीएसएम लगातार झूठा आश्वासन देता रहा कि शासी परिषद की बैठक में मानदेय वृद्धि से संबंधित निर्णय होगा लेकिन ऐसा कई बैठक हो गया किन्तु कार्यपालक सहायकों व आईटी सहायकों का मानदेय वृद्धि नहीं किया गया। इसलिए दो दिवसीय सामूहिक अवकाश और गर्दनिबाग में महाधारना दिया गया, इससे भी बात नहीं बनी तो 6 अक्टूबर से भूख हड़ताल शुरू किया जाएगा। बता दें की आईटी सहायक व कार्यपालक सहायक बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011 (आर॰टी॰पी॰एस॰) तथा बिहार लोक शिकायत अधिकार अधिनियम 2015 (पी॰जी॰आर॰ए॰) के तहत पूरे बिहार में लगभग दो दर्जन से अधिक जन सुविधाओं का काम संभालते हैं जिसमें जाति, आवासीय, आय, म्यूटेशन, राशन कार्ड, चुनाव कार्य, वृद्धा पेंशन, कन्या उत्थान योजना जैसी जनहित की सेवा शामिल है।

सड़क दुर्घटना में दूध विक्रेता की दर्दनाक मौत

निज संवाददाता

बिक्रमगंज । थाना क्षेत्र अंतर्गत सासाराम रोड स्थित पटेल कॉलेज के अम्बेडकर कल्याण छात्रावास समीप शुक्रवार की रात में एक 25 वर्षीय दूध बिक्रेता युवक की मौत हो गई । घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृतक युवक नगर परिषद बिक्रमगंज के धनगाई रोड स्थित वार्ड संख्या 10 निवासी स्वर्गीय मुनमुन सिंह अधिवक्ता का पुत्र गोलू कुमार उर्फ मोहित राज था । जो शुक्रवार 03 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे अपने बाइक से संझौली थाना क्षेत्र स्थित अपने ओसम दूध डेयरी के दुकान पर जा रहा था । इसी क्रम में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई । घटना की सूचना मिलते ही 112 नंबर की बिहार पुलिस की गाड़ी व बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने अपने पुलिस जवान के साथ घटनास्थल पहुंच जख्मी हालत में युवक को अनुमंडलीय अस्पताल धनगाई में प्राथमिक ईलाज के लिए भर्ती कराया । जहां पर चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया । मृतक के परिजनों को इसकी सूचना मिलते ही मृतक गोलू के चाचा अधिवक्ता चुनचुन सिंह अस्पताल पहुंचे,जहां अपने भतीजे के शव को देख दहाड़ मार चीख पुकार करने लगे । जिसे स्थानीय लोगों द्वारा किसी तरह ढांढस दिलाया गया । इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह शव का जिला सदर अस्पताल सासाराम पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को शव को सौंपते हुए कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं । घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है । मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी निप्पी देवी और 4 वर्षीय बेटी नित्या को अकेला छोड़ गया । जिनके ऊपर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है । क्योंकि मृतक युवक गोलू अपने तीन भाईयों में सबसे छोटा था, जिनके माता और पिता भी अब इस दुनिया में नहीं है ।

बाइकों के आमने-सामने की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी

निज संवाददाता

करगहर (रोहतास) । सासाराम चौसा पथ में पेट्रोल पंप के समीप शनिवार को बाइकों के आमने-सामने की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए । जिन्हें स्थानीय लोगों ने सीएचसी में भर्ती कराया । जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया । घटना के संबंध बताया जाता है कि करगहर निवासी दामोदर पांडेय बाजार की ओर लौट रहे थे । इस बीच विपरीत दिशा से तेज गति में आ रहे सासाराम चंवर तकिया निवासी शहजाद जावेद एक टेंपो से ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित हो गए। जिससे दोनों बाइक सवारों की टक्कर हो गई ।चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर चंदन कुमार ने बताया कि दोनों जख्मी बाइक सवारों के सिर व पैर में गंभीर चोटें आई हैं। जिसे देखते हुए सदर अस्पताल सासाराम रेफर किया गया।

नोखा में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई घर गिरे और बिजली व्यवस्था ठप

निज संवाददाता

रोहतास। नोखा प्रखंड और नगर परिषद क्षेत्र में शनिवार को हुई मूसलधार बारिश ने पूरे इलाके में जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवा और आंधी के साथ हुई बारिश से कई घर ढह गए, जबकि गलियां, बाजार और मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं। लोग घरों में कैद होकर रह गए और बिजली आपूर्ति घंटों बाधित रही। नगर परिषद क्षेत्र के मीट मार्केट में भी भारी क्षति हुई, जहां महगू मंसूरी, मोहम्मद जावेद कुरैशी, बाबर कुरैशी और सद्दाम की हजारों रुपये मूल्य की मुर्गियां पानी में डूबकर मर गईं। वहीं, नंदलाल गोसाई का मिट्टी का बना घर पूरी तरह ढह गया। सौभाग्य से उस वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश ने तबाही मचाई। बराव, सतर बीघा, मानी और बिशनपुर समेत कई गांवों में तेज हवा से मकान और बाउंड्री वाल गिर गए। कई जगहों पर पेड़ टूटकर सड़कों पर गिर पड़े, जिससे यातायात घंटों बाधित रहा। नगर परिषद और नोखा थाना परिसर सहित कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। नालों की सफाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। लोग घरों से निकलने में भी असमर्थ हैं। अंचल अधिकारी मधुसूदन चौरसिया ने बताया कि प्रभावित परिवारों की सूची तैयार की जा रही है और क्षति का आकलन कराया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन राहत और मुआवजा की दिशा में त्वरित कार्रवाई करेगा। विद्युत विभाग के जेई अरविंद कुमार रमन ने बताया कि कई जगहों पर डीपी और पोल गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है और शनिवार रात तक स्थिति सामान्य होने की संभावना है। लगातार हो रही बारिश से जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। लोग बिजली, पानी और आवागमन की समस्या से जूझ रहे हैं। बारिश से लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है और लोगों में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखने को मिल रही है।

सासाराम में मूसलाधार बारिश से रेलवे ट्रैक जलमग्न, यात्रियों को हुई भारी परेशानी

निज संवाददाता

सासाराम, रोहतास। सासाराम में बीती रात हुई तेज मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार कई घंटों तक हुई वर्षा के कारण गया–डीडीयू (मुगलसराय) रेलखंड के कई हिस्सों में रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है। खासकर मोहदीगंज, न्यू एरिया और फजलगंज की तरफ के पटरियों पर भारी जलजमाव देखने को मिला। इससे ट्रेनें धीमी गति से चल रही हैं, जबकि कई गाड़ियां घंटों की देरी से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही हैं। सुबह से ही रेलवे के ट्रैकमैन और अन्य कर्मचारी पटरियों से पानी निकालने और मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं ताकि ट्रैक को नुकसान न पहुंचे और परिचालन जल्द सामान्य हो सके। रेल प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और हर ट्रेन की गति पर निगरानी रखी जा रही है। सासाराम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और उसके आसपास भी पानी भरा हुआ है। यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में काफी कठिनाई हो रही है। कई लोग अपने बच्चों और सामान के साथ जलभराव से जूझते नजर आए। कोलकाता जाने वाली खुशबू नामक यात्री ने बताया कि उनकी ट्रेन घंटों से लेट है, जिससे उन्हें काफी दिक्कत हो रही है। वहीं, आरा जाने वाले संतोष कुमार ने कहा कि स्टेशन परिसर में कीचड़ और पानी के कारण खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया है। रेलवे विभाग का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की बड़ी बाधा नहीं है। फिलहाल ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे सामान्य करने की कोशिश जारी है। दूसरी ओर, शहर के कई मोहल्लों में भी बारिश का असर दिखा है — गलियों और सड़कों पर जलजमाव से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। लगातार बारिश ने सासाराम शहर को मानो थमा दिया है। आम जनजीवन प्रभावित है, दुकानें देर से खुलीं और यातायात भी धीमा पड़ गया।

संक्षिप्त समाचार

दानापुर–भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस पर पथराव मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

भागलपुर। मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल ने दानापुर–भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस पर 24 सितंबर को हुई पथराव की घटना में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह घटना दशरथपुर और जमालपुर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई थी। प्राप्त जानकारी के आधार पर, आरपीएफ पोस्ट जमालपुर ने दशरथपुर रेलवे स्टेशन के पास विशेष छापा एवं घेराबंदी अभियान चलाया गया। इस ऑपरेशन की निगरानी एस आई जेआर मीणा एवं सीटी अनोज यादव द्वारा की गई। इस कार्रवाई में गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सचिन कुमार (18 वर्ष), निवासी मुंगेर, बिहार के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ट्रेन पर पत्थर फेंका था, जिससे एक कोच को चोट लगी और यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ी। इस स्वीकारोक्ति के पश्चात आरोपी को रेलवे अधिनियम की धारा 153 के अंतर्गत गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है', शाहनवाज हुसैन बोले- जनता विकास के मुद्दे पर वोट करेगी

भागलपुर। भागलपुर में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अब बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है। कांग्रेस और राजद के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी की है, उसे बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता पीएम की मां को गाली देने वाले को करारा जवाब देगी। एनडीए को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना महिलाओं को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। योजना के अंतर्गत हर घर की एक महिला को दस हजार रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि वह अपना छोटा-मोटा व्यवसाय शुरू कर सके। यदि महिला का व्यापार सफल होता है तो उसे आगे दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी। इससे महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगी। यह कदम महिलाओं की आर्थिक आजादी की दिशा में बड़ा परिवर्तन साबित होगा। बीजेपी प्रवक्ता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का भविष्य उज्ज्वल है। भाजपा और एनडीए सरकार जनता के हित में लगातार काम कर रही है। आने वाले समय में भी विकास की गंगा इसी तरह बहती रहेगी। इस बार भी भाजपा का चिराग एनडीए के साथ जलता रहेगा। जनता विपक्षी दलों की नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकार देगी। कांग्रेस-राजद केवल जातीय समीकरण और परिवारवाद की राजनीति करती है। जबकि भाजपा विकास और सुशासन की राजनीति करती है। आज केंद्र और राज्य की योजनाओं का लाभ हर तबके तक पहुंच रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इसी विकास और विश्वास के आधार पर एनडीए को फिर से मौका देगी।

मच्छरगावा और जसौली पट्टी में घर पर गिरा पेड़, चार घायल

पूर्वी चंपारण। जिले के कोटवा प्रखंड में तेज हवा और घंटों की झमाझम बारिश की वजह से कई जगहों पर पेड़ गिरने से आधे दर्जन लोग घायल हो गए है। मच्छरगावा पंचायत के वार्ड नंबर 11 में एक घर पर सेमल का पेड़ गिर गया जिसमें एक बुजुर्ग , एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। मुखिया प्रतिनिधि अनिल सिंह ने बताया कि तेज हवा और बारिश में सेमल का पेड़ रमेश पासवन के घर पर गिर गया। जिसमें उसका पिता सुरेश पासवान , पुत्र प्रिंस पासवान और पत्नी मधु देवी घायल हो गई। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

पिकअप वैन ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में ससुराल जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार पिकअप वैन ने कुचल दिया। घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से गाड़ी लेकर भाग गया। पत्नी ने जब फोन किया तो किसी और ने कॉल रिसीव किया। जिसके बाद परिजनों को जानकारी मिली। घर से 1 किलोमीटर दूर हादसा हुआ है। मृतक की पहचान किरानी हरिजन के पुत्र पारो कुमार (25) के तौर पर हुई है। रजौन थाना क्षेत्र के हथौड़ा गांव का रहने वाला था। फैक्ट्री में मजदूरी करता था। छह साल पहले शादी हुई थी। पांच साल की एक बेटी है। घटना नवादा थाना क्षेत्र के मुरादपुर चौक के पास की है।

फोन पर हादसे की जानकारी मिली: मृतक की पत्नी रूबी देवी ने बताया कि ससुराल जाने के लिए बाइक से निकले थे। देर होने पर उन्हें फोन किया। किसी और ने कॉल उठाकर सड़क हादसे की जानकारी दी। बताए गए पते पर पहुंची, वहां पता चला कि पति को अस्पताल भेज दिया गया है। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फोन पर पत्नी के मिली हादसे की जानकारी

जांच में जुटी पुलिस: इधर, पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन क्षतिग्रस्त बाइक को उठाकर घर लेकर चले गए हैं। मामले की छानबीन की जा रही है।

बाइक ने युवक को मारी टक्कर मौत, घर से 1 किमी दूर हुआ हादसा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में लड्डू लाने दुकान जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर गए। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान सिकंदर महतो के पुत्र नरेश कुमार (20) के तौर पर हुई है। घटना घर से करीब एक किलोमीटर दूर सन्हौला थाना क्षेत्र के सकुआ चौक के पास की है। परिजनों के मुताबिक घर से लड्डू खरीदने निकला था। पैदल जा रहा था, घर से 1 किलोमीटर दूर बाइक ने रौंद दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। तुरंत रेफरल अस्पताल में एडमिट कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने मायागंज रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

जांच में जुटी पुलिस: मृतक सात भाइयों में छठे नंबर पर था। चचेरी बहन अमृता ने बताया कि दसवीं कक्षा में पढ़ता था। घर में वही एकमात्र सदस्य था जो परिवार का सहारा था, लेकिन अब सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रूपेश कुमार ने बताया कि बाइक को जब्त कर लिया गया है। परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

होंडा स्कूटी चोरी मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता,7 स्कूटी बरामद

निज संवाददाता। पूर्वी चंपारण

सुगौली थाना क्षेत्र के होंडा एजेंसी से स्कूटी चोरी मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने सपहा घाट से चोरी की 6 स्कूटी के साथ तीन चोर को पकड़ा और इनसे पूछताछ में मिली जानकारी के आधार चोर गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार करते हुए एक और स्कूटी बरामद किया।पकड़े गये चोरो की पहचान सुगौली थाना क्षेत्र के रंजन कुमार,अमित कुमार,तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया बगही बारी के रत्नेश कुमार,मो नेयाज और प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि इस अभियान में अब तक 7 स्कूटी बरामद हुआ।थानाध्यक्ष ने बताया कि स्कूटी चोरी मामले में मुख्य चोर अमित कुमार और रंजन कुमार है।थानाध्यक्ष ने बताया कि छपरा बहास पंचायत के सपहा सिकरहना नदी घाट से ग्रामीणों ने सूचना दी कि कई लड़के नई स्कूटी लेकर सपहा सिकरहना नदी घाट पर नाव से नदी पार कर रहे है।जब ग्रामीणों को शक हुआ तो लोगों ने स्कूटी सवार लड़को से पूछताछ की तो वे कुछ जवाब न देकर स्कूटी छोड़ भागने लगे। जिनमे से तीन को लोगों ने दबोच लिया जबकि दो भागने में सफल रहे।इसी बीच त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष ने एसआई शम्भू साह को पुलिस बल के साथ सपहा भेजा गया।जहाँ से पुलिस टीम ने तीनों चोरों को 6 स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मोतिहारी के होंडा कम्पनी के एजेंसी को इसकी सूचना दी गई।जहां से एजेंसी के प्रोपराइटर अरविंद सर्राफ और मैनेजर एस के पांडेय ने बताया कि सुबह जब गोदाम खोल कर देखा गया तो गोदाम के पीछे की दीवार में सेंध काटा हुआ पाया गया।जब वाहनों की गिनती की गई तब 9 स्कूटी और एक बाइक सहित कुल 10 वाहन गायब पाये गए।

तेज आंधी और मूसलधार बारिश से बड़ी तबाही, बिजली भी गिरा

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला सहित बेतिया नगर में शनिवार को आंधी के साथ हुई मूसलधार बारिस से बड़ी तबाही हुई है। आंधी में कई पेड़ सड़को पर गिर गया। कई लोगों का छप्पर उड़ गया। नाला और सड़कों का फर्क मिट गया। फसलों का भारी नुकसान हुआ और कई घरों में पानी घुसा गया है। बेतिया शहर में लगभग ढाई फ़ीट जलजमाव है। यहां आवासीय कोलनी के लोगों का बहुत कीमती सामान और अभिलेख भी बर्बाद हो गया। यही हालत जिले के कई ब्लॉक का भी है। मुफ़सिल थाना क्षेत्रों के पारस पकड़ी जाने वाला पक्की सड़क पर रेलवे गुमटी के उत्तर एक पेड़ गिर गया है । गांव में जाने वाले जानेवाला पथ पर आवाजाही ठप्प हो गया है। पश्चिम चंपारण के गांव में खेतों में पानी भर जाने से फसल नुकसान होने की उम्मीद है। जबकि मझवालिया में आकाशीय बिजली गिर जाने से एक महिला की मौत हो गई है।

बिहार सरकार
जिला समाहरणालय, औरंगाबाद
(जिला सामान्य शाखा)
प्रेस विज्ञप्ति

1. एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कला संस्कृति एवं युवा विभाग एवं पर्यटन विभाग, बिहार पटना द्वारा आयोजित औरंगाबाद जिला अन्तर्गत सभी महोत्सव आयोजन हेतु स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुती दिया जाना है। उक्त सभी महोत्सव के आयोजन हेतु ऑडिशन दिनांक–18.10.2025 को अनुग्रह नारायण सिंह नगर भवन, औरंगाबाद में आयोजन किया गया है।
2. जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025–26 अंतर्गत समूह लोक गीत तथा समुह लोक नृत्य की प्रतियोगिता दिनांक–19.10.2025 को अनुग्रह नारायण सिंह नगर भवन औरंगाबाद में आयोजित की जाएगी।
3. जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025–26 अंतर्गत चित्रकला, कहानी–लेखन, कविता– लेखन एवं वकतृता का प्रतियोगिता योजना भवन सभागार, औरंगाबाद में दिनांक–07.10.2025 को आयोजित किया जाएगा।

अतः स्थानीय कलाकारों से अनुरोध है कि जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025–26 (समुह लोक गीत एव समुह लोक नृत्य) एवं सभी महत्वस्व का ऑडीशन हेतू विहित प्रपत्र जिला के वेबसाइट से डाउनलोड करके दिनांक–16.10.2025 तक आवेदन भरकर जिला सामान्य शाखा, औरंगाबाद में पदस्थापित लिपिक श्री सचिन कुमार (मो0 न0–9263796457) एवं श्री रमेश कुमार, लिपिक (मो0 न0–7277628605) से सम्पर्क स्थापित कर अपना आवेदन पंजीकृत करा सकते हैं। साथ ही युवा उत्सव 2025–26 चित्रकला, कहानी–लेखन, कविता–लेखन एवं वकतृता हेतु प्रतिभागी सीधा अपना आवेदन कार्यक्रम स्थल पर 09:00 बजे पुर्वाह्न जमा करेंगें।

PR- 016647 (ART) 2025-26
नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।
जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी
औरंगाबाद।

लोजपा नेता ने बाढ़ पीड़ितों के बीच बंटा सूखा राशन

निज संवाददाता। भागलपुर

जिले के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र के नाथनगर प्रखंड अंतर्गत शंकरपुर पंचायत में शनिवार को चिराग का भरोसा अभियान के तहत करीब दो सौ बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच सूखा राशन का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम लोजपा (रा०) के प्रदेश सचिव सह बांका जिला प्रभारी विजय कुमार यादव की अगुवाई में आयोजित हुआ। राशन पाकर पीड़ित परिवारों के चेहरे पर राहत और उम्मीद साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के दौरान विजय कुमार यादव ने कहा कि चिराग का भरोसा अभियान का उद्देश्य यही है कि कोई भी बाढ़ पीड़ित भूखा न सोए। यह सिर्फ राहत सामग्री का वितरण नहीं बल्कि मानवीय सेवा का कार्य है। बाढ़ पीड़ितों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि कठिन समय में यह मदद उनके लिए बड़ी राहत साबित होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। जिनमें रविन्द्र कुमार, अरुण महतो, अखिलेश कुमार, सुबोध महंत, श्याम और मुरारी विशेष रूप से शामिल थे।

विभिन्न मांगों को लेकर जिला प्राथमिक शिक्षक संघ ने दिया धरना

निज संवाददाता। भागलपुर

विभिन्न मांगों को लेकर जिला प्राथमिक शिक्षक संघ भागलपुर के बैनर तले शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया गया। इस दौरान शिक्षकों ने शिक्षा पदाधिकारियों और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि हमारी मांगों में उच्च न्यायालय द्वारा राघवेन्द्र शर्मा बनाम बिहार सरकार के मामले में पारित आदेश के आलोक में बेगुसराय जिले के अनुरूप स्नातक प्रशिक्षित एवं प्रधानाध्यापक के पद पर प्रोन्नति प्रदान किया जाए। देवघर हिंदी विद्यापीठ द्वारा प्रदत्त डिग्री के आधार पर विभागीय निदेशानुसार स्नातक प्रशिक्षित एवं प्रधानाध्यापक के पद पर प्रोन्नति प्रदान किया जाए। विशिष्ट शिक्षकों का यथाशीघ्र वेतन निर्धारण हो। इसके अलावा अहर्ता पूरी करने वाले सभी शिक्षकों को एम.ए.सी.पी. का लाभप्रदान करना, सभी कोटि के शिक्षकों का वेतन एवं बकाया वेतन भुगतान सुनिश्चित करना सहित अन्य कई मांगें शामिल हैं। वक्ताओं ने कहा कि उपर्युक्त मांगों को लेकर संघ की ओर समाधान का अनुरोध किया जाता रहा। लेकिन शिक्षकों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। समस्याओं के निराकरण न होने की स्थिति में आज शिक्षकों के द्वारा आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन किया गया। बाबजूद इसके शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण का कोई प्रयास नहीं किया गया। जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के पास अब मात्र आन्दोलन ही विकल्प बचता है। समस्याओं के निराकरण नहीं होने की स्थिति में जिला संगठन उग्रत्तर आन्दोलन के लिए बाध्य होगा और इसकी सम्पूर्ण जबाबदेही अधिकारियों की होगी।

सब्जी कारोबारी को अज्ञात वाहन ने रौंदा, सीने की हड्डी और एक हाथ टूटा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में अज्ञात वाहन ने सब्जी कारोबारी को रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल हो गए। सीने में गंभीर चोटें आई हैं। हड्डी टूट गई है। दाहिना हाथ टूट गया। हालत नाजुक बनी हुई है। घायल की पहचान नवगछिया नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर-25 निवासी प्रमोद महतो(37) के तौर पर हुई है। घटना खरीक थाना क्षेत्र की NH-80 की है। सुबह सब्जी लाने जा रहे थे, इस दौरान हादसे के शिकार हो गए। आनन-फानन में परिजन सबसे पहले अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने कहा कि सुबह 10 बजे के बाद इलाज शुरू होगा। इसके बाद परिवार के सदस्य आक्रोशित हो गए। बाद में मायांगज रेफर कर दिया। मायागंज अस्पताल में भी समय पर इलाज नहीं मिलने से परिजन नाराज हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए घायल को पूर्णिया के एक निजी अस्पताल लेकर चले गए। घायल की पत्नी सुनीता देवी ने बताया कि पति सुबह 4 बजे घर से निकले थे। बजे हादसे की जानकारी मिली। 5:30 बजे उन्हें नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने कहा कि डॉक्टर 10 बजे आएंगे, तब इलाज शुरू होगा। तब तक मरीज की हालत बिगड़ सकती थी, इसलिए वे मायागंज ले गए, पर वहां भी उचित इलाज नहीं मिला।

शपथ पत्र

मैं सहजाद आलम, पिता - इल्यास अहमद निवासी - ग्राम/पोस्ट बाघीबरडीहा, थाना वारिसलीगंज वार्ड नं. 3 जिला नवादा (बिहार), पिन - 805104, आधार संख्या - 6218 7840 7560, शपथपूर्वक यह बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र का नाम का स्पेलिग गलत हो गया है। स्कूल में जो की यह है (Md Nemtullah) गलत है।

स्कूल में दर्ज गलत नाम (जो सुधारना है): Md Nematullah

सही नाम (जो उसके आधिकारिक दस्तावेज - आधार इत्यादी - में प्रकट है): Md Nematullah (उपरोक्त सही नाम मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं अन्य पहचान पत्रों में इसी रूप में दर्ज है।)

मै सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त सूचना मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है। मैं विद्यालय प्रशासन से विनती/अनुरोध करता हूँ कि कृप्या मेरे पुत्र का नाम विद्यालय के अभिलेखों में उपर्युक्त सही स्पेलिंग के अनुसार संशोधित कर दिया जाये, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अस्पष्टता या समस्या न हो।

यह शपथ पत्र मैंने अपनी पूरी स्वतंत्र इच्छा से, किसी भी दबाव के बिना, सत्य तथ्यों के आधार पर दिया है।

दिनाक : 04/10/2025
स्थान : नवादा (बिहार)

रेलवे भर्ती सेल
पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर
वर्ष 2025–26 के लिए स्काउट–गाइड कोटा के अंतर्गत भर्ती
रोजगार सूचना सं. एनईआर/आरआरसी/एसजी/2025–26 दिनांक 30.09.2025

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय	01.10.2025, 10:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय	30.10.2025, 18:00 बजे

वर्ष 2025–26 के लिए स्काउट–गाइड कोटा के अंतर्गत लेवल–2 (ग्रेड पे–1900) में ग्रुप 'सी' के 03 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे–02 पदों एवं बीएलडब्ल्यू/वाराणसी–01 पदों) तथा लेवल–1 (ग्रेड पे–1800) में पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी' के 08 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर, लखनऊ एवं वाराणसी मण्डलों तथा बीएलडब्ल्यू/वाराणसी, प्रत्येक में 02 पदों) के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।
अध्यक्ष
मुजाधि/आर.आर.सी–02
रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी सूचना
मालदा मंडल के तहत पे एंड यूज शौचालय लॉटों के संचालन के लिए उपार्जन संविदाओं की सुपुर्दगी
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा मंडल, मालदा टाउन कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102, पश्चिम बंगाल (नीलामी संचालन अधिकारी) ने **मालदा मंडल के तहत शिवनारायणपुर (एसवीआरपी), मुंगेर (एमजीआर) एवं राजमहल (आरजेएल) स्टेशनों में पे एण्ड यूज शौचालय लॉटों के संचालन** के लिए www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया है। **नीलामी सूचीपत्र सं.:** पीएनयू-11-2025, **नीलामी शुरू:** 22.10.2025 को पूर्वाह्न 11.45 बजे। **क्रमांक एवं लॉट सं.; स्टेशन** क्रमशः **(1)** पीएनयू-एमएलडीटी-एसवीआरपी-टीओई-50-25-1; शिवनारायणपुर, **(2)** पीएनयू-एमएलडीटी-एसवीआरपी-टीओई-51-25-1; शिवनारायणपुर, **(3)** पीएनयू-एमएलडीटी-एमजीआर-टीओई-37-25-1; मुंगेर, **(4)** पीएनयू-एमएलडीटी-आरजेएल-टीओई-39-25-1; राजमहल। आगे के विवरण के लिए प्रत्याशित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-188/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद
अति अल्पकालीन पुर्ननिविदा आमंत्रण
सूचना संख्या–03R2/2025-26
(केवल ई–टेन्डर पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद।
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि : दिनांक 25.09.2025
3. निविदा अपलोड करने की प्रारंभ तिथि : दिनांक 09.10.2025, 10:00 बजे पूर्वाह्न से। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4. निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि : दिनांक 12.10.2025, 5:00 बजे अपराह्न तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
5. निविदा (तकनीकि बीड) खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 13.10.2025 अपराह्न 10:00 बजे पूर्वाह्न में (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6. **कार्य की विवरणी :–**

ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र मूल्य (रू0 में) (अप्रत्यर्पणीय रूप में मात्र ऑनलाईन भुगतान द्वारा)	बेल्ट्रॉन का प्रोसेसिंग फीस + अन्य कर(रू0 में) (अप्रत्यर्पणीय रूप में मात्र ऑनलाईन भुगतान द्वारा)	कार्य समाप्ति की अवधि (माह में)
1	2	3	4	5	6	7
	औरंगाबाद जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्राकृतिक आपदा (सुखाड़) के तहत जिलों में जलस्तर के गिरावट/पुराने जीर्ण–शीर्ण बंद चापाकलों के अकार्यरत होने की स्थिति में पेयजल समस्या से निजात हेतु नये चापाकलों का निर्माण कार्य।					
1	(i) 125 mm dia x 45 मीटर गहरा चापाकल 1.85 मीटर व्यास का P.C.C चबुतरा तथा 3 मीटर लम्बाई का P.C.C नाली एवं सोख्ता का निर्माण कार्य–**21** अदद। (ii) 125 mm dia x 46 मीटर गहरा GPT चापाकल 1.85 मीटर व्यास का P.C.C चबुतरा तथा 3 मीटर लम्बाई का P.C.C नाली एवं सोख्ता का निर्माण कार्य–**10** अदद। (iii) 125/115 mm x 61 मीटर गहरा ड्रिल्ड चापाकल 1.85 मीटर व्यास का P.C.C चबुतरा तथा 3 मीटर लम्बाई का P.C.C नाली एवं सोख्ता का निर्माण कार्य–**19 अदद।**	51.01500	1.02100	10000	590	3 माह

7. वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समयः तकनीकि बीड निष्पादन के बाद समय एवं तिथि (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर सूचित की जायेगी)
8. निविदा वैधता की तिथि : निविदा खोलने से 180 दिनों तक।
9. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना या अन्य शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर अथवा www.state.bihar.gov.in/prdbihar वेववाईट पर देखा जा सकता है।
10. For support related to e-tendering process, bidders may contact on Toll Free Number: 1800 572 6571 or send email on eproc2support @bihar.gov.in or may visit site https://eproc2.bihar.gov.in

कार्यपालक अभियंता,
लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद
PR- 016609 (PHED) 2025-26
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवार ने ट्रक ड्राइवर को रौंदा, मौत, ओडिसा में करते थे काम, 2 दिन पहले ही लौटे थे

आरा। भोजपुर में बाइक सवार ने ट्रक चालक को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक धनगाई थाना क्षेत्र के दीघा गांव निवासी रामनाथ सिंह का सुशील कुमार (27) है। जो ओडिसा में ट्रक चलाता था। मृतक के भाई सुधीर यादव ने कहा कि रामनाथ 1 अक्टूबर को ओडिसा से वापस घर लौटा था। वह बाइक से तीयर थाना क्षेत्र के अरैला के टोला अपने ससुराल गया था। जब वापस घर लौट रहा था। उसी दौरान अरैला गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीयर थाना की पुलिस ने सूचना परिजन को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। घटना तीयर थाना क्षेत्र के अरैला गांव के पास की है। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाइयों में छोटा था। उसके परिवार में मां मरछिया देवी, पत्नी दुलारो कुमारी और 2 बेटे शिवम कुमार, शिवांशु कुमार और एक बेटी शिवानी है। इस घटना के बाद मृतक की मां मरछिया देवी, पत्नी दुलारो कुमारी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से 24,130 जीविका दीदियों को मिला लाभ

बक्सर। बिहार सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत शुक्रवार को बक्सर में 24 करोड़ 13 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया। यह राशि महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से वितरित की गई। नगर भवन, बक्सर में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। मुख्यमंत्री ने राज्यभर की लगभग 75 लाख महिला लाभार्थियों को रोजगार शुरू करने के लिए 10,000 रुपए प्रति लाभार्थी की दर से कुल 7500 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की। इसी क्रम में, बक्सर की जीविका समूहों से जुड़ी 24,130 महिलाओं को 24 करोड़ 13 लाख रुपए सीधे उनके खातों में भेजे गए। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी बक्सर डॉ. विद्यानंद सिंह, उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका और बड़ी संख्या में जीविका दीदियां उपस्थित थीं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी वर्गों और समुदायों की महिलाओं को रोजगार तथा उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को प्रारंभिक तौर पर 10,000 रुपये की राशि दी जा रही है, जिससे वे अपनी पसंद का रोजगार शुरू कर सकें। बाद में, रोजगार के विस्तार और मजबूती के लिए मूल्यांकन के आधार पर 2 लाख रुपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता का भी प्रावधान है। सरकार महिलाओं को रोजगार संबंधी प्रशिक्षण, उत्पादन में सहयोग और उनके उत्पादों की बिक्री के लिए हाट-बाजार की व्यवस्था भी करेगी। यह योजना सामुदायिक सहकारिता पर आधारित है। लाभार्थियों को पहले स्थानीय स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा, जिनके माध्यम से उन्हें रोजगार के चयन और संचालन में मदद मिलेगी। बिहार में पहले से कार्यरत 11 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह और उनसे जुड़ी 1 करोड़ 40 लाख जीविका दीदियां इस योजना का महत्वपूर्ण आधार बनेंगी। इनके संगठनात्मक सहयोग से महिलाओं को प्रशिक्षण, उत्पादन और विपणन तक की सुविधा मिलेगी। जिला पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि यह योजना बक्सर सहित पूरे राज्य में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने जीविका समूहों की महिलाओं को इस अवसर का अधिकतम उपयोग करने और आत्मनिर्भर बनने की अपील की।

50 लाख की शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, यूपी के रास्ते बक्सर में घुसे थे, वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट के पास धराए

बक्सर। बक्सर में उत्पाद विभाग ने वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 लाख रुपए से अधिक की शराब जब्त की है। एक ट्रक से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद तस्करों के नए-नए तरीकों को नाकाम करने की दिशा में एक और सफलता है। उत्पाद अधीक्षक असरफ जमाल ने बताया कि तस्करों ने शराब छिपाने का एक नया तरीका अपनाया था। ट्रक को सैकड़ों बोरे कपड़े की कटिंग वाले कबाड़ से भरा गया था, जिसके भीतर शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। बाहर से देखने पर यह कबाड़ से लदा ट्रक लग रहा था, लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर गहन जांच के बाद शराब की बड़ी खेप का खुलासा हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक (रजिस्ट्रेशन नंबर RJ 19GC0498) पंजाब से चला था और उत्तर प्रदेश के रास्ते बक्सर में प्रवेश कर पटना में शराब की डिलीवरी देने की योजना थी। वीर कुंवर सिंह सेतु पार कर जिले की सीमा में प्रवेश करते ही ट्रक को चेकपोस्ट पर रोक लिया गया। गहन जांच के दौरान ट्रक से 497 पेटी शराब बरामद हुई, जिसमें ब्लू स्टार व्हिस्की, लंदन पीरियड व्हिस्की और रॉयल स्टेज व्हिस्की ब्रांड शामिल हैं। कुल 4367.600 लीटर शराब जब्त की गई। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान पंजाब के तरन तारण जिले के सैदपुर निवासी मंजीत सिंह (45) और ठठ्ठीखड़ा निवासी गुरदीप सिंह (60) के रूप में हुई है। दोनों से पूछताछ जारी है ताकि इस पूरे तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।अधिकारियों ने पुष्टि की कि शराब की यह खेप पटना पहुंचाई जानी थी। तस्करों द्वारा कपड़े के कबाड़ के बीच शराब की पेटियां छिपाने का तरीका उनकी लगातार नई तरकीबों को दर्शाता है। हालांकि, उत्पाद विभाग की मुस्तैदी के कारण उनकी यह कोशिश भी विफल हो गई। फिलहाल ट्रक और शराब को जब्त कर लिया गया है और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस सफलता को जिले में उत्पाद विभाग की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

21 भक्त उठाते हैं प्रतिमा कंधे पर, बड़ी संख्या में महिलाएं होती हैं शामिल

बक्सर। बक्सर में विजयादशमी के अवसर पर जिले में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो चुका है। जिले का पहला विसर्जन हमेशा की तरह इस बार भी बड़ी देवी पूजा समिति की प्रतिमा का हुआ। इस विसर्जन की खास बात यह है कि यहां सालों पुरानी अनूठी परंपरा आज भी जीवित है। समिति के सदस्य माता दुर्गा की प्रतिमा को ट्रैक्टर-ट्रॉली या अन्य वाहन से नहीं ले जाते, बल्कि अपने कंधों पर उठाकर पूरे शहर में भ्रमण कराते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंचते हैं। साथ बड़ी देवी के विसर्जन में ही काफी संख्या में महिलाएं शामिल होती है। शुक्रवार को जब बड़ी देवी पूजा समिति की ओर से शोभायात्रा निकाली गई तो पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। 21 सदस्य कहार की भूमिका में माता की प्रतिमा को कंधे पर उठाए हुए थे। उनके साथ बैंड-बाजा की धुन और ढोल-नगाड़ों की थाप पर सैकड़ों महिलाएं और पुरुष नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे। अबीर-गुलाल से सराबोर भक्तों का उत्साह देखने लायक था। खास बात यह रही कि विसर्जन शोभायात्रा में महिलाओं की बड़ी संख्या मौजूद थी, जो नृत्य और भक्ति गीतों के माध्यम से अपनी आस्था प्रकट कर रही थीं। बक्सर की बड़ी देवी के विसर्जन की परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है,बल्कि यह आस्था और संस्कृति का बड़ा प्रतीक भी है। यहां विसर्जन में महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा होती है। सैकड़ों महिलाएं नए परिधानों में सजधज कर अबीर-गुलाल उड़ातीं और गीत गाती हुई प्रतिमा के साथ चलती हैं। जिले की अन्य पूजा समितियों की प्रतिमाओं का विसर्जन बड़ी देवी के विसर्जन के बाद ही शुरू होता है। इस परंपरा को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़ी देवी का विसर्जन बक्सर की सांस्कृतिक पहचान है, जो कई दशकों से चली आ रही है। विसर्जन यात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रतिमा को कंधे पर लेकर निकल रही शोभायात्रा को देखने के लिए हजारों लोग सड़क किनारे खड़े दिखाई दिए। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी मां के दर्शन किए और अबीर-गुलाल उड़ाकर वातावरण को रंगों से भर दिया। पूरा शहर मां दुर्गा की भक्ति में सराबोर नजर आया।

दालान में सो रहे रिटायर्ड हवलदार की हत्या, अपराधियों ने मारी 3 गोली

तीन महीना पहले पोते से हुआ था झगड़ा, फोन पर मिली थी धमकी

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में शुक्रवार की देर रात हथियारबंद बदमाशों ने दालान सो रहे बुजुर्ग को गोली मार दी। काफी करीब से तीन गोली मारी गई है। एक गोली दाहिने साइड सीने और दो गर्दन में लगी है। मृतक की पहचान कन्हैया प्रसाद यादव(85) के तौर पर हुई है। कोलकाता पुलिस में हवलदार थे। 2006 में रिटायर्ड हुए थे। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव की है।

देर रात मारी गोलीः रिश्तेदार संतोष ने बताया कि तीन माह पहले कन्हैया प्रसाद के पोते से गांव के कुछ युवकों का वर्चस्व को लेकर झगड़ा हुआ था। विजयादशमी के दिन उनके पुत्र राज कुमार यादव के फोन पर पूरे खानदान को उड़ा देने की धमकी दी गई थी। शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद दालान में सोने के लिए चले गए थे। हमलोगों ने उन्हें देखा भी था। देर रात बारिश के बीच उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

हत्या का कारण स्पष्ट नहींः मामले की जानकारी मिलते ही गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों से जानकारी ली। हालांकि बुजुर्ग की हत्या किसने और क्यों की है। इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हत्या के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आरा सदर अपस्ताल में पोस्टमार्टम करवाया। मृतक को एक बेटा राज कुमार यादव और दो बेटी रंजू देवी, मंजू देवी है। पत्नी दुलारो देवी समेत परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वज्रपात की चपेट में आने से 2 बच्चे घायल, शरीर पर जले के निशान मिले

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में वज्रपात की चपेट में आने से शौच करने जा रहे दो किशोर झुलस गए। आनन-फानन में परिजनों ने अस्पताल में एडमिट कराया। हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों में खेड़ी गांव निवासी राम दयाल मिश्रा के पुत्र डब्लू कुमार(14) और देवा नंद ठाकुर के पिंटू कुमार(15) शामिल है। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र की है। राम दयाल मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार के रात से ही बिजली की तेज गर्जन के साथ मूसलाधार बारिश हो रही है। शनिवार की सुबह दोनों शौच करने के लिए बधार की तरफ जा रहे थे। अचानक आकाशीय बिजली दोनों पर गिर पड़ा। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों से हादसे की जानकारी मिली। जिसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचा। सबसे पहले अगिआंव पीएचसी लेकर गया। वहां से डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा इलाजः सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी चिकित्सक प्रभात रंजन ने बताया कि दोनों की हालत पहले से ठीक है। शरीर के कई जगहों पर जला है। ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

सोन नदी में डूबने से बच्चे की मौत

निज संवाददाता। आरा

♦ टॉयलेट के दौरान पैर फिसलने से हुआ हादसा, ग्रामीणों की मदद से शव निकाला बाहर

भोजपुर जिले के बबुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव स्थित सोन नदी में डूबने से शौच करने के एक बालक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार, मृत बच्चा बबुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव के रहने वाले विनय राय का 11 साल का बेटा अर्जुन कुमार उर्फ रितेश कुमार था। इधर, मृत बच्चे के बड़े पापा हरेराम राय ने बताया कि रितेश टॉयलेट करने के लिए गांव में स्थित सोन नदी किनारे गया था। जहां पर वह डूब गया।

जानकारी के मुताबिक, बच्चे को डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी रितेश के परिजन को दी। सूचना मिलते ही परिजन एवं स्थानीय ग्रामीण वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से काफी देर बाद शव को पानी से निकला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत रितेश अपने दो भाई और एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां अंजू देवी और एक भाई रजनीश कुमार उर्फ भोलू कुमार एवं एक बहन गुड़िया कुमारी है। इस घटना के बाद मृत बालक की मां अंजू देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रंगदारी, मारपीट मामले में लोहा व्यवसायी प्रिंस सिंह गिरफ्तार, ठेकेदार से मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर शहर में रंगदारी मांगने और ठेकेदार से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने रामबाग मोहल्ला निवासी लोहा व्यवसायी प्रिंस सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ठेकेदार संतोष कुमार चौबे (निवासी–जवही दियर) की लिखित शिकायत के आधार पर की गई। संतोष कुमार नगर परिषद बक्सर के तहत नाली और सड़क निर्माण का कार्य करा रहे थे। उनका आरोप है कि प्रिंस सिंह और उसके सहयोगियों ने उन्हें अमेज़न ऑफिस के एक कमरे में बुलाकर रंगदारी की मांग की। शिकायत के मुताबिक, जब संतोष कुमार ने रंगदारी देने से इनकार किया तो आरोपियों ने उनके साथ लाठी-डंडे से बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं, प्रिंस सिंह ने अपनी कमर से पिस्तौल निकालकर उसे जान से मारने की धमकी दी और उनके गले से करीब 25 ग्राम वजन की सोने की चेन भी छीन ली। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरलः इसी बीच, घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि कुछ लोग बंद कमरे में संतोष चौबे को धमकाते हुए उसे पैरों पर गिरकर माफी मांगने को कह रहे हैं। भयवश संतोष चौबे उसके पैरों में गिरकर माफी मांगते भी नजर आते हैं। यही नहीं, वीडियो में एक स्थानीय BJP नेता भी आरोपी के सहयोगी के सामने माफी मांगते दिखते हैं। वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और जांच शुरू कर दी।

बक्सर का रसूखदार व्यवसायीः प्रिंस सिंह लंबे समय से बक्सर का रसूखदार व्यवसायी माना जाता है और उसके खिलाफ पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हो चुके हैं। अक्सर वह पुलिस की गिरफ्त से बच निकलता था, लेकिन इस बार वह कानून के शिकंजे से नहीं बच पाया।

मामले में FIR दर्जः बक्सर SP शुभम आर्य ने बताया कि मामले में FIR दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। नगर थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि वायरल वीडियो की भी जांच चल रही है और दोषी पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में पांच नामजद और अन्य अज्ञात लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना नगर क्षेत्र में अपराधियों के बढ़ते हौसले को दर्शाती है। हालांकि, पुलिस की त्वरित कार्रवाई से लोगों में यह संदेश गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। प्रिंस सिंह की गिरफ्तारी को लेकर आम जनता राहत महसूस कर रही है और उम्मीद जता रही है कि इस बार अपराधियों को सख्त सजा मिलेगी।

सर्पदंश से किशोर की मौत, डॉक्टर बोले- जहर शरीर में फैल चुका था

निज संवाददाता। बक्सर

♦ एंटी-वेनम के कई इंजेक्शन दिए, झाड़-फूंक से बचें

बक्सर के केसठ गांव में सर्पदंश से एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मंतोष तुरहा के बेटे सूरज कुमार को कोबरा ने डस लिया था। परिजन उसे आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति बिगड़ने लगी। इसके बाद उसे प्रतापसागर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इलाज के बावजूद सूरज ने दम तोड़ाः प्रतापसागर अस्पताल पहुंचने पर सूरज की हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने तुरंत एंटी-वेनम के कई इंजेक्शन लगाए और इलाज शुरू किया, लेकिन तब तक जहर तेजी से शरीर में फैल चुका था। करीब एक घंटे तक चले इलाज के बावजूद सूरज ने दम तोड़ दिया। इस असामयिक मौत से गांव में मातम छा गया है।

सांप काटने की सूचना पांच मिनट के भीतर मिलीः स्नेक रेस्क्यूवर हरिओम चौबे ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि, उन्हें सर्पदंश की सूचना पांच मिनट के भीतर मिल गई थी और उन्होंने परिजनों को तुरंत प्रतापसागर अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। चौबे के अनुसार, एक घंटे के भीतर सही इलाज मिलने पर मरीज की जान बच सकती है।

अस्पताल में 30-35 हजार रुपये आता है खर्चः हालांकि, परिजन पहले एक अन्य अस्पताल ले गए, जिससे प्रतापसागर अस्पताल पहुंचने में डेढ़ घंटे की देरी हो गई। हरिओम चौबे ने ग्रामीणों से अपील की, कि सर्पदंश की स्थिति में तुरंत सही कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि, प्रतापसागर अस्पताल में लगभग 30-35 हजार रुपये का खर्च आता है, लेकिन वहां बेहतर इलाज उपलब्ध है और मरीज की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों को झाड़-फूंक या अन्य परंपरागत तरीकों पर भरोसा न करने की चेतावनी दी। किशोर सूरज की मौत ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि सर्पदंश के मामलों में लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। समय पर और सही चिकित्सा उपचार ही जीवन बचाने का एकमात्र उपाय है।

विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से किशोर की मौत

बक्सर में नदियों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के कृष्णब्रह्म थाना क्षेत्र अंतर्गत अरियांव गांव में शुक्रवार रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक हादसा हो गया। तालाब में डूबने से गांव के 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान शशि साह का बेटा रोहित कुमार के रूप में हुई है। घटना रात करीब 9:30 बजे की बताई जा रही है। प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। इसी दौरान रोहित अचानक तालाब में गिर गया। शुरुआत में लोगों को लगा कि वह स्नान कर रहा है, लेकिन जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो अफरा-तफरी मच गई।

रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाईः स्थानीय लोगों ने तुरंत तालाब में उतरकर उसकी खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद किशोर का शव पानी से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में रोहित को डुमरांव अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन जमा हो गए, सभी की आंखों में आंसू थे। सूचना मिलने पर कृष्णब्रह्म थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना प्रथम दृष्टया एक हादसा प्रतीत होती है।

पत्नी संग बेटे का इलाज कराने गए किसान की मौत, बच्चे को दांत दर्द की थी शिकायत

निज संवाददाता। आरा

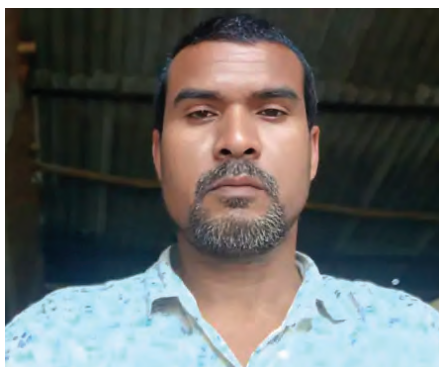

आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के बड़हरा और सेमरांव गांव के बीच शुक्रवार को अनियंत्रित होकर सवारी से भरी ऑटो पलट गई। हादसे में ऑटो पर सवार पिता की मौत हो गई। जबकि पत्नी व पुत्र समेत पांच लोग जख्मी हो गए। हादसे के बाद घायलों में शामिल मृतक की पत्नी और बेटे को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जबकि ड्राइवर समेत तीन अन्य लोगों का इलाज चरपोखरी पीएचसी में कराया गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के बराड़ टोला निवासी स्व.रामजी सिंह का 44 वर्षीय पुत्र उमेश सिंह है एवं वह किसान था। जबकि घायलों में मृतक की 35 वर्षीया पत्नी सुशीला देवी, 12 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार, ऑटो चालक एवं दो अन्य लोग शामिल है। इधर मृतक के बेटे आकाश कुमार ने बताया कि उसके दांत में खोड़ला हो गया है। जिसे लेकर वह अपने पिता उमेश सिंह व मां सुशीला देवी के साथ ऑटो पर सवार होकर गड़हनी आ रहा था।

ऑटो ड्राइवर के नशे में होने की बात सामने आईः आने क्रम में ऑटो पर चालक समेत छह लोग सवार थे। उसने बताया कि ऑटो चालक नशे में था। जिसके कारण जैसे ही ऑटो बड़हरा एवं सेमरांव गांव के बीच पहुंची। तभी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसके पिता उमेश सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जबकि उसकी वह, उसकी मां सुशीला देवी एवं तीन अन्य लोग मामूली रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उंसके पिता को मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी सुशीला देवी व दो पुत्र अभिषेक,आकाश एवं एक पुत्री ममता है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी सुशीला देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रा-रोकर बुरा हाल है।

बदमाश ने दंपती को मारा चाकू, गाली-गलौज का विरोध करने पर किया हमला

निज संवाददाता। आरा

❐ घायलों को सदर अस्पताल में कराया एडमिट

भोजपुर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के धमार गांव में गाली-गलौज का विरोध करने पर धमार में एक व्यक्ति ने दंपती को चाकू मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को चाकू उसके सिर पर, जबकि उसकी पत्नी को दाहिने हाथ में कलाई पर लगी, जिससे दोनों जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन ने उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, घायलों में बक्सर जिला के सोनवर्षा थाना क्षेत्र के कड़सर गांव निवासी 24 वर्षीय सरोज और उसकी 18 वर्षीया पत्नी आरती कुमारी शामिल है। सरोज ने बताया कि वह एक दिन पूर्व अपनी पत्नी आरती कुमारी के साथ मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के धमार गांव अपने ससुराल आया था। जब वह ससुराल लोगो के साथ गांव के बगीचे में बैठा हुआ था। तभी वहां पर कल्लू आया और उसे गाली-गलौज करने लगा। तभी उसने गुस्से में आकर उसे एक थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद कल्लू चाकू लेकर आया और उसे सिर पर मार दिया। जब उसकी पत्नी बचाने गई तो उसने उसे भी चाकू मार दी। जिससे दोनों जख्मी हो गए।

घायल दंपती ने आरोपी के खिलाफ पुलिस से की शिकायतः वहीं दूसरी तरफ जख्मी सरोज ने धमार गांव निवासी कल्लू पर गाली देने को लेकर उसे थप्पड़ मारने के कारण खुद को एवं पत्नी को चाकू मारने का आरोप लगाया है। वहीं, ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि चाकू लगने से दोनों जख्मी हो गए हैं, इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। दोनों खतरे से बाहर हैं। इस घटना के बाद पीड़ित दंपती ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

मसौढ़ी। दानापुर रेलमंडल के गया पटना रेलखंड के पुनपुन स्टेशन व पुनपुन घाट हॉल्ट के बीच पोल संख्या 12/20के समीप रेल ट्रैक पर शनिवार की शाम ट्रेन से कटकर 30 वर्षीय एक युवक की मौत हो गयी. मृतक युवक की शिनाख्त नहीं हो पायी है.बताया जाता है कि घटना अप लाइन पर तेज गति से गुजर रही बंदेभारत एक्सप्रेस से घटित हुई.हालांकि घटना किस प्रकार हुई इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है.वहीं मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे रेल पुलिस के जवानों ने शव को अपने कब्जे में लेकर स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की,लेकिन मृतक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।जीआरपी ने शव को मोर्चरी के लिए भेज दिया।

नाबालिग युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का युवक पर केस

मसौढ़ी । युवती को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में मां की शिकायत पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जा शुरू कर दी है।एक गांव निवासी मां ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बीते 22सितंबर को उसकी 15 वर्षीय बेटी घर से कोचिंग के लिए निकली थी, जो देर रात तक वापस नहीं लौटी काफी खोजबीन करने के बाद पता चला कि खिड़ीमोड़ थाना क्षेत्र के बैलानी बारा गांव निवासी मोछू बिंद के पुत्र रौशन कुमार बहला फुसलाकर अपने साथ भाग ले गया है।मां के आवेदन पर आरोपी रौशन कुमार के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

दानापुर मंडल के स्टेशनों पर कचरा प्रबंधन एवं उसके निपटान के लिए चला विशेष अभियान

पटना। स्वच्छता पखवाड़ा - 2025 भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान 2025 के तहत एक विशेष पहल है, जो स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और सामुदायिक भागीदारी और जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। यह पखवाड़ा हर साल अन्य संस्थाओं के साथ-साथ भारतीय रेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में पूरे भारतीय रेल में भी 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मनाया जाता है। इसके साथ ही कार्यालयों , स्टेशनों एवं प्रशासनिक भवनों में साफ सफाई, कचरा प्रबंधन एवं वेस्ट मटेरियल के डिस्पोज़ल एवं वेस्ट टू आर्ट के अंतर्गत वेस्ट मटेरियल को किसी क्रिएटिव आइटम में कन्वर्ट किए जाने के लिए ही 31 अक्टूबर 2025 तक एक विशेष अभियान 5.0 भी चलाया जा रहा है। इन दोनों अभियान को साथ में लेकर चलते हुए आज 04.10.25 को दानापुर मंडल के मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधन विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से महत्वपूर्ण स्टेशनों जैसे पटना जंक्शन, दानापुर, पटना साहिब, पाटलिपुत्र जंक्शन, राजेंद्रनगर टर्मिनल, बक्सर, आरा इत्यादि स्टेशनों पर स्वच्छता से संबंधित गतिविधियाँ जैसे, स्टेशन परिसर तथा कार्यालयों की मशीनों के द्वारा सघन सफाई, स्टेशन पर लगे प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनों का संचालन सुनिश्चित करना, सूखा कचरा एवं गिला कचरा हेतु स्टेशनों पर डस्टबिन की सफाई एवं उपलब्धता, स्टेशन बिल्डिंग के छतों पर लगे सोलर पैनलों की सफाई, स्टेशन पर पानी के निकास हेतु उपलब्ध नाले की सफाई कराई गई। इसके साथ ही आमजनों तथा यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता हेतु प्रभात फेरी आयोजित की गई। स्वच्छ भारत अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को एक जीवन शैली के रूप में अपनाना और भारत को स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध बनाना है।

संजय गांधी जैविक उद्यान में घड़ियाल संरक्षण पर समझौता ज्ञापन समारोह आयोजित

पटना। वन्यप्राणी सप्ताह 2025 के तीसरे दिन शनिवार को संजय गांधी जैविक उद्यान, पटना में घड़ियाल संरक्षण पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) समारोह आयोजित किया गया, जिसमें घड़ियाल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर वन विभाग एवं WTI के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ । यह कार्यक्रम जैविक उद्यान के श्री डी थिएटर हॉल में संपन्न हुआ, जिसकी शुरुआत अभय कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण सह मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार के स्वागत संबोधन से हुई। इस अवसर पर प्रधान सचिव आनंद किशोर ने कहा कि बिहार सरकार वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक नया उदाहरण प्रस्तुत करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि संजय गांधी जैविक उद्यान घड़ियाल संरक्षण में देश और दुनिया में दूसरे स्थान पर है और विभाग इसे शीर्ष पर लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक अभय कुमार ने कहा कि बेतिया में इनक्यूबेशन सेंटर कम इंटरप्रिटेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। WTI के निदेशक एवं चीफ इकोलॉजिस्ट डॉ. समीर सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि घड़ियाल संरक्षण के क्षेत्र में गंडक नदी अब चंबल के बाद दूसरे स्थान पर है, जो बिहार के लिए गर्व की बात है। वहीं, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) श्री पी.के. गुप्ता ने बताया कि जल्द ही चिड़ियाघर की नेचर लाइब्रेरी में पूर्व मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक स्व. एस.पी. शाही की किताब रखी जाएगी, जिसमें घड़ियाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि गंडक के अलावा कोसी, महानंदा और सोन नदी में भी संरक्षण की अपार संभावनाएँ हैं और लक्ष्य है कि बिहार गंडक नदी को देश में प्रथम स्थान दिलाए। कार्यक्रम का समापन जू निदेशक श्री हेमंत पाटिल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने बताया कि हर वर्ष पटना जू में औसतन 80-85 घड़ियाल शिशु जन्म लेते हैं, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 91 हो गई है , जो घड़ियाल संरक्षण के प्रति बिहार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बिहार सरकार ने अधिवक्ताओं को दिया तोहफा : डॉ. आनन्द कुमार

पटना। जनता दल (यू) विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनन्द कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अधिवक्ताओं के हित में लिए गए निर्णय ऐतिहासिक और सराहनीय हैं। उन्होंने बताया कि युवा अधिवक्ताओं को तीन वर्ष तक हर माह 5,000 की सहायता राशि मिलेगी, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा। सरकार ने प्रत्येक जिला अधिवक्ता संघ को ई-लाइब्रेरी के लिए 5 लाख और अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को 30 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान देने की घोषणा की है। इसके अलावा अधिवक्ताओं की आकस्मिक मृत्यु पर उनके परिवार को सहायता राशि और महिला अधिवक्ताओं के लिए 'पिंक टॉयलेट' की सुविधा दी जाएगी। डॉ. आनन्द कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू नेतृत्व और अधिवक्ता कल्याण समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये कदम अधिवक्ताओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और न्यायपालिका की कार्यक्षमता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

बीजेपी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मैनिफेस्टो तैयार करने का अभियान किया शुरू

भाजपा घोषणा पत्र के लिए सुझाव अभियान आज से होगा शुरू

निज संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने आगामी चुनावी घोषणा पत्र (मैनिफेस्टो) की तैयारी शुरू कर दी है। इस संदर्भ में आज बीजेपी कार्यालय में मैनिफेस्टो कमेटी की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें मंत्री प्रेम कुमार, राज्यसभा सांसद मनन मिश्रा और प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक उपस्थित रहे। नेताओं ने बताया कि पार्टी इस बार जनता की आकांक्षाओं और सुझावों के आधार पर अपना मैनिफेस्टो तैयार करेगी। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि 5 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक पूरे बिहार में अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 1 करोड़ लोगों से सुझाव लेकर मैनिफेस्टो तैयार किया जाएगा, जिसमें किसानों, महिलाओं, युवाओं और श्रमिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। राज्य के सभी 38 जिला मुख्यालयों पर सुझाव पेटियां रखी जाएंगी, जहां लोग अपने विचार दे सकेंगे। इसके अलावा LED चुनाव रथ गांव-गांव जाकर लोगों को अभियान से जोड़ेगा। सुझाव देने के लिए पार्टी ने मिस्ड कॉल, पत्र, फोन, QR कोड स्कैन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इसके अलावा नया व्हाट्सएप नंबर 8980243243 भी जारी किया गया है। बीजेपी के कार्यकर्ता हर बूथ और मोहल्ले में घर-घर जाकर लोगों से सुझाव लेंगे। अक्टूबर माह में पार्टी कई विशेष कार्यक्रम भी आयोजित करेगी, जिनमें 8 अक्टूबर को प्रत्येक जिले में प्रेस कॉन्फ्रेंस, 9 अक्टूबर को युवा सम्मेलन, 10 अक्टूबर को महिला सम्मेलन, 14 अक्टूबर को उद्यमिता सम्मेलन और 11-12 अक्टूबर को पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर अभियान शामिल हैं। राज्यसभा सांसद मनन मिश्रा ने कहा कि यह अभियान बिहार में पहली बार ऐसा किया जा रहा है। जनता से जुड़े सुझावों के आधार पर मैनिफेस्टो तैयार होगा, जिससे आने वाले 5 साल में सरकार क्या करेगी, यह जनता स्वयं तय करेगी। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें, ताकि अधिक सुझावों के माध्यम से मजबूत और प्रभावी मैनिफेस्टो तैयार किया जा सके।

जावेद हबीब सैलून ने बोरिंग रोड में खोला नया लग्जरी सैलून

निज संवाददाता

पटना। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जावेद हबीब सैलून ने बोरिंग रोड के आर्किड मॉल में अपने नए प्रीमियम लग्जरी सैलून का शुभारंभ किया। उद्घाटन राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी, मास्टर फ्रेंचाइजी बिहार अरविन्द कुमार और फ्रेंचाइजी ओनर विजय, विनय एवं विशाल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस सैलून में हेयर, ब्यूटी, मेकअप और नेल केयर की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। फ्रेंचाइजी ओनर्स ने बताया कि ग्राहकों को सर्वोत्तम स्वच्छता और सुरक्षा के साथ क्लीनअप, फेशियल और अन्य ब्यूटी सेवाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। मास्टर फ्रेंचाइजी अरविन्द कुमार ने कहा कि जावेद हबीब के देशभर में 1000 से अधिक सैलून हैं और कंपनी बिहार-झारखंड में नए पार्टनर्स को जोड़ने की योजना बना रही है हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब ने बालों की देखभाल के टिप्स साझा करते हुए कहा कि गर्म पानी से बाल न धोएं और नियमित हेयर स्पा व फेशियल से बालों और त्वचा की चमक बनाए रखें। मौके पर शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बाइक सवार दो शराब तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

निज संवाददाता

मसौढ़ी ।उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुनपुन थाना क्षेत्र के अलावलपुर गांव के समीप शराब के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके साथ ही साथ शराब तस्करी में प्रयुक्त एक बाइक को जब्त कर किया है।मामले में उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि। पुनपुन थाना क्षेत्र के बहरामा चकिया से लखना बाइक पर दो व्यक्ति शराब तस्करी के लिए लेकर जा रहा है.सूचना पर जांच शुरू की.जांच के दौरान अलावलपुर गांव के पास एक बाइक आता दिखाई दिया,जिसे रोकने का प्रयास किया गया. लेकिन चालक गाड़ी लेकर भागने लगा. जिसे पुलिस बल की मदद से पकड़ लिया गया.जांच के दौरान बाइक से 62 लीटर देशी शराब बरामद की व उसके बाइक को भी जब्त किया गया है.वहीं दो तस्कर को गिरफ्तार किया गया.गिरफ्तार तस्कर गौरीचक थाना क्षेत्र के लखना सालीमपुर गांव निवासी संजय मांझी के पुत्र दीपलाल मांझी व जगन मांझी के पुत्र गुड्डू मांझी है. बाइक को जब्त कर लिया गया.बताया कि तस्कर से पूछताछ कर उसे भी जेल भेज दिया गया.वहीं उनकी निशानदेही पर अन्य की भी जांच हो रही है.बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मद्यनिषेध व उत्पाद विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की जा रही है।

चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनें तो खुशी होगी:पशुपति पारस

निज संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा कि यदि उनका भतीजा चिराग पासवान बिहार का मुख्यमंत्री बनते हैं, तो उन्हें इससे अत्यधिक खुशी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चिराग पासवान उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके मुख्यमंत्री बनने पर परिवार से बढ़कर कोई और आनंदित नहीं होगा। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा, यह पूरी तरह से बिहार की जनता की इच्छा पर निर्भर करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर वोट का महत्व अहम है और जनता की संकल्प शक्ति सर्वोपरि है। पारस ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें SIR के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को 'गंगाजल की तरह शुद्ध' बताया गया था। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को निष्पक्ष होकर बोलना चाहिए और सवाल उठाया कि बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण क्यों नहीं कराया गया, जबकि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में सूची सही पाई गई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बिहार में एनडीए की स्थिति पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि महागठबंधन के सामाजिक न्याय से जुड़े लोग एकजुट हैं, जबकि एनडीए की स्थिति उतनी मजबूत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सरकार ने चुनाव आयोग पर दबाव डालकर बिहार में 67 लाख लोगों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किया। पारस ने महागठबंधन की सीटों को लेकर कहा कि चुनाव की घोषणा से पहले सीटों की बात करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि इस बार उनके बेटे यश पासवान भी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार होंगे। यश पासवान अलौली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, जहां परिवार के आठ बार विधायक और मंत्री रहे हैं।

बिहार में कांग्रेस का इलेक्शन कमीशन से सवालों का पहाड़, उठाए 12 अहम मुद्दे

निज संवाददाता

पटना। बिहार में भारतीय निर्वाचन आयोग और सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के बाद राजेश राम ने कहा कि इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का बिहार आगमन ऐतिहासिक है और उनका स्वागत किया जाता है, लेकिन आयोग से कुछ गंभीर सवाल भी उठाए गए हैं। कांग्रेस ने बैठक में कुल 12 मांगों को आयोग के समक्ष रखा, जो विशेष रूप से मतदाता सूची (SIR) से संबंधित हैं। राजेश राम ने बताया कि कांग्रेस ने आयोग से कई अहम जानकारियों की मांग की है। इसमें यह स्पष्ट किया गया कि 30 तारीख को जारी सूची में पलायन किए गए लोगों के कितने नाम काटे गए और फॉर्म-6 के माध्यम से 21 लाख 53 हजार नए नाम जोड़े गए, उनकी पूरी सूची और उम्र सहित जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि नई सूची में महिलाओं के कितने नाम जुड़े या कटे और उनके कारण की भी जानकारी आयोग से मांगी गई है। इसके अलावा, जिन लोगों की मृत्यु हो गई है, उनके नामों की सूची, और कितने घुसपैठियों को चिह्नित किया गया है, इसकी भी मांग की गई। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि कई मामलों में एक ही व्यक्ति के दो अलग-अलग स्थानों पर नाम दर्ज हैं। उदाहरण के तौर पर महिला अकीला बानो और सुधांशु कुमार के नाम दो अलग-अलग एपिक नंबर पर सूचीबद्ध हैं, जो मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने कहा कि बैठक में विपक्ष के सवालों का जवाब भारतीय जनता पार्टी से आया। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के सबूत के साथ सवाल उठाया था, लेकिन उसका आज तक कोई जवाब नहीं मिला। उनके अनुसार देश में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगे हैं और भाजपा देश की ऑटोनॉमस बॉडीज को कमजोर करने में लगी हुई है। राजेश राम ने यह भी कहा कि वर्तमान में चुनाव की तारीख सरकार से ही पूछी जाएगी, क्योंकि कई उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम चुनाव की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। कांग्रेस ने बैठक में आयोग से मांग की कि वे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सभी सवालों के जवाब दें और मतदाता सूची में गड़बड़ी की जांच करें।

रामलीला महोत्सव-2025 में कलाकार देवराज मुन्ना उर्फ मुन्ना पंडित हुए सम्मानित

निज संवाददाता

पटना। गांधी मैदान में श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट, पटना एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग (बिहार सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "श्री रामलीला महोत्सव-2025" का समापन भव्यता और श्रद्धा के साथ हुआ। 24 सितंबर से शुरू हुए इस महोत्सव में भक्ति गीतों, नाट्य प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 30 सितंबर को कलाकार देवराज मुन्ना उर्फ मुन्ना पंडित की भक्ति गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। 3 अक्टूबर को समापन दिवस पर आयोजित "भारत मिलाप एवं सम्मान समारोह" में कलाकारों को प्रशस्ति पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। विशेष रूप से देवराज मुन्ना सहित कई कलाकारों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान मिला। ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार ने सभी कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रामलीला केवल नाट्य रूपांतरण नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। गांधी मैदान में गूंजते "जय श्रीराम" के नारों के बीच यह महोत्सव सांस्कृतिक एकता और भक्ति का संदेश देते हुए संपन्न हुआ।

सूरज ने कॉर्पोरेट जगत में किया सारण का नाम रौशन

निज संवाददाता

सारण। बिहार की मिट्टी हमेशा ऐसे सपूत जन्म देती है, जो कठिनाइयों को अवसर में बदल देते हैं। सारण जिले के कराह गाँव के किसान परिवार में जन्मे सूरज कुमार सिंह की कहानी इसी जज़्बे की मिसाल है। गाँव की गलियों और खेत-खलिहानों से सीखी सादगी, धैर्य और ईमानदारी ने उनके जीवन की दिशा तय की। यही संस्कार आगे चलकर उनके संघर्षों और सफलताओं की असली पूँजी बने। सुरज कुमार सिंह ने भारतीय नौसेना में 15 वर्षों तक सेवा देकर देश की सुरक्षा में योगदान दिया। नौसेना ने उन्हें अनुशासन, नेतृत्व और त्याग का सबक दिया, जिसे उन्होंने अपने जीवन के हर क्षेत्र में उतारा। रिटायरमेंट के बाद भी उन्होंने अपनी जड़ों से जुड़ाव बनाए रखा और अपने पेंशन से कराह गाँव में निकुंभेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना कर सामाजिक मूल्यों को मजबूत किया। मुंबई पोस्टिंग के दौरान उनका रुझान शेयर बाज़ार की ओर हुआ। शुरुआती वर्षों में घाटे सहने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। सीख को अवसर में बदलते हुए 2020 की महामारी के समय IPO मार्केट में ऐसी रणनीति अपनाई, जिसने उन्हें 100 करोड़ रुपये का मुनाफा दिलाया। यही नहीं, रियल एस्टेट सेक्टर में उन्होंने हिमालय ग्रुप के साथ कई सफल प्रोजेक्ट पूरे किए और 2023 में कर्णिका इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड को IPO के ज़रिये बाज़ार में उतारकर कंपनी को महज़ दो साल में 1100 करोड़ रुपये का मार्केट कैप दिला दिया। आज उनकी कंपनी देशभर में फैक्ट्रियाँ और DEE Hub रिटेल चेन चला रही है, जिससे हज़ारों युवाओं को रोज़गार मिल रहा है। उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान मिला। 11 मई 2025 को उन्हें झारखंड में बिरसा मुंडा प्रतिष्ठित पुरस्कार और जून 2025 में दिल्ली सरकार की ओर से व्यापार रत्न पुरस्कार से नवाज़ा गया। इसके साथ ही वे देश के विभिन्न IIMs और प्रबंधन संस्थानों में युवाओं को प्रेरित करने के लिए गेस्ट स्पीकर के रूप में आमंत्रित होते हैं। खेत से कॉर्पोरेट बोर्डरूम तक का सफर सुरज कुमार सिंह की यह गाथा साबित करती है कि ईमानदारी, अनुशासन और संघर्ष ही असली सफलता की कुंजी है। यह सिर्फ़ एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सपनों को हकीकत में बदलने का साहस रखते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से मना विजयादशमी पर्व

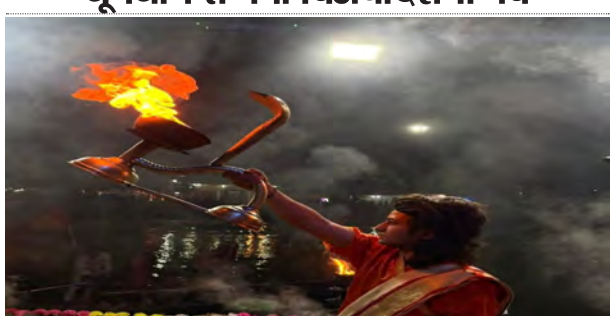

गोड्डा/मेहरमा (नि.सं.)। बलबड्डा में विजयादशमी का पर्व इस वर्ष बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही गाँव-गाँव से भक्त शोभायात्राओं में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और जयकारों की गूँज से पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बन गया। लोग माता दुर्गा की प्रतिमाओं को लेकर सूर्य सरोवर तालाब पहुँचे, जहाँ परंपरा के अनुसार प्रतिमाओं की पाँच परिक्रमा की गई। यह परिक्रमा गाँव और समाज में शांति, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक मानी जाती है। श्रद्धालुओं ने भावभीनी श्रद्धा के साथ माँ दुर्गा को जल में विसर्जित किया, जबकि महिलाएँ और बच्चे गीत गाते हुए अगले वर्ष माँ के आगमन की कामना कर रहे थे।मेला समिति अध्यक्ष अरुण राम ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य न केवल माता दुर्गा की पूजा करना है, बल्कि गाँव और समाज में भाईचारा और एकता को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम सुरक्षित और शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुए और यह बलबड्डा की परंपरा का सबसे बड़ा पर्व है। शाम को बलबड्डा राम सुन्दर राम उच्च विद्यालय के मैदान में रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हजारों की मौजूदगी में रंग-बिरंगी आतिशबाज़ी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को और उत्सवपूर्ण बना दिया। जैसे ही रावण का विशाल पुतला जलता, पूरे क्षेत्र में "जय श्रीराम" के जयघोष गूंज उठे। इस अवसर पर बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक दिखाई दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दीपिका पंडे सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश देती है। समाज में भाईचारा, एकता और शांति बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने बलबड्डा की जनता को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आयोजन की सराहना की। मेला समिति की ओर से उन्हें अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सुरक्षा और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। बलबड्डा थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुए। सूर्य सरोवर तालाब की पाँच परिक्रमा और बलबड्डा मैदान में रावण दहन ने इस वर्ष की विजयादशमी को यादगार बना दिया। श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ माता दुर्गा की विदाई के समारोह में भाग लिया और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश आत्मसात किया। इस प्रकार बलबड्डा का यह आयोजन आस्था, परंपरा और सामुदायिक उत्सव का अद्भुत उदाहरण साबित हुआ।

मनरेगा कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

रानीश्वर (नि.सं.)। राजेश कुमार सिन्हा द्वारा प्रखण्ड सभागार में प्रखण्ड के सभी पदाधिकारियों और कर्मियों तथा क्षेत्रीय कर्मियो के साथ शनिवार को बैठक किया गया। बैठक में सर्वप्रथम मनरेगा से निर्माणाधीन लंबित आँगनबाड़ी केन्द्रों का समीक्षा किया गया। संबंधित कनीय अभियंता तथा रोजगार सेवक द्वारा बताया गया कि चार आँगनबाड़ी केन्द्र बगादर, सिजुवा, तिलावनी और चापुड़िया एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण हो जायेगा, शेष आँगनबाड़ी केन्द्र इस महीने के अन्त तक पूरा हो जायेगा। मनरेगा के अभिसरण से आँगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका का निर्माण किया जाना है जिसके लिए 30 आँगनबाड़ी केन्द्रों का चयन किया गया है। इन सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों के पोषण वाटिका के संबंध में प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा द्वारा बताया गया कि 22 आँगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका के निर्माण के लिए मनरेगा के तहत तहत वर्क कोड जनरेट करते हुए कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जिसके लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा पोषण वाटिका का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने का निदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत योग्य लाभुको से प्रति पंचायत कम से कम दस-दस आवेदन प्राप्त करने का निदेश सभी पंचायत सचिव को दिया गया ताकि उक्त योजना के तहत लाभुको को आर्थिक सहायता दिया जा सके। उक्त बैठक में प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, प्रखण्ड समन्वयक (आवास), सभी कनीय अभियंता, प्रभारी प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, प्रभारी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, प्रधान सहायक, बी०टी०एम०, सभी पंचायत सचिव, सभी ग्राम रोजगार सेवक आदि उपस्थित थे।

आलिम-फ़ाज़िल डिग्री मान्यता पर चर्चा

गोड्डा/पोड़ैयाहाट (नि.सं.)। मदरसा शिक्षक संघ, आलिम-फ़ाज़िल डिग्रीधारी अभ्यर्थियों एवं उर्दू भाषा कमिटी से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने विधायक एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव से उनके आवास पर मुलाक़ात की। बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने आलिम-फ़ाज़िल डिग्री की मान्यता को बरकरार रखने की समस्या रखी और इसके कारण विद्यार्थियों व अभ्यर्थियों के भविष्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक प्रदीप यादव ने प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि इससे संबंधित मुद्दे को मैंने पूर्व में भी राज्य के सर्वोच्च सदन में उठाया था। उस समय मैंने स्पष्ट रूप से कहा था कि इस समस्या के स्थायी और समुचित समाधान हेतु एक उर्दू विश्वविद्यालय की स्थापना आवश्यक है और इसके लिए मैंने सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया था। मैं इस विषय को पुनः उचित फोरम पर मजबूती से रखूंगा, ताकि आलिम-फ़ाज़िल डिग्री की मान्यता से जुड़ी समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि समस्या के समाधान के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे और सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग करेंगे।

वन विभाग ने पर्यावरण रैली आयोजित की

महागामा (नि.सं.)। वन प्रमंडल के तत्वावधान में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा महागामा अनुमंडल क्षेत्र में एक भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष वनरक्षक शामिल हुए, जिन्होंने पूरे जोश और उत्साह के साथ आम जनता को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली में दिखा वनरक्षकों का उत्साह और संकल्प रैली की शुरुआत के साथ ही वनरक्षकों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर लिए हुए नगर भ्रमण किया। वहीं कुछ प्रमुख नारों में शामिल थे पेड़ बचाओ – जीवन बचाओ, पर्यावरण है तो भविष्य है, एवं स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन। इन नारों के माध्यम से प्रतिभागियों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। रैली ने आम लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समाज तक पहुंचाया। ऊर्जा नगर मंदिर में रैली का समापन, लिया गया संकल्प रैली का समापन ऊर्जा नगर मंदिर परिसर में हुआ, जहां उपस्थित अधिकारियों एवं वनरक्षकों ने सामूहिक रूप से अधिक से अधिक वृक्षारोपण और वृक्ष संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मौजूद वन विभाग के उच्च अधिकारियों ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती है।

चौकीदार भर्ती परीक्षा जिले के 18 केंद्रों पर

निज संवाददाता | दुमका

जिला अंतर्गत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी एवं बैकलॉग भर्ती हेतु चयनित योग्य अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा आज रविवार को अपराह्न 12:30 बजे से 02:00 बजे तक जिले के 18 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। इस संबंध में समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में परीक्षा केंद्रों में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अधिकारियों को परीक्षा के दौरान सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी। उन्होंने परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने को कहा। उपायुक्त ने आदेश दिया कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अफवाह नहीं फैले, इसे सुनिश्चित किया जाए। अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड की जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाए, तथा एडमिट कार्ड में फोटो नहीं होने पर प्रवेश की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों में सिटिंग प्लान प्रदर्शित कर दिया गया है तथा बेंच पर भी अभ्यर्थियों के रोल नंबर अंकित कर दिए गए हैं। परीक्षा केंद्र में प्राधिकृत व्यक्ति के अलावा किसी को भी प्रवेश न दिया जाए। जो लोग परीक्षा से संबंधित नहीं हैं, उन्हें सेंटर परिसर में नहीं रहने दिया जाए। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा की अवधि के दौरान प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी भी सेंटर परिसर के भीतर मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करेंगे। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत जांच की जाए तथा परीक्षा की इंटिग्रिटी (सत्यनिष्ठा) बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बताया कि उपरोक्त सभी परीक्षा केन्द्रों में कदाचार मुक्त शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संचालन हेतु विधि व्यवस्था बनाये रखना आवश्यक है। परीक्षा अवधि में परीक्षा केन्द्रों के अगल-बगल अनावश्यक भीड मटरगश्ती ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग एवं अनाधिकृत रुप से हथियार आदि लेकर चलने तथा कदाचार से संबंधित किसी प्रकार का वस्तु का उपयोग करने आदि पर प्रतिबंध रहेगा।उपरोक्त सभी परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में परीक्षा अवधि में धारा 163 भा०ना०सु०सं० के तहत् निषेधाज्ञा लागू रहेगा।उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम 2001 के अन्तर्गत उनके विरूद्ध तुरंत कार्रवाई की जायेगी। यह आदेश दिनांक 05.10.2025 को परीक्षा अवधिमें लागू रहेगा।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया

- एन0 डिग्री महाविधालय, रेलवे स्टेशन के समीप, नेतुर पहाड़ी, दुमका।
- ए0एन0 इंटर कॉलेज, नेतुर पहाड़ी नियर हाईवे, दुमका।
- +2 वेस्टर्न इंगलिश स्कूल, बलियाडंगाल, दुमका।
- राजकीय उच्च विद्यालय कड़हरबील, शिवपहाड़, मुफसिल थाना के सामने, दुमका।
- राजकीय मध्य विधालय कड़हरबील, गिधनीपहाड़ी रोड,य शिवपहाड़, दुमका।
- ज्ञान मंजरी उच्च विधालय, शिवपहाड़, दुमका।
- +2 नेशनल उच्च विधालय, गोशाला रोड, दुधानी, दुमका।
- श्रीरामकृष्ण आश्रम, +2 उच्चय विधालय, दुमका, ग्राम-कुरूवा, दुधानी।
- एस0एस0 विधा बिहार, आजाद नगर, न्यू कुम्हारपाड़ा, दुमका।
- संत तेरेसा बालिका उच्च विधालय, दुधानी दुमका।
- संत जोसेफ उच्च विधालय, बक्सीबांध, दुमका।
- सिदो कान्हु उच्च विधालय, दुमका।
- राजकीय मध्य विधालय, डंगालपाड़ा, दुमका नगरपालिका चौक।
- बाल भारती उच्च विधालय, थाना रोड, दुमका।
- सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मजिस्ट्रेट कॉलोनी, पुलिस लाईन, दुमका।
- दि मिलिनियम स्कूल, कुसुमडीह, दुमका।
- एन0ई0एल0सी0 डॉन बास्को, स्कूल बन्दरजोरी मिशन, दुमका में परीक्षा ली जाएगी

जल निकायों के अतिक्रमण को लेकर डालसा सचिव ने की बैठक

निज संवाददाता | दुमका

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव उत्तम सागर राणा ने सभी प्रखंडों के अंचलाधिकारियों के साथ जल निकायों के अतिक्रमण को लेकर शनिवार को बैठक किया तथा जलाशयों, नदियों, झीलों, तालाबों के अतिक्रमण को लेकर प्रभावी उपायों पर भी चर्चा किया। उन्होंने कहा कि जल निकायों का अतिक्रमण एक गंभीर समस्या है, जहां तालाबों, झीलों और जलग्रहण क्षेत्रों पर अवैध कब्जा कर लिया जाता है जिससे पानी का प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध होता है और पर्यावरण को नुकसान होता है। जलाशयों में प्रभावित होने वाले अपशिष्ट को तुरंत रोका जाना चाहिए, जिससे प्रदूषण मुक्त पेयजल की अधिकता हो। बैठक में उन्होंने कहा कि जल निकायों में नाली का पानी, शौचालय का पानी, कल कारखानों का अपशिष्ट तथा कूड़े का ढेर नहीं होना चाहिए। पानी की निकासी एवं स्वच्छता पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

पर्यटन एवं खेलकूद की डीसी ने कि समीक्षा

निज संवाददाता | दुमका।

जिला उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को पर्यटन एवं खेलकूद विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पूरे वर्ष का टूरिज्म कैलेंडर तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि टूरिज्म कैलेंडर के माध्यम से जिले के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी पहले से उपलब्ध रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोग इन आयोजनों में भाग ले सकेंगे और जिले के पर्यटन को गति मिलेगी। बैठक में उपायुक्त ने मसानजोर में निर्माणाधीन बोट शेड की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को इसे एक माह के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने मसानजोर में बोटिंग प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना बनाने का भी निर्देश दिया, ताकि पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो और जलक्रीड़ा गतिविधियों को बढ़ावा मिले। उन्होंने इस बार मसानजोर में काइट फेस्टिवल आयोजित करने का निदेश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने सेल्फी ब्रिज पर बनने वाले फ्लोटिंग रेस्टुरेंट की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में विभाग को पत्राचार किया जा चुका है। उन्होंने मसानजोर के इको कॉटेज के आसपास पार्क लाइट लगाने तथा सेल्फी ब्रिज पर बेंच और गज़ीबो के अधिष्ठापन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उपायुक्त ने कहा कि जिले में डिस्ट्रिक्ट लेवल फोटोग्राफी कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाएगा। खेलकूद की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नव निर्मित इंडोर स्टेडियम में आगामी 15 दिनों के भीतर बैडमिंटन सहित अन्य खेलकूद की सामग्री उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी सामग्रियों की खरीद नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से की जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला खेलकूद पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

आदित्य साहू को भाजपा झारखंड का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर जिला भाजपा परिवार ने जाहिर की खुशी

निज संवाददाता | दुमका

भारतीय जनता पार्टी झारखंड के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को भाजपा झारखंड प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर दुमका जिला भाजपा परिवार ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी। दुमका जिला भाजपा अध्यक्ष गौरवकांत ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आदित्य साहू जी के नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि आदित्य साहू एक जमीनी नेता हैं, जिन्होंने सदैव संगठन और समाज के प्रति समर्पित भाव से कार्य किया है। अवसर पर प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, डॉ अंजुला मुर्मू, परितोष सोरेन, सुरेश मुर्मू, डॉ अमिता रक्षित, अमरेंद्र सिंह मुन्ना, जिला महामंत्री मनोज पाण्डेय, डॉ पवन केसरी, धर्मेंद्र सिंह बिट्टू विवेकानंद राय, मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल, गुंजन मरांडी, कालेश्वर लायक, सोनी हेंब्रम, पूनम देवी, जीतलाल राय, मृणाल मिश्रा, पंकज वर्मा, पिंटू शाह, पिंटू अग्रवाल, नवल किस्कू, गोपीनाथ दत्ता, रूपेश मंडल, सुजीत यदुवंशी, श्रीधर दास, ममता साह, रमेश मुर्मू, भृगुनाथ यादव, मनोज साह, फारूख अनवर, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने आदित्य साहू

जी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में झारखंड भाजपा नई ऊँचाइयों को छुएगी।

महागामा में बच्चों ने खुद से रावण का पुतला बनाकर धूमधाम से किया दहन

निज संवाददाता | महागामा

दशहरा का पर्व जहां बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, इस दौरान परंपरा के अनुसार रावण का पुतला दहन किया जाता है। वहीं महागामा प्रखंड अंतर्गत पछियारी टोला, शबमन गैस एजेंसी कार्यालय के पास, पुरानी धर्मशाला रोड पर इस बार कुछ अलग ही नज़ारा देखने को मिलेगा। यहां के उत्साही बच्चों ने अपनी रचनात्मकता से खुद रावण का पुतला तैयार किया है और शाम में पूरे हर्षोल्लास के साथ पुतला दहन किया जाएगा। बच्चों में सुबह से ही उत्साह चरम पर देखा जा रहा था। बच्चे पूरे समर्पण और जोश के साथ रावण का निर्माण करते नजर आए। बच्चों ने न केवल रावण की आकृति गढ़ी, बल्कि उसमें अपनी कल्पनाशीलता और संदेश भी जोड़े हैं। स्थानीय निवासी और अभिभावकों ने बच्चों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनमें सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक विकास होता है।

बीईओ का विदाई समारोह आयोजित

निज संवाददाता | गोपीकांदर

प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय गोपीकांदर में शनिवार को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुरेन्द्र हेंब्रम के सेवानिवृत्त पर विदाई सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ राजवार, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम, एडीपीओ देवेश सिन्हा, एपीओ श्याम सुंदर मोदक सहित शिक्षा विभाग के कर्मी शामिल हुए। विदाई समारोह की शुरुआत स्वागत गान व दीप प्रज्वलित के साथ हुई। डीईओ और डीएससी ने बीईईओ को फुल माला और शौल उड़ाकर सम्मानित किया। डीईओ भूतनाथ राजवार ने कहा कि सुरेन्द्र हेंब्रम एक कुशल प्रशासक रहा हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षकों ने बीईओ सुरेन्द्र हेंब्रम को स्मृति चिन्ह व उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन सीआरपी भावेश प्रसाद झा ने किया। उपस्थित जनों ने उनके स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना की। बता दें कि बीईओ सुरेन्द्र हेंब्रम ने गोपीकांदर प्रखंड में 10 अगस्त 2022 को शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला था। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष ज्योतिष बास्की, बीईओ के धर्मपत्नी सिलवंती सोरेन, प्रेमशिला किस्कू, रोजमेरी मुर्मू सहित सैकड़ों शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद थे।

दुर्गा पूजा पर संग्रामपुर में दंगल कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित, विजेताओं को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता | गोड्डा/महागामा

हनवारा थाना क्षेत्र के संग्रामपुर में दुर्गा पूजा के अवसर पर श्री श्री 108 दुर्गा पूजा समिति के बैनर तले एक दिवसीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार राम, उपाध्यक्ष अमीक लाल तांती, सचिव अशोक यादव, उपसचिव राजेश यादव, कोषाध्यक्ष बलराम यादव एवं उपकोषाध्यक्ष वेदानंद राम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी और दर्शकों ने विभिन्न पहलवानों के शानदार प्रदर्शन का आनंद लिया। फाइनल मुकाबले में पचुआ कित्ता के सुरेंद्र यादव ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उन्हें समिति की ओर से 5100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। वहीं द्वितीय स्थान अफसर पहलवान को मिला, जिन्हें 3100 रुपये प्रदान किया गया। तीसरे स्थान पर रहे छौपाल यादव को 2100 रुपये का इनाम दिया गया।पुरस्कार वितरण समिति के पदाधिकारियों के साथ पंचायत समिति सदस्य मुकेश कुमार के हाथों किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की फुर्ती और दमखम देखकर उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण खेलों की परंपरा को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हैं। वहीं सोनी पासवान उद्घोषक की भूमिका ने निभाया।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन का आयोजन

निज संवाददाता | महागामा

प्रखंड अंतर्गत मोहारा गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष और विजयादशमी उत्सव के पावन अवसर पर एक भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण में स्वयंसेवकों को इस दिव्य यात्रा का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पथ संचलन : अनुशासन, सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक सूर्य की पहली किरण के साथ ही सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सज्ज होकर जब कदम से कदम मिलाते हुए निकले, तो वातावरण राष्ट्रभक्ति के नारों और संस्कारों की गूंज से भर उठा। यह कोई साधारण परेड नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक यात्रा थी जो हर कदम पर नए संकल्प, हर स्वर में नई चेतना, और हर अनुशासन में राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दे रही थी। विजयादशमी पर विशेष महत्व विजयादशमी का पर्व, जो अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है, आरएसएस के लिए विशेष महत्व रखता है। इसी दिन संघ की स्थापना हुई थी और शताब्दी वर्ष के इस ऐतिहासिक पड़ाव पर यह आयोजन और भी गौरवशाली बन गया। संस्कृति, कर्तव्य और राष्ट्र के प्रति जागरूकता का संदेश कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों और नागरिकों ने यह अनुभव साझा किया कि यह आयोजन सिर्फ एक परंपरा का निर्वाह नहीं है, बल्कि यह संस्कारों, कर्तव्यों, और संवेदनशील राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पण का प्रतीक है। यह यात्रा हमें हमारे मूल्यों, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति हमारे दायित्व की याद दिलाती है। यह सिर्फ परंपरा का पालन नहीं, बल्कि एक नए, सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण का संकल्प है। स्थानीय सहभागिता और उत्साह

मंत्री दीपिका ने विभिन्न दुर्गा मंदिरों में जाकर माथा टेका, क्षेत्र के लोगों से हुईं रुबरु

निज संवाददाता | ठाकुरगंगटी

ग्रामीण विकास मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रूंजी, मोरडीहा, ठाकुरगंगटी, मिश्रगंगटी, बनियाडीह, माल मंडरो, भगैया सहित विभिन्न दुर्गा मंदिर में जाकर माथा टेका मां दुर्गे से आशीर्वाद लिया। इस दौरान वे हर तबके के ग्रामीणों से रूबरू हुए और सबों से बातचीत किया। उनके दुर्गा मंदिर परिसर में आने की सूचना सुनते ही दो-चार घंटे पहले से ही सभी जगह पर लोग उनका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह का आगमन हुआ और पूजा अर्चना करने के बाद बुजुर्ग, युवक, युवती महिलाओं के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चों ने भी उनसे मिलकर बात करने के लिए उत्सुकता से कतार में लगे थे। बातचीत कर ही लिया।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में अब ऑटो और कैब ड्राइवर्स को हर साल मिलेंगे 15 हजार रुपये

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू शनिवार को ऑटो ड्राइवरला सेवालो योजना का शुभारंभ करेंगे, जिसके तहत 2.9 लाख से अधिक पात्र ऑटो और कैब चालकों को सालाना 15,000 रुपये दिए जाएंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ऑटोरिक्शा, मोटर कैब और मैक्सी कैब चालकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का उद्घाटन विजयवाड़ा मध्य निर्वाचन क्षेत्र में किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, नायडू कल ऑटो ड्राइवरला सेवालो (ऑटो चालकों की सेवा में) योजना का शुभारंभ करेंगे, जिसके तहत 2.9 लाख से अधिक ऑटो और कैब चालकों को सालाना 15,000 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी लाभार्थी को पीछे न छोड़ा जाए, इसलिए एनडीए गठबंधन सरकार ने वित्तीय सहायता और लाभार्थियों की संख्या दोनों बढ़ाने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 2.9 लाख से अधिक लाभार्थियों की पहचान की गई है और राज्य सरकार ने लाभ सीधे चालकों के खातों में हस्तांतरित करने के लिए 436 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इसकी तुलना पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार से करते हुए कहा कि उस सरकार ने 2.6 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों को सालाना केवल 10,000 रुपये दिए, जिस पर लगभग 261 करोड़ रुपये खर्च हुए। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन सरकार ने इसका दायरा बढ़ाया है और वित्तीय सहायता में 50 प्रतिशत की वृद्धि की है। अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा योजना में 2.2 लाख से ज़्यादा ऑटो चालक, लगभग 39,000 तिपहिया यात्री वाहन चालक, लगभग 20,000 मोटर कैब चालक और 6,400 मैक्सी कैब चालक शामिल होंगे, जिनमें से अकेले विशाखापत्तनम ज़िले में लगभग 23,000 लाभार्थी होंगे। हालांकि, यह वादा एनडीए गठबंधन के घोषणापत्र का हिस्सा नहीं था, नायडू ने कहा कि यह योजना ऑटो चालकों को हाल ही में शुरू की गई %स्त्री शक्ति% योजना से प्रभावित होने से बचाने के लिए बनाई गई है, जो राज्य भर में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा प्रदान करती है।

दशहरा मनाते रह गए पुलिसकर्मी, जेल की दीवार फांदकर मर्डर के दो आरोपी फरार

कटक, एजेंसी। ओडिशा के कटक में एक जेल में दशहरा आयोजित करना पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया। यहां हाई सिक्योरिटी वाली चौद्वार सर्कल जेल से दो कैदी दीवार फांदकर फरार हो गए। फरार होने वाले कैदियों की पहचान बिहार निवासी राजा साहनी और चंद्रकांत कुमार के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में जेल के मुख्य वार्डर और एक वार्डर को सस्पेंड कर दिया गया है। ओडिशा में जेल एवं सुधार सेवाओं के महानिदेशक सुशांत कुमार नाथ ने इस घटना के बाद शुक्रवार को जेल का दौरा किया। उन्होंने जेल की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने घटना की जानकारी देते हुए कहा, मैंने ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में मुख्य वार्डन और एक वार्डन को सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा चौद्वार पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और डीआईजी सेंट्रल रेंज को जांच सौंप दी है। हम अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कैदियों के भागने में जेल के कर्मचारियों का समर्थन था या नहीं। नाथ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि भागने के लिए कैदियों की कोठरियों की लोहे की छड़ें काट दी गई थीं। दोनों कैदियों ने दीवार पर चढ़ने के लिए कंबल को रस्सी की तरह इस्तेमाल किया था। फरार कैदियों के बारे में जानकारी देते हुए नाथ ने बताया कि दोनों कैदी विचाराधीन थे। दोनों को जनवरी में जाजपुर जिले में एक गहनों की दुकान में लूटपाट और दो व्यक्तियों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

जुबिन गर्ग मौत मामले में नया मोड़, साजिश और जहर देने का दावा

सिंगापुर गए साथी की गवाही ने चौंकाया

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मशहूर और लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग की मौत मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। उनकी बैंड के एक साथी ने गर्ग की मौत मामले में साजिश रचने और जहर देने के चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। सीएनएन-न्यूज 18 की एक रिपोर्ट में टीम के एक साथी की गवाही और उससे जुड़ी रिमांड नोट के हवाले से कहा गया है कि लोकप्रिय गायक के साथ साजिश रची गई थी और उनकी मौत पर पर्दा डालने की नाकाम साजिश हुई थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले में मुख्य गवाह और एक बैंड सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी ने सिद्धार्थ शर्मा और श्यामकानु महंत नामक दो व्यक्तियों पर जुबिन गर्ग को जहर देने के आरोप लगाए हैं। गोस्वामी ने मामले की जांच कर रही स्ट्रक्चर के सामने दावा किया कि विदेश का चयन इस हत्या को छिपाने और मौत को दुर्घटना का रूप देने के लिए किया गया था। विशेष जांच दल ने नार्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल आयोजन टीम के तीन सदस्यों से शुक्रवार को पूछताछ की थी, उनमें शेखर ज्योति

गोस्वामी भी शामिल रहे। गर्ग के साथ सिंगापुर गए इन तीनों लोगों को अदालत ने 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंड के सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी ने दावा किया है कि उन्होंने सिद्धार्थ शर्मा को सिंगापुर में संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त देखा और आरोप लगाया कि शर्मा ने यॉट पर जबरन कब्जा कर लिया था और जानबूझकर साथी यात्रियों को खतरे में डाला था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब जुबिन डूब रहे थे और संकट में थे, गायक के मुँह और नाक से झाग निकल रहा था, तब शर्मा को कथित तौर पर जाबो दे, जाबो दे (उसे जाने दो) चिल्ला रहे थे।

इतना ही नहीं गोस्वामी ने सिद्धार्थ शर्मा पर लापरवाही बरतने और इस मामले पर पर्दा डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गर्ग के मुंह से झाग निकलने जैसे गंभीर लक्षणों को देखकर भी उन्होंने तत्काल चिकित्सा सहायता नहीं मुहैया कराई और इसे सिर्फ एसिड रिफ्लक्स समझकर नजरअंदाज कर दिया। गोस्वामी का कहना है कि इस लापरवाही के कारण ही जुबिन की मौत जल्दी हो गई।

जुबिन गर्ग एक तैराक थे: गोस्वामी ने जोर देकर कहा कि जुबिन गर्ग एक कुशल तैराक थे और उनकी स्वाभाविक रूप से डूबने से मौत नहीं हो सकती थी, जिससे यह विश्वास और पुष्ट होता है कि उनकी मृत्यु आकस्मिक नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा ने कथित तौर पर नौका दुर्घटना का कोई भी वीडियो फुटेज किसी के साथ साझा नहीं करने का सख्त निर्देश दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जब एसआईटी ने शर्मा से इन मसलों पर पूछताछ की तो शर्मा कथित तौर पर गायक के बीमार पड़ने से पहले उनके लिए की गई शराब की व्यवस्था के बारे में भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। गवाह का दावा है कि शर्मा ने तन्मय फुकन को ड्रिंक्स की व्यवस्था न करने का निर्देश दिया था, यह कहते हुए कि वह अकेले ही पेय पदार्थ उपलब्ध कराएँगे और कोई दूसरा इसमें दखल नहीं देगा।

हिमाचल प्रदेश में इस साल दिसंबर तक हो सकते हैं पंचायती राज चुनाव

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस साल दिसंबर तक पंचायती राज चुनाव हो सकते हैं और राज्य चुनाव आयोग द्वारा 15 अक्टूबर तक इन चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की जा सकती है। यह कहना है राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह का, जिन्होंने शुक्रवार को राजधानी शिमला में पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। साथ ही उन्होंने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी ये चुनाव पार्टी चुनाव चिन्हों पर नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा, पंचायती राज चुनाव की तैयारियों को लेकर राज्य चुनाव आयोग जल्द ही रोस्टर जारी करेगा। यह चुनाव दिसंबर 2025 में होना प्रस्तावित हैं और 15 अक्टूबर तक इन चुनावों का रोस्टर आने की संभावना है। उधर चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक पुनर्गठन को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में सिंह ने स्पष्ट किया कि चुनाव गैर-दलीय आधार पर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव पार्टी चिन्हों पर नहीं होते। इसलिए, संगठन का पुनर्गठन हो या न हो, इसका चुनावों पर कोई असर नहीं

पड़ता। इससे न तो चुनावों पर असर पड़ता है और न ही कोई फ़र्क़ पड़ता है। संगठन के बिना भी कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार मज़बूत प्रदर्शन करेंगे और पार्टी अपना दबदबा बनाए रखेगी। मंत्री ने शिमला के इंदिरा गांधी खेल परिसर में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय ग्रामीण खाद्य महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर ये बातें कहीं। ये दोनों घोषणाएं आगामी पंचायत चुनावों के लिए राज्य सरकार की तैयारियों के साथ-साथ सांस्कृतिक और आर्थिक पहलों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की उसकी कोशिशों को भी रेखांकित करती हैं। पिछले महीने की शुरुआत में, शिमला में पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने स्पष्ट किया था कि पंचायती राज चुनावों का कांग्रेस कार्यसमिति के गठन से कोई संबंध नहीं है। सिंह ने कहा था, हिमाचल में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव दलीय आधार पर नहीं होते।

हाईवे पर रैलियां निकालने और रोड शो करने पर लगे रोक

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाई कोर्ट ने स्टेट और नेशनल हाईवे पर सभी राजनीतिक रैलियों, रोड शो और अन्य सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगा दी है। करूर में पिछले शनिवार को हुई भगदड़ को देखते हुई यह फैसला लिया गया, जिसमें 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। यह पाबंदी तब तक लागू रहेगी जब तक ऐसे आयोजनों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार नहीं हो जाती। अदालत ने यह आदेश 4 जनहित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इनमें अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम की रैली के दौरान भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश मांगे गए थे। राज्य सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि जब तक एसओपी तैयार नहीं हो जाती, तब तक राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्धारित स्थानों को छोड़कर किसी भी सभा की इजाजत नहीं दी जाएगी। जज सेंथिलकुमार ने तमिलनाडु पुलिस की हाल ही में विजय के कैंपेन बस से संबंधित दुर्घटना को लेकर कड़ी

आलोचना की। उन्होंने पूछा कि क्या कोई मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, केस दर्ज करने से क्या रोकता है? भले ही कोई शिकायत न दी जाए, पुलिस को स्वयं मामला दर्ज करना चाहिए। सेवा के सीनियर अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को प्रदेश के करूर में विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा। इसके साथ ही, हाई कोर्ट ने टीवीके के दो सीनियर पदाधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

महाराष्ट्र में धर्म परिवर्तन करा रहा अमेरिकी नागरिक अरेस्ट

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के थाणे जिले के एक गांव में कथित तौर पर स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तन कराने की कोशिश करने के आरोप में शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल है। पुलिस ने यह कार्रवाई एक ग्रामीण की शिकायत के आधार पर की, जिसमें दावा किया गया था कि आरोपियों ने भिवंडी के चिम्बीपाडा क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक व्यक्ति के घर के बाहर सभा आयोजित की थी।

पुलिस के अनुसार, प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में कहा गया है कि इस सभा में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को ईसाई धर्म से संबंधित किताबें वितरित की गईं और प्रार्थनाएं की गईं। आरोपियों ने कथित तौर पर ग्रामीणों से कहा कि धर्म परिवर्तन करने से उनकी बीमारियां ठीक हो

जाएंगी।

गिरफ्तार किए गए अमेरिकी नागरिक की पहचान जेम्स वॉटसन (58) के रूप में गुई है। इसके अलावा, वसई के निवासी सायनाथ गणपति सर्पे (42), और मनोज कोल्हा (35) को भी गिरफ्तार किया गया है। सभा मनोज कोल्हा के घर के बाहर आयोजित की गई थी।

पुलिस ने इन तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (भारत के किसी भी वर्ग के नागरिकों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य), धारा 302 (किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्दों का प्रयोग), विदेशी नागरिक अधिनियम, और महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, दुष्ट और अघोरी प्रथाओं और काला जादू निवारण और उन्मूलन अधिनियम, 2013 की अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। स्थानीय पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। अधिकारी ने बताया कि वे इस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब इस तरह का मामला सामने आया है। इससे पहले इसी साल जुलाई में भी पुणे के पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र में अमेरिकी नागरिक और उसके सहयोगी को एक स्थानीय निवासी को वित्तीय सहायता का लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, इस घटना में एक नाबालिग भी शामिल था, जिसे बाद में उसके माता-पिता को सौंप दिया गया।

एयरपोर्ट पर दूसरा रनवे बनाने की तैयारी, पहले फेज का काम अंतिम चरण में

नोएडा, एजेंसी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्रथम चरण का काम अंतिम दौर में है। अब दूसरे रनवे और विमानों के इंजन बनाने वाली कंपनियां स्थापित करने की तैयारी तेज हो गई है। एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 14 गांव के शत प्रतिशत किसानों ने जमीन देने के लिए सहमति दे दी है।

नोएडा एयरपोर्ट के तीसरे चरण में विस्तार के लिए 14 गांवों की 2053 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। 2053 हेक्टेयर में दो रनवे और कुल 750 एकड़ में विमानों के ईंजन बनाने वाली कंपनियां स्थापित होंगी। एविएशन इंडस्ट्री के लिए दुनियाभर की पांच से ज्यादा विमानों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने तीसरे चरण में किसानों को 4300 रुपये प्रतिकर के हिसाब से मुआवजा देने का एलान किया हैं। जमीन देने के लिए शत प्रतिशत किसान सहमति दे चुके हैं। अब अधिग्रहण से प्रभावित करीब 9361 परिवारों को विस्थापित करने के लिए धारा 19 का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। विस्थापन के साथ ही जमीन अधिग्रहण शुरू हो जाएगा। हालांकि, विस्थापन को लेकर कुछ किसानों के कोर्ट जाने की

बात भी सामने आई है। एयरपोर्ट के पहले चरण में 1334 हेक्टेयर में एक रनवे, एक टर्मिनल बना। दूसरे चरण में 1365 हेक्टेयर में अन्य रनवे और एमआरओ हब बनेगा। तीसरे चरणमें 2053 हेक्टेयर में सर्विस रनवे, एविएशन इंडस्ट्री लगेगी। नोएडा एयरपोर्ट पर कुल पांच रनवे बनेंगे।

एयरपोर्ट पर क्रॉसिंग और सर्विस रनवे भी बनाए जाएंगे, जिनसे चलकर विमान हैंगर तक पहुंचेंगे। फिलहाल 27 स्टैंड बनाए जा चुके हैं, जिनमें दो कार्गो के लिए हैं। वहीं, दूसरे चरण की 1365 हेक्टेयर जमीन में 490 एकड़ में दूसरा रनवे बनेगा। सर्विस रनवे बनेगा और करीब 800 एकड़ में एविएशन इंडस्ट्री लगाई जाएगी। वर्ष 2025 तक देश में 1800 विमानों की संख्या होने का अनुमान है। वर्तमान में देश में 700 विमान हैं।

माता वैष्णो देवी यात्रा पर खराब मौसम का साया, 7 अक्टूबर तक स्थगित

जम्मू, एजेंसी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने खराब मौसम के पूर्वानुमान की वजह से पांच से सात अक्तूबर तक यात्रा को स्थगित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी की वजह से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित इस पवित्र गुफा की यात्रा को स्थगित किया गया है। बाकी नवरात्रि के दौरान करीब 1.70 लाख से ज्यादा भक्तों ने माता के दर्शन किए और यात्रा सुचारू रूप से जारी रही थी।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर श्राइन बोर्ड ने यात्रा स्थगित करने की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी को मद्देनजर रखते हुए वैष्णो देवी यात्रा को 5 से 7 अक्तूबर तक स्थगित किया जाता है। यात्रा 8 अक्तूबर से फिर से शुरू होगी। हालांकि भक्तों को आधिकारिक माध्यमों के माध्यम से मिलने वाली जानकारी से ही अपडेट रहना चाहिए।

आपको बता दें, पहाड़ी इलाकों में हाल ही में बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाएं बड़ी हैं। ऐसे में अगर मौसम बिगड़ता है तो प्राकृतिक आपदा का खतरा बढ़ जाएगा। इसे देखते हुए ही श्राइन बोर्ड ने यह एहतियाती कदम उठाया है। इससे पहले भी 26 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश के बाद विनाशकारी भूस्खलन हुआ था। इसकी वजह से यात्रा करीब 22 दिनों तक स्थगित रही थी। इसके बाद 17 सितंबर को फिर से शुरू हुई थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य लोग घायल हो गए थे।

बाला साहेब के निधन के बाद उद्धव ने लिए थे अंगूठे के निशान: रामकदम

बयान पर दो मंत्रियों का समर्थन

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना संस्थापक बाल साहेब ठाकरे की मृत्यु के लगभग 13 साल बाद उनकी चर्चा एक बार फिर से तेज है। दशहरा कार्यक्रम के दौरान बाला साहेब की मृत्यु पर बयान देकर चर्चा में आए शिवसेना शिंदे गुट के नेता राम कदम शुक्रवार को भी अपने इस दावे पर अड़े रहे कि बाल साहेब ठाकरे की मृत्यु की घोषणा से 2 दिन पहले ही उनकी मृत्यु हो गई थी। इस दौरान उनका शव मातोश्री में रखा रहा। पूर्व मंत्री राम कदम ने उद्धव ठाकरे पर आरोप लगाते हुए दावा किया कि बाला साहेब के निधन के बाद उद्धव ने उनकी अंगुलियों के निशान थे। कदम यहीं नहीं रुके उन्होंने उद्धव ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा कि ठाकरे का और उनका नार्को टेस्ट कर लेना चाहिए, ताकि पता चल सके कि कौन झूठ बोल रहा है और कौन सच।

राम कदम को इस मामले में अब शिवसेना के बाकी साथियों का समर्थन भी मिल रहा है। महायुति सरकार में मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने भी रामकदम का समर्थन करते हुए कहा कि कदम द्वारा लगाए गए आरोपों में दम है। उन्होंने कहा, कदम द्वारा लगाए गए आरोप झूठे नहीं हैं लेकिन हम इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते, क्योंकि इससे बाला साहेब की आत्मा को ठेस पहुंचेगी

शिरसाट ने दावा किया कि बाला साहेब की अंतिम संस्कार की तैयारी उनके निधन की घोषणा के दो दिन पहले से ही की जा रही थीं। उन्होंने कहा, मैं मातोश्री में था। पूर्व सांसद विनायक राउत (तब अविभाजित शिवसेना में) ने दो दिन पहले ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। (मुंबई) पुलिस आयुक्त ने पूछा कि क्या हुआ है। इसके बाद, तत्कालीन शिवसेना नेता दिवाकर रावते ने राउत द्वारा की गई (अंतिम संस्कार की) व्यवस्था हटा दी।

वहीं, दूसरी और भाजपा नेता और मंत्री नितेश राणे ने भी उद्धव ठाकरे पर हमला बोलते हुए कहा कि उद्धव ने ही उन्हें बाला साहेब के अंतिम दिनों में उनसे मिलने नहीं दिया था। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे ने नारायण राणे को बाल ठाकरे के अंतिम दिनों में उनसे मिलने नहीं दिया। कदम ही बेहतर बता सकते हैं कि उन दो-तीन दिनों में वहां (मातोश्री में) क्या हो रहा था। हमें बस इतना पता है कि स्विट्जरलैंड से कोई आने वाला था और कुछ कागजों पर हस्ताक्षर के बाद (निधन) की घोषणा होनी थी। उन्होंने कहा कि जितनी देर उद्धव ठाकरे चुप रहेंगे, उतनी ही देर तक वह इन बातों को सही ठहराते रहेंगे। इसलिए उन्हें सामने आकर सच्चाई बतानी चाहिए। उद्धव ठाकरे के प्रमुख सहयोगी संजय राउत ने राम कदम पर पलटवार करते हुए उनके इस आरोप को दिवंगत नेता के साथ विश्वासघात करार दिया। उन्होंने कहा, ऐसे बयान देना बालासाहेब ठाकरे के साथ विश्वासघात है। शिवसेना नेता राम कदम ने दशहरे की एक रैली के दौरान यह दावा किया कि उद्धव ठाकरे ने अपने दिवंगत पिता के शव के साथ अमानवीय व्यवहार किया था। उन्होंने कहा, उनके निधन के बाद मैंने उद्धव जी से उनके चरणों के निशान लेने को कहा था। लेकिन उद्धव जी ने कहा कि उन्होंने उनकी हथेलियों के निशान लिए हैं।

परी चौक को मिलेगा नया लुक

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी । ग्रेटर नोएडा की पहचान परी चौक का सौंदर्यीकरण कर उसे और अधिक आकर्षक बनाया जाएगा। फव्वारों की मरम्मत, नए पत्थर लगाने, दीवारों पर पेंटिंग और लैंडस्केपिंग (भूदृश्य निर्माण) सहित अन्य जरूरी कार्य कराए जा रहे हैं। यह काम अगले दो माह में पूरा हो जाएगा। परियों की मरम्मत का काम पहले ही किया जा चुका है। दरअसल नोएडा- ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और सूरजपुर-कासना मार्ग से होकर आवाजाही करने वाले लोग परी चौक से होकर गुजरते हैं। यह स्थान शहर का प्रवेश द्वार होने के साथ प्रमुख पहचान भी बन चुका है, लेकिन नियमित रूप से रखरखाव के अभाव में परी चौक की सुंदरता गायब हो गई है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने नए सिरे से सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना बनाई है। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक उद्यान राकेश बाबू ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर परी चौक के सौंदर्यीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। यहां पर पहले से लगे फव्वारों की मरम्मत कर कार्य तेजी से चल रहा है। परी चौक के चारों की तरफ दीवार को सही कर उस पर तरह-तरह की पेंटिंग की जाएगी। साथ ही फव्वारों के लिए बनाए गए तालाब में नए पत्थर लगाए जाएंगे। फव्वारों का नियमित रूप से संचालन किया जाएगा। मदद से लैंडस्केपिंग का सुंदर कार्य कराया जाएगा। परी चौक के चारों तरफ बड़े आकार के गमले रखकर हरियाली बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

भारत-रूस के बीच लंबे समय से परस्पर सहयोग आधारित संबंध

दुनिया भर में बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रूस के विदेश मंत्री ने भारत के अन्य देशों के साथ संबंधों को लेकर जो कहा है, उसे एक परिपक्व टिप्पणी कहा जा सकता है। दरअसल, पिछले कुछ समय से अमेरिका ने आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह तेज रफ्तार से नीतिगत फैसले किए हैं, उसके केंद्र में सिर्फ अपना हित सुनिश्चित करने के लिए दूसरे देशों के हितों को नजरअंदाज करने से लेकर उन पर दबाव बनाने तक का रवैया शामिल है। इस क्रम में भारत कुछ ज्यादा ही निशाने पर लगता है, क्योंकि अमेरिका ने शुल्क लगाने से लेकर रूस से तेल आयात करने पर जुर्माना लगा कर कई तरह से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की।मगर भारत के लिए सबसे अहम चुनौती यह है कि वह किसी भी देश के नाहक दबाव के सामने किस हद तक समझौता कर सकता है। ऐसी स्थिति में भारत ने अपनी स्वतंत्र नीति पर अमल जारी रखा और अमेरिका के बहुस्तरीय दबाव के बावजूद अपने स्तर पर कूटनीतिक फैसले लिए। इसके तहत भारत ने बिना किसी आग्रह के यह तय किया कि किस देश के साथ उसे कैसा संबंध रखना है और किसे अपने सहयोगी के रूप में तरजीह देना है।कायदे से भारत के इस रुख से किसी भी देश को उज्र नहीं होना चाहिए था, क्योंकि इसमें अन्य देशों की उपेक्षा या किसी के विरुद्ध कोई नीतिगत दखलअंदाजी नहीं है। इस लिहाज से देखें तो रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का यह बयान महत्त्वपूर्ण है कि रूस ने हमेशा से भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का सम्मान किया है और रूस को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत का दूसरे देशों के साथ कैसा रिश्ता है। लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध कैसे रहते हैं, इसे लेकर भी रूस को कभी चिंता नहीं हुई।जाहिर है, रूसी विदेश मंत्री का बयान एक स्वतंत्र और संप्रभु देश के रूप में भारत के कूटनीतिक फैसलों का सम्मान करने के साथ-साथ अपने ऊपर भरोसे की भी अभिव्यक्ति है। यह छिपा नहीं है कि भारत और रूस के बीच दूरी बनाने के मकसद से अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाने की भी कोशिश की। यह एक तरह से अमेरिका के अपने असुरक्षाबोध का सूचक और जल्दबाजी में किया गया फैसला था। मगर भारत ने अपनी जरूरत और हितों के अनुरूप ही इस संबंध में अपना रुख तय किया और रूस से तेल की खरीदारी जारी रखी।यों भी, भारत और रूस के बीच पुराने और मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं और दोनों देश एक-दूसरे का सम्मान करते रहे हैं। इस क्रम में रूस ने कभी भी इस बात के लिए दबाव नहीं बनाया कि भारत किसी अन्य देश के साथ कैसा संबंध रखे। इसे भी रूसी विदेश मंत्री ने दर्ज किया और कहा कि भारत अपने फैसले लेने में सक्षम है और हम उसके राष्ट्रीय हितों तथा विदेश नीति का सम्मान करते हैं।भारत-रूस के बीच लंबे समय से परस्पर सहयोग आधारित संबंध है, जिसे अब नए दौर में अहम रणनीतिक साझेदारी के तौर पर देखा जाता है। इसी क्रम में दिसंबर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान व्यापार, सैन्य, तकनीकी सहयोग, वित्त, स्वास्थ्य, उच्च प्रौद्योगिकी सहित अन्य कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग पर चर्चा की संभावना है। जाहिर है, तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद रूस के साथ भारत के संबंध परस्पर सम्मान और हित के मूल्यों पर आधारित हैं और रूसी विदेश मंत्री ने इसी को रेखांकित किया है।

दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा। गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

(ललित गर्ग)

गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा। समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रूरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था- आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

(उमेश चतुर्वेदी)

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतरजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है। एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, बंच ऑफ थॉट्स की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है। संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिज़र्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5873

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5872

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 5873

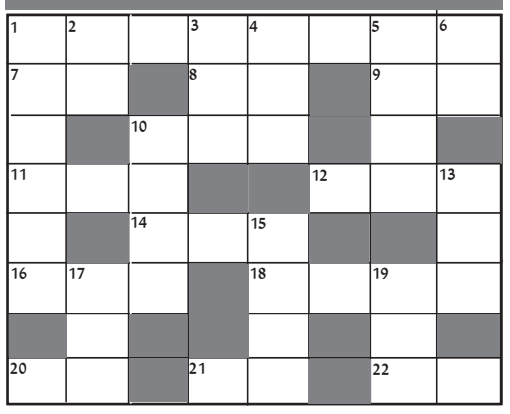

संकेत: बाएं से दाएं
9. सन् 2000 में यह भारत का 28 वां राज्य बना (4)
4. तुल्यता, बराबरी, संतुलन (3)
7. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
8. जिससे काम निकल जाए (5)
9. प्रथा, रिवाज, रस्म (3)
12. संगीत का एक अंग जिसमें कलात्मक ढंग से अंगों का संचालन करना, नृत्य (2)
14. जंगल, अरण्य, वन (3)
15. उतनी वस्तु जितनी एक बार में तली या सेकी जाए (2)
16. अंतत, अवश्यमेव, अंत (3)
18. कुटिलता, धोखा या छल करने का भाव (4)
20. अंगहीन, अशक्त (3)
21. महाशय, श्रीमान, महोदय (3)
22. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)

(ऊपर से नीचे)
9. चटटा टोकरा, पिटारा (2)
2. आंख आना, ओशाबे चश्म, आई हुई आंख (3)
3. पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की राजधानी, उर्ध्ववायु (3)
4. यथार्थत, ठीक-ठीक (4)
5. मुझे (मराठी)(2)
6. जो रिश्ते में पिता के बड़े भाई हो (2)
10. स्तूप के आकार का (4)
11. इस वृक्ष के छोटे फलों से मदिरा का निर्माण होता है (3)
12. सिख धर्मावलंबी, खालसा (5)
13. अवाम, पब्लिक (3)
15. ढलवां तट, पर्वत ढाल (2)
17. क्रीड़नक, इस फिल्म में संजीव कुमार ने एक पागल की यादगार भूमिका की थी (1970) (3)
19. पैर, पांव, डग, कदम (2)

वर्ग पहेली 5872 का हल

घो	लें	ड		अं	गो	ला	
ता	ड	का		त	ल	वा	र
	क	र	वा			रि	त
ता	र		रा	म	दा	स	
जी	ना		ही	न	ता		का
रा		पा		भा	र	द्वा	ज
त	ला	क		व		प	ल
	भ		जा	न	व	र	

आज का राशिफल

मेष
आज संयम के साथ काम करने से आपको सफलता मिलेगी। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उन्हें अपने प्रयासों का अब शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है। शासन और सत्ता अच्छी दोस्ती या बातचीत होने से आपको लाभ मिल सकता है। कार्यस्थल नए प्रोजेक्ट हाथ लग सकते हैं, जिससे प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होगी। हालांकि, रात में कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृष
आज दिन अच्छा रहने वाला है। अगर आपका कोई काम लंबे समय से बीच में अटका हुआ है, तो वह शाम के समय पूरा हो सकता है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। जीवनसाथी का भी आपको पूरा सहयोग प्राप्ति होगा। आर्थिक मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। लेकिन संतान की ओर से कोई ऐसा समाचार मिल सकता है, जिससे मन थोड़ा परेशान रहेगा।

मिथुन
आज दिन भाग्यशाली रहने वाला है और पराक्रम में वृद्धि कराने वाला होगा। रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। यह आपके अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब आपको जीत मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क
आज आपको सावधान रहने की जरूरत होगी, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खोने या चोरी होने का डर बना रहेगा। अगर कार्यक्षेत्र में आपके जरूरी काम रुके हुए थे तो अब वे पूरे होने लगेंगे। आपको अपने प्रोजेक्ट से जुड़ा को शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। रात में किसी मांगलिक कार्य में जाने की संभावना है।

सिंह
आज दिन बेहतर रहने वाला है। आपके चारों और खुशहाली भरा वातावरण बना रहेगा। आर्थिक मामलों में अगर कई दिनों से पैसों की लेन-देन को लेकर समस्या चल रही थी तो अब वह हल हो सकती है। इससे आपको अब पर्याप्त मात्रा में धन लाभ भी होगा और सुख में वृद्धि होगी। व्यापार में किसी पास या दूर की यात्रा की योजना बनकर स्थगित हो सकती है।

कन्या
आज पराक्रम में वृद्धि होगी। जरूरी मामलों में परिवार का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार करने वालों को अपने आसपास के छोटे-छोटे अवसरों को भी पहचानना होगा। बड़े मुनाफे के चक्कर में छोटे लाभों को हाथ से जाने देना नुकसानदायक हो सकता है। सेहत पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है।

तुला
आज दिन शुभ रहने वाला है। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने लगेंगे। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार में कामकाज के सिलसिले में की गई यात्रा आपके लिए सुखद और लाभदायक हो सकती है। शाम के समय आप अपने प्रियजनों से मिल सकते हैं या उनसे जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक
आज विरोधी आपके काम और रचनात्मक सोच की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से अच्छी जान पहचान और बातचीत होने से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामले में आपको ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन का सहयोग मिल सकता है। शाम को आप किसी कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे में विवाद से बचें और सावधान रहें। ऐसे में अगर संभव हो तो अभी के लिए यात्राओं को टाल दें।

मकर
आज दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट और प्रयास उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहकर्मियों की ओर से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। लेकिन शाम के समय किसी भी विवाद या झगड़े से आपको दूर रहना होगा। पारिवारिक जीवन में भी खुशियां दस्तक दे सकती हैं।

कुंभ
आज आपको अपने ससुराल पक्ष से पैसों की लेन-देन करने से बचना होगा। ऐसा करने से संबंध खराब होने का भय बना रहेगा। व्यापार से जुड़ी यात्राओं में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा को मूल्यवान वस्तु खोने की संभावना है। ऐसे में अगर संभव हो तो अभी के लिए यात्राओं को टाल दें। आपका ज्यादा समय संतान की चिंता और उनके कामों में व्यतीत हो सकता है और दांपत्य जीवन में धीरे-धीरे खुशियां आएंगी।

धनु
आज सूर्य कर्क राशि द्वादश भाव में है। इससे नौकरी में आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनने शुरू हो सकते हैं। वहीं, कार्यस्थल पर अपनी मधुर वाणी से आपको सम्मान प्राप्त होगा और मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, आपके विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिल सकती है।

मीन
आज कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं। साथ ही, आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल नहीं रहेगा। ऐसे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें और जोखिम भरे निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर मेहनत के बाद भी आपको नुकसान हो सकता है। व्यापार में किसी समाचार के चलते आपको अचानक यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

चाईना ओपनः

पेगुला चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी अमेरिकी

बीजिंग, एजेंसी। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। जेसिका पेगुला चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अमेरिका की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया और अंतिम चार में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। पेगुला ने कहा, मैंने खुद से कहा कि ज्यादा निराश मत हो और सिर्फ शांत बनी रहो। मैंने रिलेक्स होने की कोशिश की और गेम प्लान पर आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इससे मुझे खुलकर खेलने का मौका मिला। 20 साल की नोसकोवा डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी हैं। एक अन्य सेमीफाइनल में गत चैंपियन कोको गॉफ का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से होगा।

बीएफआई कपः

मुक्केबाज हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने जीते अपने-अपने मुकाबले

चेन्नई, एजेंसी। हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेना के मोहम्मद हुसामुद्दीन ने बीएफआई कप एलीट पुरुष मुक्केबाजी टूर्नामेंट के पहले दौर में हर्ष को 5-0 से हराया। महिला वर्ग में अंडर 22 एशियाई कांस्य पदक विजेता भावना शर्मा (रेलवे) ने सिमरन को 48 से 51 किलोवर्ग में 3-2 से मात दी। वहीं, राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल ने रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर जीत दर्ज की। इस तरह हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी।

पैरा चैंपियनशिपः

कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्टः

टीम इंडिया की अहमदाबाद टेस्ट में बड़ी जीत

● वेस्टइंडीज ने तीसरे ही दिन टेके घुटने, जडेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों से जीत हासिल की. वेस्टइंडीज की दूसरी पारी खेल के तीसरे दिन (4 अक्टूबर) लंच के बाद 146 रनों पर सिमट गई. भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन किया. उन्होंने शतक जड़ने के अलावा दूसरी पारी में चार विकेट झटके. मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 448 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी.

भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 286 रनों की लीड मिली. वहीं वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रनों पर सिमट गई थी. दोनों टीम्स के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा. दूसरी पारी में भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशानजक रहा. 50 रनों के अंदर ही मेहमान टीम के पांच विकेट गिर गए. रवींद्र जडेजा ने जॉन कैम्पबेल (14 रन), ब्रैंडन किंग (5 रन) और शाई होप (1 रन) को चलता किया.

वहीं मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (8 रन) को पवेलियन भेजा. चाइनामैन कुलदीप यादव ने कप्तान रोस्टन चेज को सस्ते में आउट किया. पांच विकेट गिरने के बाद एलिक अथानाज (38 रन) और जस्टिन ग्रीव्स (25 रन) ने मिलकर 46 रनों की साझेदारी की. इस पार्टनरशिप के टूटने के बाद भारत की जीत महज औपचारिकता थी.

दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट झटके. वहीं मोहम्मद सिराज को तीन सफलताएं हासिल हुई. कुलदीप यादव ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिए.

ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए टीम का ऐलानः

रोहित से वनडे की कप्तानी छीनी, कप्तानी अब गिल के हाथों में, श्रेयस उपकप्तान, रोहित-विराट खेलेंगे बतौर खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वनडे टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। रोहित शर्मा से वनडे कप्तानी छीनकर इसे शुभमन गिल के हाथों में सौंपा गया है। गिल पहले से ही टेस्ट टीम के कप्तान हैं। श्रेयस अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली बतौर खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी। पहला वनडे 19 अक्टूबर को पर्थ में, दूसरा 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। भारत की वनडे और टी-20 टीम

वनडेः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्?डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।

टी-20: सूर्यकुमार (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्?डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

पाकिस्तान में ट्रॉफी चोर को इनाम!

● मोहसिन नकवी को मिलेगा गोल्ड मेडल, साहसिक कदम बताकर की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार किसी क्रिकेट उपलब्धि के लिए नहीं, बल्कि एक अजीब वजह से. एशिया कप 2025 के फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी 'ड्रामा' के बाद अब उन्हें पाकिस्तान में शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो उत्कृष्टता स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा. जी हां, वो ही नकवी जिन्हें भारत के खिलाड़ियों ने फाइनल के बाद ट्रॉफी लेने से साफ इनकार कर दिया था, अब उन्हें पाकिस्तान में 'साहस और सिद्धांत' का प्रतीक बताया जा रहा है.

क्यों मिल रहा है गोल्ड मेडल?

रिपोर्ट के मुताबिक, यह फैसला सिंध और कराची बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट गुलाम अब्बास जमाल ने लिया है. जमाल ने कहा कि मोहसिन नकवी ने भारत के दबाव में न झुकते हुए राष्ट्रीय गर्व को ऊंचा किया और इसी 'वीरता' के लिए उन्हें यह गोल्ड मेडल दिया जाएगा. उनके मुताबिक, नकवी ने राजनीतिक और खेल दोनों मोर्चों पर पाकिस्तान की शान को बरकरार रखा.

असल में क्या हुआ था?

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान विवाद हो गया था. रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही तय कर लिया था कि अगर मोहसिन नकवी ट्रॉफी सौंपेंगे तो वे उसे नहीं लेंगे. जब नकवी मंच पर पहुंचे, तो भारतीय कप्तान और खिलाड़ी ट्रॉफी से दूरी बनाकर खड़े रहे.

अब 'बेइज्जती' पर 'गर्व' मना रहा पाकिस्तान

दुनियाभर में इस घटना की आलोचना हुई। क्रिकेट फैंस से लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया, लेकिन पाकिस्तान में नकवी को मजबूत नेता और देश की प्रतिष्ठा के रक्षक के रूप में पेश किया जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान में कुछ राजनीतिक और खेल संगठनों ने नकवी की तारीफ करते हुए उन्हें 'राष्ट्रीय नायक' बताया है.

नकवी बोले, मैंने कुछ गलत नहीं किया

बीसीसीआई की आपत्ति के बाद भी मोहसिन नकवी अपने बयान पर अड़े हैं. उन्होंने कहा, मैंने न कोई गलती की और न ही किसी से माफी मांगूंगा. अब इसी जिद और विवाद को पाकिस्तान में 'साहसिक कदम' मानते हुए उन्हें यह गोल्ड मेडल दिया जा रहा है.

महिला वर्ल्ड कपः

पाकिस्तान के खिलाफ भारत आजमाएगा अपनी ताकत

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें इस रविवार वनडे विश्व कप 2025 में आमने-सामने होंगी। पिछले तीन रविवार को पुरुष टीमों के नाटकीय मुकाबलों के बाद अब यह मुकाबला कौशल के साथ भावनाओं की जंग भी होगा।

भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मुकाबले बेहद मजबूत है. दोनों टीमों ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 मुकाबले खेले, जिनमें भारत ने 24 और पाकिस्तान ने केवल 3 जीते हैं। वनडे में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 में से सभी मैच जीते हैं। भारत ने टूर्नामेंट में पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया, जबकि पाकिस्तान को बांग्लादेश ने सात विकेट से मात दी। भारत की नजर अब नेट रनरेट बेहतर करने पर है, जो टूर्नामेंट के अंतिम चरण में निर्णायक हो सकता है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी।

पहले मैच में छह विकेट 124 रन पर गिरने के बाद निचले मध्यक्रम ने 47 ओवर में 250 से अधिक रन बनाए। भारत की ताकत उसकी बल्कि मजबूत बल्लेबाजी है, लेकिन पाकिस्तान जैसी टीम के खिलाफ बल्लेबाजों को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान की चिंता उसकी बल्लेबाजी रही, पहले मैच में उसके बल्लेबाज पूरी तरह संघर्ष में रहे। फातिमा सना और डायना बेग ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्कोर छोटा रहा।

टीमें:

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

पाकिस्तानः फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी, आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमन फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शावाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, सईदा आरूब शाह।

बदल गया कप्तान, रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारों में शुमार रजत पाटीदार को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है. पिछले कुछ समय में उन्होंने बतौर कप्तान काफी शानदार प्रदर्शन किया है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद पहली IPL ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभा चुके रजत पाटीदार ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल में सेंट्रल जोन की टीम को खिताब जीता था. अब वहमध्य प्रदेश रणजी टीम की कमान संभालने वाले हैं. मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए रजत पाटीदार को अपनी टीम का कप्तान बनाने का ऐलान किया है.

वह आगामी रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में शुभम शर्मा की जगह लेंगे. मध्य प्रदेश ने 2022 में अपना पहला रणजी खिताब जीता था, और अब पाटीदार की कप्तानी में टीम उस सफलता को दोहराने का लक्ष्य रख रही है. वह फिलहाल इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं, जहां वह रणजी चैंपियन विदर्भ के खिलाफ खेल रहे हैं. मध्य प्रदेश की 15 सदस्यीय टीम में बल्लेबाजी मजबूत रखने के लिए यश दुबे, हर्ष गौली और शुभम शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं. वहीं, गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और आर्यन पांडेय के साथ-साथ स्पिनर कुमार कार्तिकेय और सरांश जैन टीम को संतुलित बनाएंगे.

वहीं, हिमांशु मांटरी, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, अधीर प्रताप, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल भी टीम में शामिल हैं. बता दें, रणजी ट्रॉफी 2025-26 दो फेज में खेली जाएगी. पहला फेज 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा, जबकि दूसरा फेज 22 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगा. इसके बाद नॉकआउट स्टेज 6 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा.

● रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश की टीमः

रजत पाटीदार (कप्तान), यश दुबे, हर्ष गवली, शुभम शर्मा, हिमांशु मंत्री, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, अधीर प्रताप, आर्यन पांडे, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल और कुलदीप सेन

दोस्ताना मुकाबलों के लिए

लौटारो रिवेरो अर्जेंटीना की टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिवर प्लेट के डिफेंडर लौटारो रिवेरो को अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। लौटारो उन तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मैचों के लिए चुना गया। अर्जेंटीना 10 अक्टूबर को मियामी में वेनेजुएला के खिलाफ खेलेगा। इसके तीन दिन बाद यह टीम शिकागो में प्यूर्टो रिको को चुनौती देगी। रेसिंग क्लब के गोलकीपर फाकुंडो कैम्बेसिस और पाल्मेरास के मिडफील्डर एनीबल मोरेनो को भी पहली बार अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने टीम में जगह दी है। ये मुकाबले इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाने हैं। इनके अलावा, स्कालोनी ने बॉर्नमाउथ के डिफेंडर मार्कोस सेनेसी को एक बार फिर टीम में शामिल किया गया है, जबकि चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज निलंबन के कारण सितंबर में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स से बाहर रहने के बाद एक बार फिर वापसी कर रहे हैं।

अर्जेंटीना की टीम में एमिलियानो मार्टिनेज, खेरोनिमो रूली, वाल्टर डेनियल बेनितेज और फाकुंडो कैम्बेसिस को गोलकीपिंग का जिम्मा सौंपा गया है। इस टीम की कमान लियोनेल मेस्सी को सौंपी गई है। खेमे में लिवरपूल के मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फ्रेंको मस्तंतुओनो, एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड जूलियन अल्वारेज और इंटर मिलान के स्ट्राइकर लौटारो मार्टिनेज भी शामिल हैं।

लियोनेल मेस्सी गोट टूर 2025 के लिए दिसंबर में भारत आने की पुष्टि कर चुके हैं। चार शहरों का यह दौरा 13 दिसंबर को कोलकाता से शुरू होगा, जिसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में समाप्त होगा।

न्यूज बाइट्स

रुक-रुक कर हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

गोह (औरंगाबाद)(नि. सं.)। गोह प्रखंड क्षेत्र में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार झमाझम बारिश और कभी हल्की, कभी तेज बारिश के कारण आम लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है। गोह बाजार की स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई है। मुख्य सड़क के दोनों ओर बनी नालियों से पानी निकलना मुश्किल हो गया है। जाम नालियों के कारण गंदा पानी सड़क पर फैल गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को चलना-फिरना दूभर हो गया है। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे और जलजमाव के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। वहीं, आसपास के गांवों में भी हालात बेहतर नहीं हैं। कच्ची सड़कों पर कीचड़ और पानी भर जाने से लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। बच्चे और बुजुर्ग घरों से बाहर निकलने में परहेज कर रहे हैं। बारिश के कारण बाजारों में भीड़ घट गई है और सब्जियों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। इसके चलते आने वाले दिनों में दाम बढ़ने की संभावना बनी हुई है। वहीं लगातार भीगने और उमस भरे मौसम के कारण लोग मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी, खांसी और बुखार से भी परेशान हैं। ग्रामीणों और दुकानदारों ने प्रशासन से तुरंत कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने नालियों की सफाई और सड़कों पर जलजमाव को दूर करने के लिए ठोस कार्रवाई की अपेक्षा जताई है, ताकि आम लोगों की मुश्किलें कम हों और सामान्य जीवन वापस पटरी पर आ सके।

14वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए रामाधार बाबू

हसपुरा (औरंगाबाद)(नि. सं.)। हसपुरा प्रखंड के बन बिगहा गांव में मलहारा पंचायत के पूर्व मुखिया राजेंद्र सिंह के पिता और समाजसेवी स्व. रामाधार यादव की 14वीं पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धा और भावपूर्ण कार्यक्रम के साथ मनाई गई। समारोह का आयोजन उनके निवास पर किया गया, जहां उपस्थित लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजसेवी रवींद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और सभी को सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने रामाधार बाबू के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रामाधार बाबू एक सशक्त व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे, जिन्होंने हमेशा समाज के कल्याण के लिए काम किया। वह गांव के विकास और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल रहते थे और किसानों की समस्याओं को लेकर निरंतर संघर्ष करते थे। कार्यक्रम में भुआली साव, विजय कुमार, पिंटू कुमार, अभय कुमार, निर्भय कुमार, रिषू कुमार, अनन्या कुमारी और सिप्पी कुमारी सहित अन्य ग्रामीणों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने कहा कि उनका जीवन और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस पुण्यतिथि समारोह के माध्यम से उनके योगदान और समाज सेवा को याद कर सम्मानित किया गया।

लोकतंत्र की मजबूती और शत-प्रतिशत मतदान के संकल्प के साथ हुआ विशेष कार्यक्रम

मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित युवाओं ने ली मतदान की शपथ

- उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह ने युवाओं को लोकतंत्र की शक्ति और मतदान का महत्व बताया।
- सामूहिक शपथ ग्रहण कर निष्पक्ष व निर्भीक मतदान का संकल्प लिया गया।
- जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में रहे उपस्थित।
- युवाओं से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शनिवार को समाहरणालय सभागार में निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह ने की। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं और अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और इसे सशक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सशक्त मतदाता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह रहा। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने एक साथ शपथ ली "हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा बनाए रखेंगे और स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर, धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय या अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।" इस मौके पर योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रत्ना प्रियदर्शनी, आपदा प्रभारी अंतरा कुमारी, डीआरसीसी प्रबंधक स्नेहा कुमारी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मतदान को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व बताते हुए युवाओं से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में उप विकास आयुक्त ने कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। एक वोट समाज और देश के भविष्य को बदल सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

औरंगाबाद जिले में भारी बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी

जिला प्रशासन ने की लोगों से सावधानी बरतने और घरों में सुरक्षित रहने की अपील

- 04 से 07 अक्टूबर तक भारी वर्षा और वज्रपात की संभावना।
- 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी तेज हवाएं।
- सोन, पुनपुन और अदरी नदियों में जलस्तर वृद्धि की चेतावनी।
- आपात स्थिति में संपर्क करें : 06186-295027, 9470286004

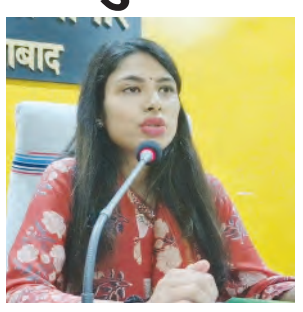

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार मौसम सेवा केन्द्र, पटना और आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार ने 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक औरंगाबाद जिले में भारी वर्षा, तेज हवा और वज्रपात की संभावना जताई है। विभाग ने बताया है कि इस दौरान जिले के कई इलाकों में नदियों और जलाशयों का जलस्तर बढ़ सकता है और जलमग्नता के साथ-साथ फ्लैश फ्लड जैसी आपात स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में नागरिकों से सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। जिला आपदा प्रबंधन शाखा ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि इस अवधि में अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकला जाए। छोटे बच्चों को तालाब, पोखर, नहर या किसी अन्य जलस्रोत के पास जाने से रोका जाए और किसी पेड़, बिजली के खंभे या कमजोर संरचना के नीचे शरण न ली जाए। तटबंध क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर चले जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि बारिश और वज्रपात के समय खेतों में काम न किया जाए और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखा जाए।

जिला प्रशासन ने नागरिकों को सचेत किया है कि भारी वर्षा और तेज हवाओं के कारण कई मार्गों पर आवाजाही बाधित हो सकती है। इसलिए अनावश्यक यात्रा से बचें और सार्वजनिक या निजी परिवहन का इस्तेमाल करते समय पूरी सतर्कता बरतें। आपातकालीन परिस्थितियों में जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र, औरंगाबाद से तुरंत संपर्क किया जा सकता है। इसके लिए कॉल करने वाले नंबर 06186-295027 और 9470286004 हैं। जिला प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि इस दौरान मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग सीमित करें और बिजली कटने या तूफानी हवाओं के समय घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर रहें। नदी, तालाब और नहर के किनारे रहने वाले लोग समय रहते ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की ओर चले जाएं।

भाजपा ने की विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज

सभी छह सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने औरंगाबाद जिले में अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। शनिवार को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर से सांसद डॉ. महेश शर्मा कुटुंबा में आयोजित विधानसभा स्तरीय बैठक में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजेंद्र चंद्रवंशी ने की और संचालन अशोक कुमार पांडेय ने संभाला। बैठक में डॉ. महेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं को जीत का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनके समर्पण के कारण ही चुनाव में किसी भी प्रत्याशी की जीत या हार तय होती है। उन्होंने कहा कि एनडीए प्रत्याशियों की जीत को लेकर सभी को कमर कसनी होगी। भाजपा कार्यकर्ताओं की अनुशासनप्रियता और उत्कृष्ट सांगठनिक क्षमता ही पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने का गौरव दिलाती है। सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के सर्वांगीण विकास और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यों का लाभ सीधे जनता को मिल रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहें और एनडीए के प्रत्याशियों को जीत दिलाने में अपनी पूरी ताकत लगाएं। युवा मोर्चा और आईटी सेल के सदस्यों को विशेष रूप से सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। इस दौरान सभी विधानसभा क्षेत्रों में कोर कमिटी की बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जिसमें टिकट बंटवारे और प्रत्याशियों के चयन संबंधी सुझाव लिए जा रहे हैं। पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने भी सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस बार जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत निश्चित है। कोर कमिटी की बैठक में प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक कुमार सिंह, मनीष राज पाठक, जिला मीडिया प्रभारी मितेंद्र कुमार सिंह, उपाध्यक्ष रेखा पासवान, मनोज शर्मा, जिला प्रभारी मनोज मेहता, विधानसभा संयोजक मनोज मेहता, जिला प्रवक्ता उज्ज्वल सिंह समेत विधानसभा के सभी मंडलों के अध्यक्ष, प्रभारी, संयोजक और मोर्चा के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने चुनावी रणनीति, मतदाता संपर्क और क्षेत्रीय चुनावी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक के माध्यम से भाजपा ने जिले में अपनी चुनावी तैयारी को और मजबूत किया है और एनडीए प्रत्याशियों की जीत के लिए पूरी ताकत लगाने का संकल्प लिया है।

शहर में ज्वेलर्स की दुकान में लखों के आभूषण की चोरी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद शहर के वार्ड नंबर 4 स्थित रामाबांध के पास कलावती ज्वेलर्स की दुकान में शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दुकान की पीछे की दीवार तोड़कर चोर अंदर घुसे और लाखों रुपए की सोने-चांदी की ज्वेलरी तथा नकद राशि चोरी कर ली। ज्वेलर्स शॉप के मालिक नावाडीह निवासी शुभम कुमार ने बताया कि उन्होंने शनिवार सुबह दुकान खोलने पर चोरी की जानकारी पाई। शुक्रवार की रात उन्होंने दुकान को सामान्य तरीके से बंद कर घर चले गए थे। सुबह दुकान खोलने पर उन्होंने देखा कि अंदर सामान बिखरा हुआ है और पीछे की दीवार टूटी हुई है। इस वारदात में लगभग 6 से 8 किलो चांदी, 200 ग्राम सोना और डेढ़ लाख रुपए नकद चोरी हुए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। नगर थाना के दरोगा चंदन कुमार और अन्य पुलिस अधिकारी दलबल के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया। नगर थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुकान मालिक के आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और चोरों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी ने संदिग्ध गतिविधि देखी हो तो तत्काल सूचना दें, ताकि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद मिल सके।

लोकल सब्जियों की भारी किल्लत से थम गया बाजार, दाम आसमान छूने लगे

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

लगातार हो रही वर्षा और मौसम की अनियमितता ने सब्जियों की आवक प्रभावित कर दी है। इसके चलते स्थानीय बाजार में सब्जियों के दामों में लगातार उछाल देखा जा रहा है। हाल के 15-20 दिनों में कई सब्जियों के दाम 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जहाँ कुछ समय पहले कच्ची सब्जियों की कीमत 20-25 रुपये प्रति किलो थी, वहीं अब वही सब्जियां 50-60 रुपये किलो तक बिक रही हैं। इस कारण गरीब परिवारों की थाली से सब्जी धीरे-धीरे दूर होती जा रही है। सब्जी विक्रेता राहुल मेहता, प्रवीण कुमार और मो. इस्लाम ने बताया कि सबसे अधिक महंगी हुई बींस 160 रुपये किलो बिक रही है। हाइब्रिड टमाटर 25 रुपये किलो है, जबकि बेहतर क्वालिटी वाले टमाटर की कीमत 40 रुपये किलो तक पहुंच गई है। धनिया पत्ता 150 रुपये, हरी मिर्च 100 रुपये, शिमला मिर्च और सेम 120 रुपये, फूलगोभी 100 रुपये प्रति किलो बिक रही है। गोल वाला बैंगन 60 रुपये किलो, करैला 50, भिंडी 30, मूली 50, झिंगी 40, अदरक और गाजर 80, खीरा 40, चुकंदर 50, पत्तागोभी 40 और कद्दू 40 रुपये किलो में उपलब्ध हैं। इस समय एक दर्जन से अधिक सब्जियों ने अपने दामों का नया रिकॉर्ड बनाया है। प्याज के दामों में हल्की गिरावट आई है, यह अब 20 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

वहीं परवल और ओल 60 रुपये किलो हैं। दुकानदारों ने बताया कि कुछ सब्जियां औरंगाबाद के स्थानीय बाजार से आती हैं, जबकि बाकी बाहर से आपूर्ति की जाती है। प्याज नासिक और मध्य प्रदेश से, लहसुन नैनीताल, कानपुर और वाराणसी से, तथा टमाटर कर्नाटक के बंगलोर से पहुंच रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण सब्जियों की उपलब्धता कम हो गई है। यदि मौसम ऐसे ही बना रहा, तो आने वाले दिनों में सब्जियों के दाम और बढ़ने की संभावना है, जिससे आम लोगों की थाली और महंगी हो सकती है।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के अवसान स्थल एवं मतदान केंद्रों का निरीक्षण

- मतदान केंद्रों तक पहुँच मार्ग, संचार व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता का परीक्षण किया गया।
- संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ताकि सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी की जा सकें।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के दृष्टिगत 4 अक्टूबर को दाउदनगर के भूमि सुधार उपसमाहर्ता द्वारा जिले के विभिन्न स्थलों पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के अवसान स्थलों और मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना और मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित बनाना था। निरीक्षण के दौरान अवसान स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं जैसे भोजन, स्वास्थ्य सेवाएँ, पेयजल, स्वच्छता और विद्युत आपूर्ति का भौतिक सत्यापन किया गया। इसके साथ ही मतदान केंद्रों तक पहुँच मार्ग, संचार व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता का परीक्षण भी किया गया। भूमि सुधार उपसमाहर्ता ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी की जा सकें और निर्वाचन कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न हो। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को विशेष रूप से सुरक्षा, सुविधा और आपातकालीन तैयारियों पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए, ताकि सीएपीएफ के जवानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो और मतदान केंद्रों पर निर्विघ्न रूप से कार्य किया जा सके।

गेहूं का समर्थन मूल्य 160 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

पटना (नि.सं.)। रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया गया है। सरकारी क्रय केंद्रों पर अब किसानों से इसी मूल्य पर खरीद की जाएगी। गेहूं के मूल्य पर 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। इस वर्ष पैक्सों में गेहूं बेचने पर किसानों को 2585 रुपये मिलेंगे। पिछले वर्ष 2425 रुपये मिला था। केंद्रीय कैबिनेट ने एक अक्टूबर को इसकी मंजूरी दे दी है। वहीं चना पर 225 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। किसानों को इस वर्ष चना बेचने पर प्रति क्विंटल 5875 रुपये मिलेंगे। पिछले वर्ष 5650 रुपये मिले थे। मसूर के लिए 7000 रुपये मिलेंगे। पिछले वर्ष 6700 रुपये मिले थे। यानी मसूर पर 300 रुपये की वृद्धि हुई है। सरसों का एमएसपी 5950 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6200 रुपये कर दिया गया है। सबसे अधिक वृद्धि कुसुम (सैफ्लावर) पर 600 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। इसका एमएसपी 5940 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6540 रुपये कर दिया गया है।

कार्यपालक सहायकों का आंदोलन तेज, दो दिन से सामूहिक अवकाश पर, सोमवार से भूख हड़ताल की चेतावनी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायक और आईटी सहायक अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर दूसरे दिन भी सामूहिक अवकाश पर रहे। शनिवार को बिहार राज्य आईटी कर्मी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले कर्मी दानी बिगहा स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। धरना का नेतृत्व कार्यपालक सहायक सेवा संघ के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र ठाकुर ने किया। उन्होंने कहा कि सेवा नियमितीकरण, वेतनमान निर्धारण, ईपीएफ सुविधा और पुनर्नियोजन व्यवस्था की मांग को लेकर सरकार से कई बार गुहार लगाई गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी के अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन दिया गया, जिससे कार्यपालक सहायक और आईटी कर्मियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। इसी के विरोध में शनिवार को दूसरा सामूहिक अवकाश मनाया गया और सोमवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की गई। रना को संबोधित करते हुए सचिव रंजन कुमार, मो. जफर, धनंजय कुमार, प्रेम कुमार, संजीव कुमार और मनीष कुमार ने कहा कि हमारी नियुक्ति पूरी तरह से नियमित प्रक्रिया के तहत हुई थी। डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा लिखित परीक्षा, टाइपिंग टेस्ट और मेरिट सूची के आधार पर चयन हुआ था। बीते 14–15 वर्षों से सभी कर्मी निष्ठा पूर्वक कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें लगातार उपेक्षित कर रही है।

कर्मियों ने कहा कि बीते दो माह में अन्य विभागों के कर्मियों का मानदेय बढ़ाया गया, परंतु कार्यपालक सहायकों और आईटी सहायकों को इसका लाभ नहीं दिया गया। अगर सरकार जल्द निर्णय नहीं लेती तो भूख हड़ताल अनिश्चितकाल तक जारी रहेगी। आईटी सहायक संघ के जिलाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने भी कहा कि यह आंदोलन हमारी मजबूरी है, क्योंकि सरकार संविदा कर्मियों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपना रही है। धरना में शामिल कर्मियों के अवकाश पर चले जाने से विभिन्न विभागों का कार्य प्रभावित रहा। आरटीपीएस काउंटर पर सन्नाटा पसरा रहा और राजस्व, मनरेगा, कृषि, खाद्य एवं बिजली विभाग के कार्य ठप रहे। आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। संघ के जिलाध्यक्ष ने कहा कि जब तक हमारी चार सूत्री मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि मांगों में सेवा स्थायीकरण, सातवें वेतन आयोग के अनुरूप वेतनमान लागू करना, नियोजन तिथि से ईपीएफ सुविधा देना और सेवा के दौरान मृत्यु या अपंगता की स्थिति में अनुकंपा लाभ प्रदान करना शामिल है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जूलूस में निकाली गयी झांकियां

निज संवाददाता | रफीगंज(औरंगाबाद)

रफीगंज शहर में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के अवसर पर भव्य जूलूस निकाला गया, जिसमें विभिन्न मोहल्लों की झांकियों को गाजे-बाजे के साथ प्रदर्शित किया गया। विसर्जन के दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रहे। बड़ी दुर्गा देवी स्थल के पास काली स्थान, लोहार पटी, संगत, महराजगंज, बाबूगंज और हाजीपुर गोला से प्रतिमाएं एकत्र हुईं। जूलूस मेन बाजार, स्टेशन रोड, किराना पटी होते हुए बस स्टैंड से धावा नदी तक गया। पूरे मार्ग में भक्तिपूर्ण माहौल देखने को मिला। झांकियों और भक्ति गीतों के साथ लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए और श्रद्धालुओं ने जगह-जगह रंगोली, फूलों की बारिश एवं आरती कर उत्सव को और भव्य बनाया।

किराना पट्टी के नरसिंह स्थान के सदस्यों ने मोहल्लों को विशेष रूप से सजाया। जूलूस में शिव शंकर का तांडव और अन्य विविध झांकियों का प्रदर्शन भी हुआ, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर एसडीपीओ-2, अनुमंडल पदाधिकारी, थानाध्यक्ष शंभू कुमार, बीडीओ, अंचलाधिकारी, एसआई कुशो, मिथलेश कुमार, संयोजक गिरिजा प्रसाद, अध्यक्ष प्रदीप उर्फ़ बाबू शौंडिक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने खोजकर लौटाया युवक का खोया हुआ मोबाइल

निज संवाददाता | गोह(औरंगाबाद)

गोह थाना पुलिस ने अपनी तत्परता और संवेदनशीलता का एक बार फिर उदाहरण पेश किया। "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान के तहत पुलिस ने खोया हुआ मोबाइल खोजकर उसके असली मालिक भोला कुमार को सुपुर्द कर दिया, जिससे स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ। टेकारी थाना क्षेत्र के गोहरपुर गांव निवासी भुनेश्वर यादव के पुत्र भोला कुमार शुक्रवार को किसी कार्य से गोह बाजार गए थे। इसी दौरान उनका मोबाइल कहीं गिर गया या छूट गया। काफी खोजबीन के बावजूद मोबाइल नहीं मिलने पर उन्होंने गोह थाना में इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह के निर्देश पर महिला हेल्प डेस्क की टीम सक्रिय हुई। टीम ने तकनीकी सहायता और त्वरित पहल के साथ मोबाइल का लोकेशन ट्रैक किया और थोड़े ही समय में उसे बरामद कर लिया। बरामद मोबाइल को थाना में विधिवत सत्यापन और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भोला कुमार को सौंप दिया गया।

बाइक दुर्घटनाग्रस्त में युवक गंभीर रूप से हुआ घायल

गोह (औरंगाबाद) (नि.सं.)। गोह प्रखंड के देवकुण्ड थाना क्षेत्र के भीमलीचक गांव के पास शनिवार को एक युवक बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार भीमलीचक निवासी अक्षय पासवान के 19 वर्षीय पुत्र प्रिन्स कुमार अपने दोस्त की बाइक लेकर घरेलू सामान खरीदने देवकुण्ड बाजार जा रहे थे। बारिश और खराब सड़क की वजह से बाइक अचानक फिसल गई और प्रिन्स सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे से टकरा गए। इस हादसे में उनका सिर बुरी तरह फट गया। ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें हसपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया गया। युवक के परिजन रो-रोकर घायल पुत्र की चिंता व्यक्त कर रहे हैं। स्थानीय लोग और ग्रामीण इस घटना से दुखित हैं और प्रशासन से सुरक्षित सड़क और बेहतर सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं।

प्रथम पुण्यतिथि पर विधायक ने समाजसेवी प्रवीण राय की प्रतिमा का किया अनावरण

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

हसपुरा प्रखंड के टाल पंचायत अंतर्गत बाघाकोल गांव में समाजसेवी ई. प्रवीण कुमार राय उर्फ छोटू यादव की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण और श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गोह विधानसभा के विधायक भीम सिंह ने प्रतिमा का अनावरण किया और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधायक भीम सिंह ने कहा कि प्रवीण राय एक नेकदिल और समाजसेवी व्यक्ति थे। वे हमेशा समाज सेवा में तत्पर रहते थे और टाल पंचायत सहित आसपास के गांवों और युवाओं के प्रिय थे। उनके योगदान और समाज सेवा के कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर अरवल जिला के बिजली विभाग के जेई नवीन कुमार, प्रकाश कुमार, अमरेंद्र कुमार, निशांत कुमार सहित क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और प्रवीण राय के जीवन और समाजसेवा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके कार्यों को याद करते हुए समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

डेंगू के मिले 16 नए मरीज

पटना(नि.सं.)। शहर में शनिवार को डेंगू के 16 नए मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। इन नए मरीजों के मिलने के बाद डेंगू से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 870 हो गई है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अब भी डेंगू का खतरा कायम है, खासकर नगर निगम क्षेत्र के पाटलिपुत्र और बांकीपुर अंचल में डेंगू के हॉट स्पॉट बन चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, दुर्गापूजा के दौरान इन क्षेत्रों में फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव पर्याप्त रूप से नहीं हो पाया, जिससे मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो सका। नए मरीजों में सबसे अधिक संख्या बांकीपुर अंचल के लोगों की रही। कुल मरीजों का वितरण देखें तो पुरुष मरीजों की संख्या 618 और महिला मरीजों की संख्या 252 है। स्वास्थ्य विभाग ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों और आस-पास के इलाकों में पानी जमा न होने दें और मच्छरदानी एवं कीटनाशक का प्रयोग करें। विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर माह में सबसे अधिक 540 डेंगू के मरीज पाए गए थे और अक्टूबर की शुरुआत में भी मरीज मिलने से यह संकेत मिल रहा है कि अभी भी संक्रमण का खतरा बरकरार है।